तेरापंथीकृत ग्रंथ संग्रह.

आ पुस्तकने यथायोग्य शुद्धारीने

शा० खीमजी जीवराजे सम्यक्दृष्टीओने

वाचवाने अर्थे

मुंबईमध्ये

निर्णयसागर छापखानामां छपावी

प्रगट कर्युंछे.

संवत १९३३ मागसर सुद १ गुरुवासरे

नवेम्बर सन १८७६.

श्री वर्द्धमानायनमः
अथ वेणीरामकृत
साध श्री भीषनजी स्वामीनुं चरित्र प्रारंभ



दोहा.

अरिहंतसिद्धनेआयरिया ॥ उवझ्यायाअणगार ॥ एपाचपदपरमेश्वरू ॥ जपतांजयजयकार ॥ १ ॥ सास नायकसमरिये ॥ महावीरमतिवत ॥ मुक्तगयामहोटा मुनि ॥ शकलसिरेसोभंत ॥ २ ॥ पांचेपदप्रणमीकरी ॥ भावभक्तिभिजिआण ॥ कर्मकाटणरेकारणे ॥ कहुंभीषु चरित्रवखाण ॥ ३ ॥ अरिहंतनीलईआज्ञा ॥ वलीसुगु रुआज्ञाश्रीकार ॥ गुणगावंगुणवतना ॥ तेसांभलतासु वकार ॥ ४ ॥ किहांउपनाकिहांजनमिया ॥ परभवप होताकिणगम ॥ धुरसुंउत्पतिल्यारीकहुं ॥ तेसुणजोश्रु द्धपरिणाम ॥ ५ ॥

ढाल पहेली धिज करे सीता सतीरेलाल ए देशी

तिणकालेनेतिणसमेरेलाल ॥ इणडुसमआरामांयरे लोभागी ॥ जंबूद्विपभरतखेत्रमेरेलाल ॥ मरुधरदेशसुख

दायरे ॥ सो० ॥ नावसुणोनीखूतणारेलाल ॥ १ ॥ रू
देराखोशुद्धधाररे ॥ सो० ॥ सुगुरुनेसमखांयकारेलाल॥
वर्त्तेजेजे काररे ॥ सो० ना० ॥ २ ॥ गामकटालियोदी
पतोरेलाल ॥ कांठेकोरकहायरे ॥ सो० ॥ कमदजराज
करेतिहांरेलाल ॥ वखतसिंघसोहायरे ॥ सो० ॥ ना०
॥ ३ ॥ साहवखुजीसोजनतांरेलाल ॥ दीपादेतसनाररे ॥
सो० ॥ तिहांजीवनजीआवीअवतखारेलाल ॥ सिंहसु
पनदीठेश्रीकाररे ॥ सो० ॥ ना० ॥ ४ ॥ संवतसतरत्र्या
सीसमेरेलाल ॥ आपाढमाससुक्लपक्षमांयरे ॥ सो० ॥ ती
खीतिथितेरससुणीरेलाल ॥ जन्मकल्याणिकथायरे॥सो०
॥ ना० ॥ ५ ॥ अनुक्रमेमहोटाहुआरेलाल ॥ एकपरण्या
नाररे ॥ सो० ॥ पछेशीलदोनुइआदखोरेलाल ॥ कहे
चारित्रलेम्यांजाररे ॥ सो० ॥ ना० ॥ ६ ॥ पछेवियो
गपडयोत्रीयातणुरेलाल ॥ सगपणमलताअनेकरे ॥सो०
॥ ठतानोगठटकावियारेलाल ॥ आयोवैराग्यविशेपरे ॥
सो० ॥ ना० ॥७॥संवतअढारआगवरसमेरेलाल॥लीधो
द्रव्येसंयमनाररे॥ सो० ॥ गुरुकियारुगनाथजीरेलाल ॥
पूरोओलख्योनहीआचाररे ॥ सो० ॥ ना० ॥ ८ ॥ का
लकेतोविद्यापठीरेलाल ॥ वांच्यासूत्रसिद्धंतरे ॥ सो० ॥
ठीकपड्यापशताव्यारेलाल ॥ एतोनदीसेसतरे ॥ सो०॥

ना० ॥ ए ॥ यांथापितायानकथ्रादस्वारेलाल ॥ वली थ्राधाकर्मिजाणरे ॥ सो० ॥ मूलराजियामांहेंरेवेरेलाल ॥ यांनांगीनगवंतथ्राणरे॥ सो० ना०॥ १० ॥ विवेकविकलबालकनणीरेलाल ॥ मूंढतानहीशंकेलगाररे ॥सो० ॥ मतबाधणरेकारणेरेलाल ॥ यानागीनगवंतकाररे ॥ सो० ॥ ना० ॥ ११ ॥ नित्यपिंमलाग्यावोरवारेलाल ॥ पोथीग्रांरागजगामोगामरे ॥ सो० ॥ पडिलेह्यांविनापडियांरेवेरेलाल ॥ ऊ्हांराकिणविधसरसेकामरे ॥ सो० ॥ ना० ॥ १२ ॥ नंमत्उपकरणनेपातरारेलाल ॥ वलीवस्त्रउपधिघनेकरे ॥ सो० ॥ ग्रधिकाराखेत्रेजाणीनेरेलाल॥ यांबूमेंत्रेविनाविवेकरे ॥ सो० ॥ ना० ॥ १३ ॥ वली क्रियामाकाचावणारेलाल ॥ तेकह्योकवलगेजातरे॥सो० ॥समकितरत्नजिनन्नाषिउरेलाल ॥ यांनेतेपणनाव्यो हाथरे ॥ सो० ॥ ना० ॥ १४ ॥

दोहा ॥ विधसुंकरीविचारणा ॥ वारवारविशेष ॥ शुद्धमारगलेणोसही ॥ परनवसामोदेख ॥ रखेजूवलागेलामोनणी ॥ तोखपकरवीवारवार ॥ सूत्रसघलावांचवा ॥जेमसंकानरहेलिगार ॥ २ ॥ राजनगरनणतायकां ॥ उपडीग्रन्यंतरथ्राख ॥ हवेचारित्रलेईशुद्धपालणो ॥ गोडीग्रातमनुंवाक ॥ ३ ॥ मेवेराग्येंघरगोडियो ॥ न्यातीजा

तीरोवांण ॥ इणविधजन्मपूरोकियां ॥ मूलनहोवे क ल्याण ॥ ४ ॥ वीरवचनविचारतां ॥ एनिर्भ्रंनहीअणगा र ॥ खपकरीसमजावुएहने ॥ मलिपाछुशुद्धआचार॥५॥

ढाल वीजी आ अणुकंपाजिन आज्ञामां ए देशी

एहवोविचारकियोतिणगामें ॥ गाढीवातहियामांधा री ॥ हरनाथजीटोकरजीनारमलजी ॥ समजीनेद्धआपु जरेलारी ॥ नीखुचिरित्रसुणोनव्यजीवां ॥ एआकणी ॥ १ ॥ मरुधरदेशमेंआव्यातेवारे ॥ मलियासोजतसेरमो जार ॥ गुरुनेकहेवीरवचनसंनालो ॥ आपांमेनहीछेशुद्धआ चार ॥ नी० ॥ २ ॥ देवअरिहंतनेगुरुनिर्ग्रंथ ॥ केवली नाप्योधर्मततसार ॥ एतिनुहिंरत्नअमूलकजाणो ॥ या तिनामेंनेलमसर्दोलिगार ॥ नी० ॥३ ॥ उंरहिवस्तुमेंनेल पडयाथी ॥ रुडीवस्तुबिगडेछेविशेपो ॥ तोपुण्यनेपापनो नेलकियाथी ॥ सांसोद्धुएतोसूत्रमेंदेखो ॥ नी० ॥ ४ ॥ शुद्धश्रद्धापणहाथनआवी ॥ शुद्धकरणीथीपणआलगा पडिया ॥ आगमन्यायहजीशुद्धसर्दो ॥ तोराखुंमाथेगुरु धरिया ॥ नी० ॥ ५ ॥ नेपधारयांतोमूलनमान्यो ॥ जवनी खुमनमाविचारयोएम ॥ उतावलकियातोएनहीसमजे ॥ धीरेसमजायलेस्यांधरीप्रेम ॥ नी० ॥ ६ ॥ गुरुनेकहेचो

मासोचेलांकरस्यां ॥ चरचाकरसुंदोनुरुडीरीत ॥ सूत्रवां चीनेनिरणोकरस्यां ॥ खोटीश्रद्धाछोडस्याविपरीत ॥ जी० ॥ ७ ॥ रुगनाथजीकहेचोमासुंनेजोकियां ॥ वलीमहारा चेलानेलेवेसमजाय ॥ जीखुकहेजमवाजनेराखो ॥ त्यांने चरचानीखबरपडेनहीकाय ॥ जी० ॥ ८ ॥ इणविधउपा यगणायेकिया ॥ पणचरचानकीधीचित्तलगाय ॥ कर्मघ णानेबहुलसंसारि ॥ तेतोकिणविध श्रावेगाय ॥ जी० ॥ ए ॥ वलीबीजीवारमल्यावगडीमां ॥ कहेयेवीरवचनवीस रीयां ॥ निरणयकरतांनिश्चेनजाण्या ॥ जवजीखुतमकेतो डनीसरिया ॥ जी० ॥ १० ॥ बगडीसुंविहारकियोतिणवे ला ॥ वावलवाजवालागीताम ॥ श्रजयणाजाणीछत्रीमां वेग ॥ रुगनाथजीश्रायातिणगाम ॥ जी० ॥ ११ ॥ व लीजोकघणाश्राव्यासहेरवारे॥तेकहेजीखुनेवारवार ॥ टो लोछोडीमतनिकलोवारे ॥ धीरपराखोवातविचार॥जी०॥ १२ ॥ रुगनाथजीकहेवातसुणोह्मारी ॥ नहीनजोलाइ णडुसमकाल ॥ शुद्धश्राचारसाधुरोनचाले ॥ हवेजीखु इणविधजापेरसाल ॥ जी० ॥ १३ ॥

दोहा. ॥ जीखुवलताजापेजलुं ॥ मेंकिममानुथारी वात ॥ निरणोकियोसूत्रवाचिने ॥ तिणमेंसंकानहीतोज मात ॥ १ ॥ छेलादिनजगेंचालसे ॥ तीर्थधर्मश्रगाध ॥

मेंचोखोसाधुपणोपालसुं ॥ अरिहंतवचनआराध ॥ २ ॥ ठतरीभावेगथका ॥ मोहआएयोसाक्षात् ॥ मनमांहिचिं ताहुइ ॥ पणगरजनसरीअंसमात ॥ ३ ॥ उदयनाणवो ल्याइस्यो ॥ आंसुपचकरोकेम ॥ टोलातणाधणीवाजने॥ आठीनलागेएम ॥ ४ ॥ किणरोएकजावेतेरे ॥ चिताहो वेअपार ॥ महारापांचजाएपरा ॥गणमांपडेबिगाड ॥५॥

ढाल त्रीजी कामणगारी छे कामनीरें ए देशी.

फेरबोल्यारुगनाथजीरे ॥ येंजासोकतरीकूर ॥ आ गोथारोनेपीछेमहारोरे ॥ हुंलोकलगावीसपूर ॥ चरित्र सुणोनीखुतणुरे ॥ १ ॥ एआंकणी ॥ नीखुवलतांनापे नलूंरे ॥ जीवणोकेतोएककाल॥ चोखोसाधुपणुंपालस्यां रे ॥ नहींलोपाजिनवरपाल ॥ च० ॥ २ ॥ विहारकीयो बगडीथकीरें ॥ हुआरुगनाथजीपणलार ॥ चरचाकरी वरलुंवडेरे ॥ तेसाम्लजोनरनार ॥ च० ॥ ३ ॥ रुगना थजीईशडीकहेरे ॥ एडुसमकालसाक्षात् ॥ चोखुंसाध पणुंपलेनहीरे ॥ मानोहमारीवात ॥ च० ॥ ४ ॥ नीखुक हेजिनेनापिउरे ॥ सूत्रआचारांगमाय ॥ ढीलानागलएम नापसेरे ॥ हमणाशुद्धनचलाय॥ च० ॥ ५ ॥ वलसंघय णहीणाकरीरे ॥ पूरोनपाजेआचार ॥ आयुचजिनजीइम

न्नापियोरे ॥ इमकहेसेजेपधार ॥ च० ॥ ६ ॥ साचीसूत्र तणीवारतारे ॥ मानेनहीजगार ॥ समजाव्यासमजेनही रे ॥ जबखटहुआतेणिवार ॥ च० ॥ ७ ॥ जीखनजीआ ठेठेइतिहांरे ॥ तेरेजणाहुआतैयार ॥ पाछीदिक्षालेवाज णीरे ॥ करवाआतमनुंचद्धार ॥ च० ॥ ८ ॥ श्रावकपण तिणअवसररे ॥ जोधाणसेरमेंताम ॥ तेरेनाइयेपोमाकि यारे ॥ तिणदियोतेरापंथनाम ॥ च० ॥ ए ॥ पाखमपं थदूरेकियोरे ॥ देखरह्याअरिहंत ॥ अनेरोपंथमानेनहीरे ॥ जाणीयेंतेरापंथीतंत ॥ च० ॥ १० ॥ गयादेशमेवाड मेंरे ॥ केलवाडेसहेरमोजार ॥ आज्ञालेइअरिहतनी रे ॥ पचख्यापापअढार ॥ च० ॥ ११ ॥ संवतअढारसं तरोतररे ॥ आसाढशुदपुनेमजाण ॥ सयमलियोस्वा मिजीयेंरे ॥ करीजिनवचनप्रमाण ॥ च० ॥ १२ ॥ हर नाथजीहाजरहतारे ॥ टोकरजीतीखासुविनीत ॥ परम नकासीखपाटवीरे ॥ इहांराखीपूजनीपरतीत॥च०॥१३॥

दोहा ॥ चारित्रलीयोचूंपसु ॥ पाखमपंथनिवार॥ नवियणरेमननावतां ॥ हुआमहोटाअणगार ॥ १ ॥ वदेवदेपूजाकहो ॥ श्रमणनिर्यंथनीजाण ॥ तिणसुंपूज प्रगटथया ॥ एजिनवचनप्रमाण ॥ २ ॥ वलीवकचूली यामांवारता ॥ त्रैपनापठीविचार ॥ अधिकपूजाअरिहंते

कही ॥ श्रमणनिर्ग्रंथनीश्रीकार ॥ ३ ॥ तिणसुंपूजपूजा विया ॥ दिनदिनअधिकदयाल ॥ उपकारकिधाअतीघणा ॥ मटथामोहजंजाल ॥ ४ ॥ किहांकिहांविचरया स्वामिजी ॥ किहांकिहांकियाउपकार ॥ थोडोसुंप्रगटकरुं ॥ तेसुणजोविस्तार ॥ ५ ॥

॥ ढाल चोथी आछे लालनी देशी छे. ॥

हाडोतिढुंढाड ॥ वलीमरुधरदेशमेवाड ॥ आछेलाल ॥ एचारुंदेशमाआविआजी ॥ १ ॥ पाखंमतउठयाअनेक ॥ पूजेमेटयाआणिविवेक ॥ आ० ॥ सूत्रचरचानाजोर सुंजी ॥ २ ॥ करतापरउपकार ॥ पाछाआव्यामारवाम ॥ आ० ॥ चरमउपकारहुवघणोजी ॥ ३ ॥ चारजायानेवायांसात ॥ त्यांदिक्षालीधीपुज्यरेहाथ ॥ आ० ॥ वैराग्येघरछोडियाजी ॥ ४ ॥ चांणोदआदेदेश्जाण ॥ पीपार ताइपीछाण ॥ आ० ॥ छेलादर्शनदियापूज्यजी ॥ ५ ॥ गामनगरकरताउपकार ॥ आव्यासोजतसेरमोजार ॥ आ० ॥ रायमलनीछत्रीमेउतरयाजी ॥ ६ ॥ हुकुमचदआगेआयोताम ॥ पूज्यनेवाधासीसनाम ॥ आ० ॥ वीनतितोविधसुंकरीजी ॥ ७ ॥ चोमासोकरोसिरियारीमांय ॥ पक्कीहाटेंबिराजोआय ॥ आ० ॥ पूज्येमानीलीधीवीनतिजी ॥ ८ ॥

वगमीकंटालियेदोय ॥ वीनतिवणीकीधीजोय ॥ आ० ॥ चोमासारीअरजमानीनहीजी ॥ ९ ॥ पुज्यआयासिरिया रीचलाय ॥ दिओचोमासोगाय ॥आ०॥आज्ञालेइपक्षीहा टमाउतखांजी ॥ १० ॥ भारमलजीखेतजीउदेराम ॥ रायचदजीब्रह्मचारीताम ॥ आ० ॥ जीवोमुनीवैरा गीनगजीनक्तिमांजी ॥ ११ ॥ श्रावणमासमोजार ॥ आवश्यकअर्थेविचार ॥ आ० ॥ लखिलखिशीष्यनेवता वताजी ॥ १२ ॥ गोचरीफरवागामगाम ॥ दर्शनदेवाका म ॥ आ० ॥ श्रावणशुदपुनमलगेजी ॥ १३ ॥

दोहा॥ औपमातोआठीकही॥श्रमणनिर्ग्रंथनेश्रीकार॥ चोरासीअतीदीपती ॥ अनुयोगद्वारमोजार॥१॥वलीदस माअंगअधिकारमां ॥ कहीत्रीसउपमांतत ॥ श्रमणनि र्ग्रंथनेसोनतो ॥ नापीगयानगवत ॥ २ ॥ वलीपट्द शदीनीओपमां ॥ बहुश्रुतनेश्रीकार ॥ उत्तराध्ययनअध्य नइग्यारमें ॥ वीरेकह्योविस्तार ॥ ३ ॥ इणअनुसारेओ लखो ॥ नीखुनेनलीनात ॥ ओपमागुणआगणा ॥ ल्यारोपारनकोइपावत ॥ ४ ॥ गुणवतगुरुरागुणगावियां॥ तीर्थंकरनामगोत्रबंधाय ॥ हवेउपमासहितगुंणवरणवु॥ तेसुणजोचित्तलाय ॥ ५ ॥

ढाल पांचमी हरियानेरंगभरियाजी निलाजिननि रखुनेएसुं ए देशी॥

आदिनाथआदेसरजीजिनेश्वरजगतारणगुरु ॥ धर्म आद्यकाढीअरिहंतऽएड्डसमेआरामांकरमकाटयाजी ॥ प्र गटयाआदिजिणदज्युंएअचरिजअधिकआवत ॥ १ ॥ सा धनीखुसुखदायाजीमनभायानवियणजीवने ॥ ए आंक णी ॥ स्यामवरणअतिसोहेजीमनमोहेनेमजिणंदज्युं ॥ ज्यारीवाणीअमियसमाण भवियणरेमनभायांजी ॥ चि त्तलायांतीरथचारमांमुनीगुणरतनारीखाण ॥ साध० ॥ ॥ २ ॥ कालवादीआदिजाणीजी मतआणीमारगभ थापवा ॥ कुवरल्याकेलव्याकुड पाखंडगोचापोचाजी ॥ काइज्ञानकरीगिरवामुनी ॥ चरचाकरीकियाचकचूर ॥ साध० ॥ ३ ॥ संखउज्वलश्रीकारीजी पयधारीदोनुदीप ती ॥ बगडेनद्दीदूधलगार ज्युंतपजपक्रियाकीधीजी ॥ क रलीधीआतमउजलीपयदशयतिधर्मधार ॥साध०॥ ४ ॥ कुमुदचेशनोघोडोजीअतीसोरोकरेसिरदारने ॥ नद्दीआणे एरलगार॥ज्युनवियणनेथेताखाजी॥ उताखापारसंसारथी ॥सुखेजासेमुगतमोजार ॥ साध० ॥ ५ ॥ सूरसिरोम णीसाचोजी ॥ नद्दीकाचोजडतांकटकर्मे ॥ सुवनित

अश्वअसवार ॥ ज्युंकरमकटकदलदीरोजी ॥ जश लीयोजाजोजगतमा ॥ चडवासूत्रअर्थश्रीकार ॥ सा ध० ॥ ६ ॥ हाथीहथिणापुरवारोजी ॥ वलधारीदिन दिनदीपतो ॥ वधेशाववरसणुद्दमान ॥ ज्युंतेयालीसवर सालगेंजाजाजी॥तपताजातेजतीखारह्या त्यांरापराक्रमप णपरधान ॥ साधु० ॥ ७ ॥ वृखननसियखंधनारीजी ॥ स रदारीगायांगणमध्ये ॥ ठेवनारवह्नेनलीनांत ॥ ज्युंगण नारठेवनिनायाजी ॥ चलायातीरथचुपसु ॥ सद्गुसाधामां ह्सेसोह्तं ॥ साध० ॥ ८ ॥ सिंहमृगादिकनुंराजाजी ॥ अ तीताजादाढातेजसु तेनेजीवनजीपेकोय ॥ ज्युकेशरी नीपरेगुंज्याजी ॥ सदाधुज्यापांखमीयाकसुं ॥ थानेगंजस क्योनहीकोय ॥ साध० ॥ ए ॥ वासुदेववलजाणोजी ॥व खाण्योवीरचरित्रमा ॥ संखचक्रगदाधरणहार ॥ थाराज्ञा नदर्शनचारित्रतीखाजी॥ नहीफीकात्यांकरतेजसुं ॥ पूज्ये पांखमदिष्ठोनिवार ॥ साध० ॥ १० ॥ आखानरत नोराजाजी॥ अतिताजासेन्यासजकरी ॥ आणेवैरियां रोअंत ॥ थेंपाखंमसद्गुओलखायाजी॥ हटायांवुद्धतपा तसुं ॥ तत्ववतायातत ॥ सा० ॥ ११ सक्रेइसिरदारीजी वज्रधारीसुरमांसोनतो ॥ जखादिकनेजीपेजाण ॥ जिम सूत्रवज्रसरिकारीजी ॥ वलधारीवुद्धतपातसुं ॥ पूज्येपा

डीपारखंभियारीहांण ॥ सां० ॥ १२ ॥ आदित्यउग्याआ
कासेंजी ॥ विणासेतिमिरतेजसुं ॥ अधिकोकरेउद्योत ॥
ज्युंअज्ञानअंधागेमेटायोजी ॥ बतायोमारगमोक्षरो ॥
घणाराघटमांघालीज्योत ॥ साध० ॥ १३ ॥ चंदसदासुख
कारीजोपरिवारिग्रहनाघणमध्ये ॥ सोमकारीसोचंत ॥
ज्युंचारतीरथसुखदायाजी ॥ मनजायांनवियणजीवने ॥
नीखुनलाजशवत ॥ सा० ॥ १४ ॥ लोकवणाआधारीजी
अतीनारीनानकरीनखा ॥ तेकोवगारकहाय ॥ ज्युंज्ञाना
दिकगुणनरियाजी ॥ परवरियापुज्यप्रगटथयां ॥ आधार
नूतअथाय ॥ साध० ॥१५ ॥ सर्ववृक्षांमांअतिसोहेजी॥
मनमोहेदीसेदीपतो ॥ जबुसुदर्शनजाण ॥ ज्युंसंतामां
सीरदारोजी ॥ मतनारीनीखुनरतमां ॥ हुआअचरिजका
रीसुजाण ॥ १६ ॥ सीतानदीसिरेजाणीजी वखाणीवीर
सिध्दातमा ॥ पांचसोजोजनप्रवाह ॥ ज्युंतपज्योतेअतीती
खाजी ॥ नदीफीकारह्याजफावता ॥ सदाकालसुखदाय॥
॥ साध० ॥ १७ ॥ मेरुनीउपमाआछीजी ॥ नहीकाचीक
हीकपालजी ॥ तेवंचोधणुअत्यंत ॥ औषधअनेकछा
जेजी ॥ विराजेगुणत्यांमेंघणा ॥ ज्युंइम्हश्रुतबुध्दवंत ॥
साध० ॥ १८ ॥ स्यमनूरमणसमुद्रेजी ॥ पुरोपावराजप
दोजोकह्यो ॥ प्रनूतरतननरपूर ॥ ज्युंसागरजेमगंनीरां

जी ॥ सूरवीरांगुणकरीगाजतां ॥ सूत्रचरचामांसूर ॥ साध० ॥१ए॥ एपद्दशउपमांश्राखीजी एसाचीसूत्रमांकही बहुश्रुतनेश्रीकार इणेअनुसारेजाणोजी पीछाणो करल्यो पारखुं एनीखुगुणरानंभार ॥ साध० ॥ २० ॥ उपमा अनेकगुणगाजेजी ॥ विराज्यांगाधीवीररी ॥ पूज्यपाटला यकगुणगाय समुद्रजेमअथागजी ॥ जलयागजिनजाप्यो नही ॥ गुणपूराकेमकहाय ॥ साध०॥२१॥ पाटलायक शीष्यनालीजी ॥ सुहालीप्रकृतिसुंदरु ॥ न्यारमलजीथेरगं निर ॥ पदवीथिरकरीयापीजी ॥ कांइश्रापीतेहश्राचारजे जाणीसुविनितसुधीर ॥ साध० ॥ २२ ॥

दोहा॥ चरमकल्याणकहुउवणु ॥ तिणरोसुणोस हुविस्तार ॥ सरियारिमास्वामिजीविराजियां ॥ हवेनाइ वामासमोजार ॥ १ अल्पश्राशाताफेरातणी ॥ कांइक जणाणीजाण ॥ उरअधिकअशातानउपनी ॥ पूर्वलापु एयप्रमाण ॥ २ ॥ जेनेपूर्वपापप्रबलहुवे ॥ तेरीवेयणादिन रात ॥ एवीअशातावेदनीयारेनही ॥ एपदवीधरपूज्य विख्यात ॥ ३ ॥ हवेपंजोसणामोपरवडा ॥ तिनटंकहु वेवखाण ॥ नरनारीश्रावेघणा ॥ सुणवासुंदरवाण ॥ ४ ॥ शुक्लपक्षसुहामणु ॥ मासनाइवोजाण ॥ चोथज श्रावीचांदणी ॥ श्रायुनेडोश्रायोपीछाण ॥ ५ ॥ सल्य

योगीने स्वामीकहे ॥ थें आगशीष्यसुनित ॥ साजदियो थेंमुजनणी ॥ मेंसंयमपाव्योरुडीरीत ॥ ६ ॥ टोकरजीती खाहूता ॥ विनयवंतविचार ॥ नक्तिकरीनारीघणी ॥ सु विनीतहूआश्रीकार ॥ ७ ॥ नारमलजी सुंनेलपघणी ॥ रहीजरुडी रीत ॥ जाणेपाळनवतणी ॥ लगतीहुंती प्रीत ॥ ८ ॥ एतिनारासांह्यथी ॥ मेपाव्योसंयमनार ॥ चित्तसमाधरहीगणी ॥ रहीज एकणधार ॥ ए ॥ उत्तरा ध्ययनपहेलाध्ययनमें॥ नाप्योवीरजिणंद ॥ शीष्यसुविनी तहुएसदा ॥ तोगुरुनेरेवेआणद ॥ १० ॥

ढाल, ळीपंथीडारेवात कहेने धुरछेहथीरे॥एदेशी.

देवेरेदेवेसीखामणस्वामजीरे ॥ सासणचलावणका मरे ॥ साधजरेसाधश्रावकनेश्रावकारे ॥ घणासुणताति णगामरे ॥ सुणजोरेसुणज्योसीखसोहामी तणीरे ॥ १ ॥ एआकणी ॥ मुजनेरेमुजनेजाणताजिणविधिरे ॥ राख तामुजपरतीतरे ॥ तिमहिजरेतिमहिजपरतीराखजोरे ॥ नारमलजीरीएहिजरीतरे ॥ सुणजो० ॥ २ ॥ आज्ञारे आज्ञालोपे एहनीरे ॥ दोषलाग्यांकाढेघणवाररे ॥ तिण नेरेतिणने साधुमतसर्दजोरे ॥ मतगणजोतीरथमोजाररे ॥ सु० ॥ ३ ॥ आज्ञारेआज्ञाआराधेएहनीरे ॥ सदारहे

वेशुननीतरे ॥ सेवारेसेवानक्तिकरजोएहनीरे॥ आजि न मारगनीरीतरे ॥ सु० ॥ ४ ॥ सेपदवीरेपदवीदीधीजे एहनेरे ॥ नारलायकजाणीनारमलरे ॥ संकारे संकामूलमराखजोरे ॥ एयामेअसलसाधारीचालरे ॥ सु० ॥५ शुद्धरेशुद्धसाधनेसेवजोरे ॥ अणाचारीसुंरहेजोदूररे॥ आ ढेलीरेढेलीसीखामणधारजोरे ॥ ज्युंकरमकरोचकचूर रे ॥ सु० ॥ ६ ॥ उसनारेउसनानेवलीपासन्नारे ॥ कुशीलियापरमादिपीछाणरे ॥ आपढंदारेआपढंदाआपढंदे रेवेसहिरे ॥ तिणेनागीनगवतआणरे ॥ सु० ॥ ७ ॥ यांपांचुनेरेपांचुनेप्रज्ञुनिपेधियारे ॥ ज्ञातानिसीहविसाल रे ॥ तियारोसंगरेसंगपरचोकरवोनहीरे ॥ आवांधी नगवतपालरे ॥ सु०॥ ८ आणंदरेआणंदश्रावकेअनिग्र हलियोरे ॥ जिनमतथीजेन्यारोजाणरे ॥ तियांरीसेवारे सेवानक्तिकरवीनहीरे ॥ पेलावोलाव्यारापच्चखाणरे ॥सु० ॥ ए ॥ वीररेवीरजिणंदवखाणिउरे ॥ आणंदअनिग्रह श्रीकाररे ॥ थेएहिजरेएहिजरीत आराधजोरे ॥ जिमपामोनवजलपाररे ॥ सु० ॥ १० ॥ सघलारेसघलासाध नेसाधवीरे ॥ राखजोहेतविशेषरे ॥ जिणतीणनेरेजिण तिणनेमतमुंटजोरे ॥ हिव्रादेजोदेखदेखरे ॥ सु० ॥ ११॥ कोइदोपजरेदोपलगावेगणमध्येरे ॥ वलीकर्मवशेंबोले

कूडरे ॥ काएजरेकाणमतराखजोतेह्नीरे ॥ प्रायश्चि तनलियेतोकरजोदूररे ॥ सु० ॥ १२ ॥ आदीधीरेदीधी सीखामणस्वामीजीरे ॥ एकांततारणनेतामरे ॥ उरजरेउ रकारणत्यांनेकोनहीरे ॥ तिणसुंसीजेनिकेवलकामरे ॥ सु० ॥ १३ ॥

दोहा ॥ प्रथमवचनश्रीपूज्यना ॥ चरमवचनचम त्कार ॥ उपदेशतोआछोकह्यो ॥ तेसांभलतांसुखकार॥१ शुद्धगतिजावेजेह्ना ॥ जैसाइरहेपरिणाम ॥ गंगानीरप रेनिरमला ॥ चित्तरहेएकणठाम ॥२॥ परमभक्तोशीष्यआ ढिवे ॥ ठेवसुधीपूछयोवारंवार ॥ कांइअशाताआपरे ॥ स्वा मीकहेनहीलिगार ॥ ३ ॥ श्रीवीरसुगतविराजिया ॥ सोलपहोरकियोवखाण ॥ इणेडुसमआराइधकमें ॥ ति मर्हिजभीखुजाण ॥ ४ ॥ वलीउपदेशदियोकिणविधें ॥ किणविधबोल्यावाण ॥ भव्यजीवातुमेसांभलो ॥ चित्तने आणीविकाण ॥ ५ ॥

ढालसातमी चतुरनरवातविचारोएह एदेशी

भारमलजीआदेसाधांभणीरे॥ श्रीपुज्यजीकेवेलेबोला य ॥ चरमसीखामणमाहेरीरे ॥ सांभलजोसुखदाय ॥ भविकरेभीखुदेउपदेश ॥ १ ॥ एआंकणीजे ॥ मेंतोजावत

दीसांपरनवेरे ॥ संकानदीसेकांय ॥ मरणारोनयमाह्वरे
नहीरे ॥ दैयडेहपेअथांय ॥ न० ॥ २ ॥ मेंचारित्रदि
उंयणाजणनणीरे ॥ समकितपमाइरुडीरीत ॥ श्रावक
श्राविकाकियायणारे ॥ एकंततारणनीनीत ॥ न०॥३॥
मेंजोमाकीधीज्ञगतमुंरे ॥ समजाव्यांनरनार ॥ उंणायत
रहीनहीरे ॥ माह्वरामनह्मोजार ॥ न० ॥ ४ ॥ थेंपण
रेजोनिर्मेलारे ॥ मोह्मतकरजोलिगार ॥ अरिहंतवचन
आराधजोरे जिमनिर्भेखेवोपार ॥ न० ॥ ५ ॥ रायचंद
जीब्रह्मचारीनेइमकेवेरे ॥ तुमेगोवालकवुद्धवान ॥ मोह
मतकरजोमाह्वरोरे ॥ राखजोरुमोध्यान ॥ न० ॥ ६ ॥
ब्रह्मचारीकहेवेसामिनेरे ॥ आपपधारोशुद्धगतिमांय ॥
पंमितमरणकरोनजोरे ॥ हुंमोह्आणुकिणन्याय ॥ न०
॥ ७ ॥ वलीपूज्यवाणीइणविधवदेरे ॥ थेंआराधजोआ
चार ॥ इर्याजापानेएखणारे॥ लोपजोमतीलिगार ॥ न०
॥८॥ भंमउपकरणलेतांमेलतांरे ॥ परठतांपुजतांताम ॥
जयणाकिजोयुगतमुंरे ॥ जिमसीजेआत्मकाम ॥ न०
॥ ९ ॥ शीप्यशीप्यणीउपकरणउपरेंरे ॥ ममतामकिजो
कोय ॥ ममतामोहकियांयकांरे ॥ करमतणुंवधहोय ॥
॥ न० ॥ १० ॥ पुदगलममताकोइमतकरोरे ॥ इणमम
तासुंदुःखथाय ॥ समतासदाइराखजोरे ॥ जिमजावो

वेगाम्रुगतगढमांय ॥ न० ॥११ ॥ प्रथमअनकशीष्यपाटवी रे ॥ तवखोजेएवीवाय ॥ विरह्पडेदर्शनतणुंरे ॥ तवपू ज्यबोल्यासुखदाय ॥ न० १२ ॥ येंसंयमआराधीसुरथ सोरे ॥ मुजथीमहोटाअणगार ॥ महाविदेह्खेत्रमध्येरे॥ यारादेखजोदीदार ॥ न० १३ ॥

दोहा ॥ सत्ययोगीकहेश्रीपूज्यने॥आपजासोजीम रेमांहे ॥ स्वामिकह्वेसुणोसाधजी ॥ महारेजीमतणीन हीचाह ॥ १ ॥ पुग्रलिकसुखछेपावला ॥ मेंजोत्याअ नंतीवार ॥ त्यारीवांछामूलरुंनहीं ॥ माहरेजावुंमुक्तमो जार ॥ २ ॥ सकाममरणकरीस्वामिजी ॥ एपम्डितमर णपीछान ॥ आलोयणाआठीकरी ॥ दुइगयाअष्टसुजा ण ॥ ३ ॥ सदानिर्मलथास्वामिजी ॥ पणमरणअंत विशेष ॥ नरमाइकरेघणी ॥ परजवसासुंदेख ॥ ४ ॥'आ लोयणाकिणविधकरे ॥ तिणविधनाहताजाण॥ वचनअ मुलकवागरे ॥ तेसुणजोचतुरसुजाण ॥ ५ ॥

॥ ढालआठमी ह्वेराणीपदमावती एदेशी ॥

अरिहंतसिद्धनीसांखसुं ॥ वमाशीष्यसुवनीत ॥ वली सत्ययोगीरीसांखसुं ॥ वचनवदेरुमीरीत ॥ सुणजोआ लोयणस्वामितणी ॥ १ ॥ एआकणीछे ॥ चोरासीलाख

जोवायोनने ॥ खमावुंकरीखांत ॥ रागद्वेषनहीमाहरे ॥ तेदेखीरह्याअरिहंत ॥ सु० ॥ २ ॥ शीष्यसुविनीतहुआ घणा ॥ केईकुशीष्यअविनीत ॥ कवणवचनकह्यातेह्ने॥ खमावुंरुडीरीत ॥ सु० ॥ ३ ॥ साधवियांसतियांमध्ये ॥ कह्यिकरमीविचार ॥ कवणसीखदीयीहुवे ॥ तेखमावुवा रंवार ॥ सु० ॥ ४ ॥ श्रावकनेवलीश्राविका ॥ केईकांने करडादेख ॥ कवणवचनकियाहुवे ॥ तेखमावुंहुंविशेष ॥ सु० ॥ ५ ॥ चारतीर्थनेशुद्धचलावियां ॥ सीखदीयीसुख दाय ॥ करडोकाठोलागोहूवे ॥ त्यांनेदेजोखमाय ॥ सु० ॥६॥ मेंचरचाकीयीचूंपसुं ॥ घणासुंगामगाम ॥ कवणव चनकह्याजाणीतेह्ने ॥ खमाव्याजेईजेईनाम॥सु० ७॥ जि नमार्गनाद्वेषीजेघणा ॥ तेकूडीकरेवकवाय॥ खेदआव्यो हुवेकिणउपरे ॥ तेसहुनेदेजोखमाय ॥ सु० ॥ ८ ॥ त्र सथावरआदेजीवजेघणा ॥ त्यारीहिंसालागीहोय ॥ मन वचनकायाकरी ॥ मिछाडुक्कडमोय ॥ सु० ॥ ९ ॥ क्रो धमानमायाकरी ॥ लोभनयवसहोय ॥ जेकोइजुगलागोहु ए ॥ मिछाडुक्कडमोय ॥ सु० ॥ १० ॥ कोइअदत्तमुने लागोहुए ॥ सुताजागताहोय ॥ ममताधरीहोवेमेथुनथी ॥ तेथ्यालोयणखातेजोय ॥ सु० ॥ ११ ॥ शीष्यशीष्य णीवस्त्रपात्रवप [illegible] छाकीधीदेख ॥ मनवचनका

री ॥ मिछादुक्कडविशेष ॥ शु० ॥ १२ ॥ एहवीआलो
यणाशुणी ॥ आणेमनवैराग ॥ तेपणकर्मखपावेआपरा
॥ पामेशुखअथाग ॥ शु० ॥ १३ ॥

दोहा ॥ पांचेआश्रवमाहेलो ॥ लागोहुएकोइवार
॥ व्रतसंनाव्यासामिजी ॥ आलोयाअतीचार ॥ १ ॥ व
डाशीष्यसुवनीतरी ॥ दुगतीमलीजजोड ॥ लाहारेकांइरा
खीनही ॥ काटवाकरमकठोर ॥ २ ॥ थोडीअशातांफेरा
तणी ॥ ओरअसातानहीतिणवार ॥ षटशीष्यसेवासांच
वे ॥ एवांपुण्यसंच्यासार ॥ ३ ॥ आज्ञाउपरआदरी ॥
नीखुनलेजनाव ॥ जन्मसुधाखोज्जुगतिसुं ॥ जाणेतरण
रोदाव ॥ ४ ॥ सखरीकरीसंलेषणा ॥ अणसणनुंअधि
कार ॥ नावधरिनवियणसुणो ॥ आलशअंगनिवार॥५॥

॥ ढालनवमी आवियो रावण एदेशी ॥

नाइवासुक्कपंचमिप्रगटी ॥ चोथनगतचउविहारठावे
अशाताअधकीटूपातणीउपनी ॥ तोहिसूरकायरपणुना
हीलावे ॥ कररहोजीवतुंनगतनीखुतणी ॥ १ ॥ एआंक
णी ॥ पारणुकियोपांचमप्रनातरो ॥ औषधअल्पसुंअहा
रलीयो ॥ तेपणअहाररसमुनहीप्रगम्यो ॥ तिणेदिनत्रण
अहाररोत्यागकियो ॥ क० ॥ २ ॥ सातमआठमअहा

रत्नेअल्पसुं ॥ तततक्षणत्यागतोकरलेवे ॥ पुज्जसवरूपतो पूज्यपिराणिने ॥ आशावांगसद्धमेटदेवे ॥ क० ॥ ३ ॥ खरेमतेकहेखेतसीखातकर॥ तरततोत्यागरोनाहीकेणो॥ पूज्यकहेदेहपातलीपाडवी ॥ तेरसदिनतोअणसणले णो ॥ क० ॥ ४ ॥ वीरधोरोवतोश्रावकसनमुखे ॥ वि विधप्रकारेसुखडीआपे ॥ पूज्यकहेइछानहीमाहरे ॥ थिर करीमोक्षसुंप्रीतथापे ॥ क० ॥ ५ ॥ नाइवासुक्लपखनव मीतणेदिने ॥ पूज्यकहेअहारतोत्यागलेउं ॥ सत्ययोगी कहेमुजहाथरोचाखिए ॥ चरमअहारथोडोआणदेउं ॥ क० ॥ ६ ॥ अल्पसोअहारलाव्यास्वामिखेतसी ॥ चाख करततक्षणत्यागकीधो ॥ एतोमनराख्युंसुविनीतशीष्यत णु ॥ पणइछासुंअहारत्यांनाहीलीधो ॥ क० ॥ ७ ॥ दश मतणेदिनपरमजगताशीष्य ॥ पुज्यजीआहारल्योएमजांपे ॥ चालीसचावलदशमवरेआसरे ॥ वीनतीमानीनेतेहचा खे ॥ क० ॥ ८ ॥ इग्यारसेतोपुज्यअहारत्यागीदियो ॥ अमलपाणीरोआगारराख्यो॥ हवेमुजअहारलेतोमतजा णजो ॥ वचनअमुलकएमजाख्यो ॥ क०॥ ९ ॥ सनमु खपधारियांतावडोआवियो ॥ बारसवेलोथिरकरगयो ॥ सक्तिइसीरहीअहारकियाविना ॥ एअचरिजअधिकेआ यो ॥ क० ॥ १० ॥ जीवणआर्छेअरजकीधीहाटनी ॥

तोहीपूज्यपकोहाटआयवेग ॥ सेणसोखाकिउविसराम तिहांजियो ॥ स्वामितोमनमांहेअधिकसेग ॥क०॥११॥ सुखेसुतादेखीपूज्यपरमगुरु॥ रिखरायचदआएएमबोले॥ रुपातोकिजियेंदरिशणदिजिये ॥ तामतोपूज्यजीनयन खोले ॥क०॥ १२ ॥ पूज्यसुंवीनवेपराक्रमहीणापडया॥ ब्रह्मचारीविनयसुंएमबोले ॥ केसरीनीपरेंवयणहीयडेध रे ॥ तामतेआपरोतेजतोले ॥ क० ॥ १३ ॥

॥ दोहा ॥ बोलाव्याजारमलजीनणी ॥ वलीखेतसी सुजाण ॥ यादकरताआविया ॥ चटकेउनाआण ॥ १॥ अरिहंतसिद्धप्रणमीकरी ॥ पोतेजकियापच्चखाण ॥ ति नअहाररात्यागजावजीवहे ॥ उंचेस्वरबोल्याइमवाण॥२॥ प्रथमनगताशीष्यइमकहेवे ॥ केमनराख्योअमलरोआगा र ॥स्वामिकहेआगारकिसोराखणो॥किसीकरवीदेहीनीसा र ॥ ३ ॥ बारसदिनबेलामध्ये ॥ दोयघडीदिनजाण ॥ कस्योसंथारोस्वामीजी ॥ मनमाउजमआण ॥ ४ ॥ खबर थइअणसणतणी ॥ घणाआव्यादर्शनकाज ॥ वैराग्यव ध्योअतीघणो ॥ कहेधनधनएमुनीराज ॥ ५ ॥

ढालदशमीनव्यजीवांतुमेजिनधर्म उलखोएदेसी

कोइकहवेसंथारोसीजेस्वामीतणो ॥ तिहांजगेमारेहो

काचापाणीगपच्चखाण ॥ कोइकहेकुशीलरात्यागछे ॥ घणेगेडयाहोस्नानसमताआण ॥ नव्यजीवातुमेवादोनीसुनावसुं ॥ १ ॥ एआंकणी ॥ कोइअन्नआरजनहीआदरे ॥ कोइकरेहोवकायदणवारात्याग ॥ केइकांरेलीजोतरीखाणीनही ॥ इत्यादिकहोदुओअत्यंतवैराग ॥ न० ॥ २ ॥ केइधर्मतणादेपीहूंता ॥ तेपणअचरिजहोपाम्यातेणीवार ॥ अनम्यापणआवीनम्या॥ तिणेपणजाण्योहोएमार्गततसार॥न०॥३॥परिकमणुकियापछेकहेपूज्यजी ॥ शीष्यनेकहेहोविधसुंकरोवखाण ॥ शीष्यकहेवखाणरोसुंविशेपछे ॥ पूज्यबोल्याहोपागअमृतवाण ॥ न० ॥ ४ ॥ क्याइआर्यायेंअणसणलियोहोवे ॥ तिणागमेंहोजायकरोवखाण ॥ मुजअणसणमें चढरंगसुं ॥ उपदेशहोदेवोहोमहोटेमगण ॥ न० ५ ॥ वखाणकियोविस्तारसुं ॥ सुखेसुताहोपाछलीरातमाय ॥ जेतोजीआयासमायककरवानणी ॥ तिहांप्रणम्याहोपूज्यजीरापाय ॥ न० ॥ ६ ॥ गुणग्रामकियात्यांअतीघणा ॥ धनधनकहवेहोआपमहोटाअणगार ॥ पूज्यकहवेपरिणामचोखामादरा ॥ तिणरीसंकाहोमतआणजोलिगार ॥न०॥७ ॥आपेंपाणीपीवोपूज्यजी ॥ पहोरदिनहोजाजेरोआव्योजाण ॥ चरमशब्दचारुंकह्या ॥ अचरिजकारीहोबोल्याअमृतवा

ए ॥ न० ॥ ८ ॥ साधुश्रावकसुणतांकह्यो ॥ सुंसव्रत होकरावो सहरमांय ॥ सामाजावोसाधआवेथछे ॥ आरजियाहोआवेछेचलाय ॥ न० ॥ ए ॥ चोथोशब्दइसमो कह्यो ॥ धीरेंबोल्याहोतिणरीविगतनकांइ॥ न०॥ १० ॥ नारमलजीस्वामिइमवीनवे ॥ थानेहोइजोहोस्वामीसरणा चार ॥ किणहीमांहेमनमतराखजो ॥ आपकियोहोघणा जीवांरोउद्धार ॥ न० ॥ ११ ॥ अवधिज्ञानउपनुंनजा ण्यो ॥ तिणसुंपाछोपूछयोनहीलिगार ॥ इहांजाएोमन साधामेंगयो ॥ पाछोनहिकियोहोइणवातरोविचार॥ न० ॥ १२ ॥ घणागामांराश्रावकश्राविका ॥ दरसनकरवाहो आव्याबहुगाढ ॥ चरमउछवकियोचूंपसुं ॥ इसडोहूओ होसरियालीमेंगाढ ॥ न० ॥ १३ ॥

॥ दोहा ॥ पालीसुंचाल्यापाधरा॥दोयसाधआयातिण वार ॥ रिखवेणीदासनेकुशालजी ॥ देखीअचरिजपाम्यानर नार॥१॥ पगप्रणम्याश्रीपूज्यरा॥जबदियोमाथेहाथ ॥ सा तापूछीपाछानिकल्या ॥ पणमुखसुंनकीधीवात ॥ २ ॥ इ णउत्तमआरातेहमे ॥ अवधवागरियोनहीजात ॥ पण संयमआराध्योस्वामीजी ॥ तिणछुंकहीअटपसीवात ॥ ॥ ३ ॥ हुवेवैमानीकदेवता ॥ तिणनेअवधउपजेआय॥ ॥ नाभिगयाजिनराय ॥४॥ इणलेखे

ृज्यजीतणे ॥ श्रवधज्ञानउपनुंश्राय ॥ निश्चेतोजाणेके
ाली ॥ पणसंकानरहीकाय ॥ ५ ॥

ढालइग्यारमी रामको सुजस घणु ए देशी

दोइसाधश्रायातिकेरे ॥ बोलेवेकरजोड ॥ दरशनदी
ृदयालरोरे ॥ पुग्यामननाकोड ॥ नीखुनजोनावसुंरे
॥ १ ॥ एश्राकणीने ॥ रिखवेणीदाशइमवीनवेरे ॥ था
नेहोजोसरणाचार ॥ तुमसरणमुझनवोनवेंरे ॥ होजो
ारवार ॥ नी० ॥ २ ॥ जेशोहीमारगजिनतणुरे ॥
नेसोहीजमायोश्राप ॥ दिनदिनश्रधिकादीपियारे ॥ टा
ल्याघणारासंताप ॥ नी० ॥ ३ ॥ स्तुतिश्ररिहंतसिद्धात
णीरे ॥ संतजावीश्रीकार ॥ जाणेनक्तिकरेथीनीखुतणी
ै॥ इणश्रवसरमोजार ॥ नी० ॥ ४ ॥ एटलेश्रावीतिनश्रा
ाजियारे ॥ वखतुजीजुमादाइजीजाण ॥ श्रचरिजश्र
धिकउपनुंरे ॥ पूज्येवातकहीतेमलिश्राण ॥ नी० ॥ ५ ॥
वारतीरथनलेनावसुंरे ॥ देखेदरिशणदीदार ॥ नक्तिकरे
नीखुतणीरे ॥ जाणीश्रवसरसार ॥ नी० ॥ ६ ॥ वेग
हुश्राजिणश्रवसरेंरे ॥ ध्यानाशनश्रीकार ॥ जाणेकेजिन
जी विराजियारे ॥ नजाणीश्रशातालिगार ॥ नी० ॥७॥
तेरे५६ ... जाणेदेवविमान ॥

इस्योरे ॥ पूज्यवेगाठोडगाप्राण ॥ नी० ॥ ८ ॥ सुक्ल पक्षसोहामणोरे ॥ मासभादरवामांय ॥ तेरसतिथीदिन पाळजोरे ॥ आसरेदोढपहोरगणाय ॥ नी० ॥ ९ ॥ प्रथ मपदपरमेसरूरे ॥ त्यांराकल्याणकपांचप्रकार ॥ इणविध कल्याणकत्यारांहूआरे ॥ इणदुसमकालमोजार॥नी० ॥ १० ॥ सिरियारीमेस्वामिजीयेरे ॥ चावीकीधीगामगाम ॥ जन्मसुधारयोसुगतसुंरे ॥ इहांरोलीजेनितप्रतेनाम॥नी०॥ ॥११॥ साधतोनीखुसारखारे ॥ आखाभरतरेमांय ॥ दु आनेहोसेवलीरे ॥ आजनकोदेखाय ॥ नी० ॥ १२ ॥ सोधंतांतोपावेनहीरे ॥ नीखुसरखासाध ॥ करडोकामपड सेचरचातणुरे ॥ तिणवेलाआवसेयाद ॥ नी०॥ १३ ॥ ॥ दोहा ॥ स्यालीसवरसांलगे ॥ कांइकजाजेरोजाण ॥ संयमपाल्योस्वामिजी ॥ समतारसघटआण ॥ १ ॥ दिनदिनअधिकादिपीया ॥ तेजप्रतापपीछाण ॥ जिनभा गैवताव्युंयुक्तसुं ॥ अखंमवरतावीआण ॥ २ ॥ आख्या आदइझीतणो ॥ रह्योअधिकोतेज ॥ शरीरनिरोगोनिरम लो ॥ दीवेउपजेहेज ॥ ३ ॥ कियाचोमासाचूंपसुं ॥ चा तुरनेचालीस ॥ भव्यजीवारानागरा ॥ घणामेटयारागनेरी स ॥ ४ ॥ कियांकियांचोमासाकिया॥ कियांकियाकियोक पकार ॥ नामलेइनरणुकहुं ॥ तेसुणजोविस्तार ॥ ५ ॥

ढालवारमी थेमनमोह्या महावीरजी एदेशी

ठचोमासाकिया केलवे ॥ सतरएकवीसेजाणजी ॥ पचवीसेअडतीसेओगणपचासमें॥ त्रीजोअगवनेपीछाण जी ॥ सुणजोचोमासास्वामीतणा ॥ १ ॥ एआकणी॥ तिणगामेउपकारहूओघणो ॥ मोकमसंघजीठाकुरजाण जी ॥ दरशनकरतांउग्यालरा ॥ वलीसुणतांआवीवखा णजी ॥ सु० ॥ २॥ सातचोमासासिरियारीकिया ॥ उग णीसवावीसेउगणतीसेजोयजी ॥ उगणचालीसबायाली एकावने ॥ सातेंचरमकल्याणकहोयजी ॥ सु० ॥ ३ ॥ सातकियापालीमांपूज्यजी ॥ तेवीसेतेत्रीसेजाणजी॥ चा लीसेचुमालीसेबावने ॥ पचावनेओगणशठेवखाणजी ॥ सु० ॥ ४ ॥ पांचचोमासाकियाखेरवे ॥ ठवीसेबत्रीसेवि चारजी ॥ एकतालीसेंतालीचोपने ॥ तिहांकियोघणुउप कारजी ॥ सु० ॥ ५ ॥ बगडीमेंपूज्यविधसुंकिया ॥ ती नचोमासाश्रीकारजी ॥ सत्यावीसेनेत्रीसामेंजी ॥ त्रीजो ठतीसेलेजोविचारजी॥सु०॥६ ॥ नाथद्वारामेनीकाकिया॥ तीनचोमासातेतीकजी ॥ स्यालीसेपचासेठपने ॥ जियांरी रुडीराखजोठीकजी॥सु०॥७॥ कंटालियामांयेंकीयाकिवा॥ पूज्यकीयाचोमासादोयजी॥ चोवीसाअगवीसावरसमां॥

जिहांजन्मकल्याणकहोयजी ॥ सु० ॥ ८ ॥ पीपाडमेंपा खंमीहुताघणा ॥ दोयदीयाचोमासागयजी ॥ चोत्रीसे पीसतालीसवरसमे ॥ वणुंदियोमिथ्यातमिटायजी ॥सु० ॥ ए ॥ गढरणतन्नमरकिलोतिहां ॥ तलेटीमाधुपुरमो जारजी ॥ एकतीसेअडतालीसेदोनुकिया ॥ तिहांअधिक हुओउपकारजी ॥ सु० ॥ १० ॥ दोयचोमासाकियापु रसहरमे ॥ तिहांउपकारजाजेरोजाणजी ॥ ओगणीसे सतावने ॥ तेगुणलेजोचतुरसुजाणजी ॥ सु० ॥ ११ ॥ अगरेवरसेवरलुकियो ॥ वीसेराजनगरविचारजी ॥ पेंती सेंआमेटपाछुसेंतीसमे ॥ तेपनेसोजतसहरमोजारजी ॥ ॥ सु० ॥ १२ ॥ पन्नरेगाममेंकियापूज्यजी ॥ चुमालीस चोमासासारजी ॥ एतोपरमनगताशीष्यपाटवी ॥ घणा रह्यापूज्यरेलारजी ॥ सु० ॥ १३ ॥

॥ दोहा ॥ आदहुआआदिसरु ॥ आदिनाथअरिहं त ॥ तीजाआरातेहमां ॥ मुक्तगयामतवत ॥ १ ॥ त्यां आदकाढीजिनधर्मनी ॥ जुगलियांवारोमिटाय ॥ संसा रीनेधर्मनी ॥ दीधीरीतवताय ॥ २ ॥ आदकाढीअरिहं तज्युं ॥ नीखुनलाजसाध ॥ इणहुसमआरामध्ये ॥ ली आअरिहंतवचनआराध॥३॥ नव्यजीवरांजागसुं॥कियोच णोउद्योत ॥ मतिश्रुतराजोरसुं ॥ घणघटगाजीजोत

॥ ४ ॥ उपकारकीधोअतिघणुं ॥ तेपूरोकेमकेवाय ॥ पणघोडोसोप्रगटकरुं ॥ तेसुणजोचित्तलाय ॥ ५ ॥

ढाल तेरमी पुज्यजीपधारोहोनगरीसेवियाएदेशी

सायसायवीश्रावकश्राविका ॥ एयाप्यातीरथचारहो ॥ महामुनि ॥ जिनमारगजमायोमुनीवरयुक्तसुं ॥ घणु पाखंमदियोनिवारहो ॥ महा० ॥ थेंनलानेअवतरयाहो नीखुनरतखेत्रमां ॥ १ ॥ एथांकणी ॥ लोकालोकनवत त्वतणां ॥ वलीदयादानदिपायहो ॥ महा० ॥ यांरानेद यथातथ्यनाप्या ॥जिनवरज्युंदियाजमायहो॥महा०॥थें० ॥ २ ॥ चारित्रदियोएकसोतीनआसरे ॥ सघलानेसंवेग चढायहो ॥ महा० ॥ केइपाखंमांहेसुंखांचने ॥ श्रा एयामारगमांयहो ॥ महा० थें० ॥ ३ ॥ जोडांकीधीमु निवरयुक्तसुं ॥ सहसपचासआसरेगुणायहो ॥ महा० ॥ निरणुन्यायवताव्योनिर्मलो ॥ जाणेनापगयाजिनराय हो ॥ महा० ॥ थें० ॥ ४ ॥ समकितशुद्धस्वरूपवतावि उ ॥ निजगुणपरगुणन्यायहो ॥ महा० ॥ सावद्यनिर्वि द्यपीछाणन्याराकिया ॥नहींदीसेकिणमतमांयहो॥महा० ॥ थें० ॥ ५ ॥ श्रादोतिढूंढाडवलीकछदेसमें ॥ मरुधरदेश मेवाडहो ॥ ॥ घणारातदिवशरटेरामनामज्युं ॥

आपश्शडोकियोउपकारहो ॥ महा० ॥ थें० ॥ ६ ॥ परवचनकरेपरभावना ॥ शुद्धमारगदेवेदेखायहो ॥महा०॥ ज्ञाताअंगमेंअरिहंतेआखीओ ॥ तीर्थंकरनामगोत्रबंधायहो॥महा० ॥ थें० ॥ ७ ॥ इणभेवेआपरेअतिओपतो॥ बंध्योदिशेतीर्थंकरनामगोतहो ॥महा० ॥ धर्मआदकाढीअरिहंतआदिनाथज्युं ॥ कीयोअत्यंतउद्योतहो ॥ महा० ॥ थें० ॥ ८ ॥ आपइणभवेपणउत्तमथया ॥ परभवमेंपणशोभायहो ॥ महा० ॥ उत्कृष्टोअनुपममोक्षे ॥ आपपोचसोतिणगतिमायहो ॥ महा० थें ॥ ९ ॥ जन्मकल्याणकंटाजियेजाणजो ॥ दिक्षामहोछवलगभीमोजारहो ॥ महा० ॥ चरमकल्याणिकसरियारीमेसोभतो॥ एतीनुंइजोडविचारहो ॥ महा० ॥ थे० ॥ १० ॥ वीरजिणंदरीगाधीबीराजिया ॥ सुवनीतसुधर्मास्वामहो ॥ महा० ॥ इणविधपूज्यरेपाटप्रगटथया ॥ भारमलजीशामीयारोनामहो ॥ महा० ॥ थे० ॥ ११ ॥ एचरित्रकियोभीखुअणगाररो ॥ बगडीसहेरमोजारहो॥ महा०॥ सवतअढारसागवरसमें ॥ फागणवदतेरसगरुवारहो ॥ महा० ॥ थें० ॥ १२ ॥ कोइअक्षरआघोपाछोआयोहुए ॥ अधिकोउछोआयोहुएकोयहो ॥ महा० ॥ रिख

वेणीदाशजीकहेकरजोडीने ॥ मिछामीडुक्कडंमोयहो ॥
॥ महामुणी० ॥थि०॥१३॥ इति श्रीनीखुचरित्र समाप्त

अथ श्री नव पदार्थना तेर द्वारप्रारंभ

नवपदार्थनुं स्वरूपकहेछे मूल दृष्टांत कुण आत्माजीव अरूपी निरवद्य नाव ड्व्यगुणपर्याय इत्यादिक आज्ञा छे य तलाव तेमाप्रथम मूल द्वारकहेछे जीवते चेतन अजी वतेअचेतन पुण्यते शुनकर्म पापते अशुनकर्म कर्मोनेग्रहे ते आश्रव कर्मोनेरोकेते संवर देशथकी कर्मोनेतोडीने देश थकी जीवउज्वलथायते निर्जरा जीवसंघाते कर्मबंधाणाते बंधसमस्तकर्मथीमूकावबुते मोक्ष इति प्रथम द्वारसमाप्त

बीजो दृष्टांत द्वारकहेछे जीवचेतनरा बे नेदछे एक सिद्ध बीजासंसारी सिद्धकर्मरहीतछे ससारीकर्मसहित छे तिणरा अनेकनेदछे सुक्ष्म अने बादर त्रस ने थाव र संज्ञि ने असंज्ञि त्रणवेद चारगति पांचजात छकाय चउदनेदजीवना चोवीसदंमक इत्यादिक अनेकनेद जीवरा जाणवा ते चैतनगुणओलखवाने शोनारोदृष्टांत कहेछे जेम सोनानाघरेणानाजीनांजीने ओरओरआका रेघरेणाघडे यद्यपि आकारनुंविनाश थायछे पणसोना नुं विनाशथतुनथीतेम कर्मोनाउदयथी ज

लटे पण चैतनगुणनुं नासनही अजीवअचेतन तिण रापांचभेद १ धर्मास्तिकाय २ अधर्मास्तिकाय ३ आका शास्तिकाय ४ काल ५ पुद्गलतिणमांचारांरी पर्यायपल टेनही एक पुद्गलकीपर्यायपलटे ते ओलखवाने सोनारो दृष्टांत शोनारोघरेणु भांजीभांजीने ओरओर घरणुंघडेय दआकारानुविणाश पण सोनानोविणासनही ज्युपुद्गल नुंपर्यायपलटे पण पुद्गलनुं विणासनही पुण्यते शुभ कर्म पापतेअशुभकर्म ते पुणपाप ओलखवानेपथ्य अप थ्यआहारनुंदृष्टांत कदेक प्राणीरे पथ्यआहारवधे अपथ्य गटे यदनिरोगपणुवधे ने सरोगपणुंगटे कदेक प्राणीरे अपथअहारवधे अने पथ्यअहारगटे यदसरोगपणुंवधे अने निरोगपणुंगटे अने पथ्यअपथ्य अहार बेउ गटे यद प्राणीमरणपामे ज्युंजीवरे पुण्यपाप कदेकजीवरें पुण्यतो वधे अने पापतोगटे यदसुखतोवधे अनेदु खगटे कदेक जीवरे पापवधे अने पुण्यगटे यदसुखघटे अने दुःखव धे पुण्यपापदोनुहीघटे यदजीव मोखपामे कर्मनेग्रहेते आश्रव ते ओलखवाने त्रणदृष्टांत तलावरेनालो ज्युंजी वरे आश्रव हवेलीरे ॰ नावारे छी

द्र्ज्युंजीवरेआश्रव ... ुनाव

नेआश्रवएक ... आश्रवएक

वानेछिद्रएकज्युंजीवने आश्रवएक एकापणुंकह्यो हिवेक र्मने आश्रवनुंछद्रापणुं कहेछे कहेछेएक एमकह्योछे क र्मआवे ते आश्रव ते ओलखवाने त्रीजोकहणकहेछे पा णीआवेतेनालो ज्युंकर्मआवेतेआश्रव मिनखआवेते बा रणुं ज्युंकर्मआवेते आश्रव पाणीआवेतेछिद्र ज्युंकर्मआ वेते आश्रव इमकह्यायका कोइकर्मनेआश्रव एकसरदे तेने दोयसरदावाने चोथोकहणकहेछे पाणीनेनालोदो य ज्युंकर्मने आश्रव दोय मिनखने बारणो दोय ज्युंकर्मने आश्रवदोय पाणीने छिद्रदोय ज्युंकर्मने आ श्रवदोय विशेष ओलखवाने पांचमुकहण कहेछे पाणी आवेतेनालो पिणपाणीनालोनही ज्युंकर्मआवेते आ श्रव पिणकर्म आश्रव नही मिनखआवे तेबारणो पण मिनख बारणोनही ज्युंकर्मआवे ते आश्रव पण कर्मआ श्रवनही पाणीआवे तेछिद्र पण पाणीछिद्रनही ज्युंक र्मआवेते आश्रव पण कर्मआश्रवनही कर्मानेरोकेते सं वर ते ओलखवाने तिनदृष्टांत कहेछे.

तलावरेनालोरुंधे ज्युंजीवरे आश्रव रुंधेतेसंवर हवे लीरेबारणोरुंधे ज्युंजीवरे आश्रवरुंधे तेसंवर नावारेछि द्ररुंधे ज्युंजीवरे आश्रवरुंधेतेसंवर देशथकी कर्मतोडीने देशथकीजीव उज्वलोहोयते निर्जरा ते ओलखवाने ति

नदृष्टांत तलावरोपाणी मोरियादिके करीने काढे ज्युंन लानावप्रवर्त्ताइने जीवरूपतलावरो कर्मरूपीयो पाणीका ढेते निर्ज्जरा हवेलीनो कचरोवुहारी पुंजीनेकाढे ज्युंनला नावेप्रवर्त्तावीने जीवरूपी हवेलीरो कर्मरूपीयो कचरो काढेते निर्ज्जरा नावारोपाणी उलेची २ नेकाढे ज्युंन लानावप्रवर्त्तावे ने जीवरूपणीनावारो कर्मरूपीयो पाणी काढे ते निर्ज्जरा जीवसंघाते कर्मवंधाणा तेवंध ते उ लखवाने ढवोलरीपुठाकरीने

- कहोस्वामीजीजीवनेकर्मरीआदछे एवातमिलेकेनमि ले यह गुरुकहेनमिले क्युंनमिले ए उपनोनयी युं न मिले डुजेबोले कहोस्वामीजी पेलोजीवने पछेकर्म एवा तमिलेकेनमिले एपणनमिले क्युनमिले ए संसारमे जी वकर्मविनारह्यो कठेभुगतगयो पाछोआवेनही युंनमिले तीजोबोलकहो स्वामीजी पेलोकर्मनेपछेजीव एवातमि लेकेनमिले गुरुबोल्यानमिले क्युनमिले एजीवविनाकर्म कीया किणकीयाविना कर्मह्वैनही युंनमिले चोयेबोले कहोस्वामीजी जीवनेकर्मसायेउपना एवातमिलेकेनमि ले एपणनमिले क्युंनमिले युनमिले यानेउपजावणवा लोकुण युंनमिले पाचमेबोलेकहोस्वामीजी जीवकर्मर र हीतइजछे एवातमिलेकेनमिले एपण नमिले तेक्युनमिले

युंनमिले एजीवकर्मेरहीतजहुवेतो करणीकरवारी खपक्ष एकरे युंनमिले छवेबोलेकहोस्वामीजी जीवने कर्मेरोमिला प किणविधहुओछे पदगुरुवोल्या अपछाणुपुवा अनाद कालरा चल्याजायछे तिणबंधरा चारभेद प्रकृतिबध क र्मेलनावरेन्याव थितबध कालविहररेन्याव अणुभागबं ध रसविपाकरेन्यावे प्रदेशबधजीवकर्मलोलीभूतरेन्याव ते बंधओलखवाने तिनदृष्टांत तेजनेतिललोलिभूत ज्यु जीवनेकरमलोलिभूत घृतनेदूधलोलीभूत ज्यु जीवने क र्मलोलीभूत धातुनेमाटीलोलीभूत ज्युंजीवनेकर्मलोली भूत समस्तकर्मसुमूकावे तेमोक्ष ते ओलखवाने तिनदृ ष्टांत घाणियादिककरीने तेजखलरहितहुवे ज्युंजीवतप संयमकरीने कर्मरहीतहुवेतेमोक्ष जेरणादिककरीने घीछा छरहितहुवे ज्युंजीवतपसयमकरीने कर्मरहीतहुवेते मोक्ष अग्नियादिकरो उपायकरीने धातुमाटीरहितहुवेज्युं जीव तपसंयमेकरीने कर्मरहीतहुवे तेमोक्ष एवीजो द्वारसमाप्त

हुवेतीजोकुंण द्वारकहेछे जीवचेतन तेछद्रव्यमेंकुणछे अने नवपदार्थमेकुणछे छद्रव्यमेंतो एकजीव अने नव पदार्थमें पांचतेकुण जीव १ आश्रव २ संवर ३ नि र्जरा ४ ने मोक्ष ५ अजीवते अचेतन ते छद्रव्यां में कोण अने नवपदार्थमेंकोण छद्रव्यांमेंतो पांच

र्मास्तिकाय अधर्मास्तिकाय आकाशास्तिकाय काल ने
पुद्गल अने नवपदार्थमेंचार अजीव पुण्य पाप ने बं
ध पुण्यतेशुंभकर्मछे ते ठमेंकोण अने नवमें कोण
ठद्रव्यमेंतो एकपुद्गल नवपदार्थमें तिन अजीव पुण्यने
बंध पापते अशुभकर्म ठद्रव्यमेंकोण ने नवपदार्थमेंको
ण ठद्रव्यमेंतो एकपुद्गल नवपदार्थमेंतीन अजीव पाप
ने बंध कर्मनेग्रहेते आश्रव ते ठद्रव्यमेंकोण अने नव
पदार्थमेंकोण ठद्रव्यमेंतो एकजीव अने नवपदार्थमेंदो
य जीव अने आश्रव कर्मानेरोकेंते संवर ठद्रव्यमेंकोण
अने नवपदार्थमेंकोण ठद्रव्यमेंतो एकजीव अने नवप
दार्थमेंदोय एकजीवने बीजोसंवर देशथकीकर्मनेतोडी
देशथकीजीव उज्वलोद्दोयते निर्झरा तेठद्रव्यमेंकोण
नवपदार्थमेकोण ठद्रव्यमेंतो एकजीव नवपदार्थमें दोय
जीव ने निर्झरा जीवसंघाते कर्मबंधाणाते बंध ते ठद्
व्यमेंकोण अने नवपदार्थमेंकोण ठद्रव्यमेंतो एकपुद्गल
नवपदार्थमेंचार अजीव पुण्य पाप ने बंध समस्तकर्म
मूकावेतेमोक्ष ते ठद्रव्यमेंकोणने नवपदार्थमेंकोण ठद्
व्यमेंएकजीव ने नवपदार्थमेंदोय जीव ने मोक्ष चाले
तेकोण चलाववाने साजतेकोण चालेतेजीव ने पुद्गल
साह्यज धर्मास्तिकायनो थिररहेतेकोण अने थिररहेवा

नीसाह्यजतेकोण थिररहेते जीव ने पुग्गल अने साह्यते अधर्मास्तिकायनो वस्तुतेकोण अने नाजनतेकोण वस्तु तेजीव ने अजीव नाजनते आकाशास्तिकाय वर्त्तते कोण अने वर्त्तावेते कोण वर्त्ततेकाल जीवउपरे वर्त्ते नोगवेतेकोण अने नोगआवेतेकोण नोगवेजीव अने नो गआवेतेपुग्गल पुग्गलवेप्रकारे नोगआवे ते केईकतो श ब्दादिकपणे नोगआवे अने केईककर्मपणे नोगआवे ते कर्मरोकर्त्तातेकोण अने कीधाहुवेतेकोण कर्मकरेतोजीव अने कीधाहुवेतेकर्म कर्मरोउपायतेकोण अने कर्मउप नातेकोण कर्मरोउपायतोजीव अने उपनातेकर्म कर्म नेलगावेतेकोण अने लागातेकोण कर्मलगावेतेजीव अने लागातेकर्म कर्मनेरोकेतेकोण अने रोकियातेकोण कर्म नेरोकेते जीव अने रोक्यातेकर्म कर्मनेतोडेतेकोण अने त्रुटेतेकोण तोडेतेजीव अने त्रुटातेकर्म कर्मनेवांधेतेको ण अने वंधाणातेकुण कर्मनेबांधेतोजीव ने वंधाणातेक र्म कर्मांसुंमूकावेतेकोण अने मूक्यागयातेकोण कर्मसुं मूकावेतेजीव ने मूक्यागयातेकर्म एत्रीजोद्वारसमास.

हवे चोथो आत्मद्वारकहेछे जीव चेतनते आत्माछे अनेरो नथी अजीव अचेतनते आत्मानही अनेरोछे ...छे पण आत्मानही

तेपुण्यनेपुण्यकहीजे पुण्यने अजीवकहीजे पुण्यने बंधक हीजे पापते अशुभकर्म पापने पापकहीजे पापने बंध कहीजे पापनेअजीवकहीजे कर्मनेग्रहेते आश्रवकहीजे आश्रवने जीवकहीजे कर्मनेरोकेते संवरकहीजे संवरने जीवकहीजे देशथकीकर्मने तोडीने देशथकी जीव उज्व लोहुए ते निर्जराकहीजे निर्जराने जीवकहीजे जीवसं घातेकर्मबंधेते बंधकहीजे बंधने अजीवकहीजे बंधनेपुण्य कहीजे बंधने पापकहीजे समस्तकर्मनेमूकावे तेमोक्षक हीजे मोक्षनेजीवकहीजे हिवे एहनीउत्तरवाण कहेछे-

जीवनेजीव किणन्यायकहीजे गयेकाल असंख्यातप्र देशी जीवहुवे ते वर्त्तमानकालें जीवछे आगमीककाले जीवरोजीवजरहेसे इणन्याय जीवकहीजे अजीवने अ जीव कुण न्यायकहीजे गयेकाल अजीवहूंतो वर्त्तमान कालेअजीवछे अने आगमिककालें अजीवरहेसे इण न्याय अजीवने अजीवकहीजे पुण्यने अजीव कोणन्या यकहीजे पुण्यतो शुभकर्मछे कर्मतो पुद्गलछे इणन्यायपु ण्यने अजीवकहीजे पापनेअजीव किणन्यायकहीजे पापतो अशुभकर्मछे कर्मतो पुद्गलछे पुद्गलते अजीवछे इण न्यायपापने अजीवकहीजे आश्रवने जीवकीणन्या यकहीजे आश्रवतो कर्मने ग्रहेछे आश्रवतोकर्मरो

यठे ए आश्रवतो कर्मनोकर्त्ताठे तोजीवठे इणन्याय आ श्रवने जीवकहीजे अविरतआश्रवने जीव किणन्यायक हीजे अत्यागभावठे जीवरा अत्यागभावरी आसावांछा जीवरीठे इणन्याय अविरतआश्रवने जीवकहीजे प्रमा दआश्रवने जीव किणन्यायकही जे अण उत्साहपणुंते प्रमादाश्रवठे ते अणउत्साहपणु जीवरा परिणामठे इ ण न्याय प्रमादाश्रवने जीवकहीजे कषायाश्रवनेजीव किणन्यायकहीजे ए कषायआत्मा कहीजे कषायते जी वपरिणाम कह्याठे इणन्याय कषायआश्रवने जीवकही जे योगाश्रवने जीव किणन्याय कहीजे एयोगात्माकही ठे योगते जीवरापरिणाम कह्याठे योगनामव्यापाररो ठे ते तीनुंहिंयोगांरोव्यापारजीवरोठे इणन्याय योगाश्र वने जीवकहीजे संवरने जीवकिणन्यायकहीजे ए समा इ पच्चखाण संयम संवर विवेक वीतराग ए ठठुआत माकहीठे वली चारित्रआत्मा कहीठे चारित्रते जीव प रिणामकह्याठे इणन्याय संवरने जीवकहीजे निर्ज्जराने जीव किणन्याय कहीजे भलाभाव प्रवर्त्तावीने कर्मांने तोडीदूरकरे देशथकी जीव उज्वलहुवेते जीवठे इणन्या यें निर्ज्जरानेजीवकहीजे बंधने अजीव किणन्याय कही जे बंधतो शुभाशुभकर्मठे कर्मते पुद्गलठे पुद्गलते अजी

वळे इणन्याय बंधने अजीवकहीजे मोक्षनेजीव किण न्यायकहीजे समस्त कर्मानेमूकावेते मोक्ष तेतोजीवछे तिहांनेमोक्षकहीजे तेने निरवाण कहीजे तेने सिद्धभ गवांनकहीजे सिद्धभगवानतो जीवछे इणन्याय मोक्षने जीवकहीजे ए पांचमुंद्वार समाप्तथयुं

हवेछठो रूपीअरूपीद्वारकहेछे जीव अरूपीछे अजीव रूपी अरूपीदोनुछे पुण्यरूपीछे पापरूपीछे आश्रवअरूपी छे संवरअरूपीछे निर्जराअरूपीछे बंधरूपीछे मोक्षअरूपी छे हवेएनीओलखणाकहेछे जीवनेअरूपी किणन्यायक हीजे छद्रव्यमांजीवअरूपीकह्योछे इणन्यायजीवने अरू पीकहीजे अजीवने अरूपीरूपी किणन्यायकहीजे धर्मा स्ति अधर्मास्ति आकाशास्ति ने काल ए चार अजीवद्रव्य ने अरूपीकह्याछे एकपुद्गल अजीवद्रव्यने रूपीकह्योछे इण न्याय अजीवने रूपी अरूपीदोनुकहीजे पुण्यनेरू पी किणन्यायकहीजे एपुण्यतोशुभकर्मछे कर्मपुद्गलछे पु द्गलतेरूपीछे इणन्यायपुण्यनेरूपीकहीजे पापनेरूपी कि णन्यायकहीजे पापतो अशुभकर्मछे कर्मते पुद्गलछे तेरू पीछे इणन्यायपापनेरूपीकहीजे आश्रवने अरूपी किण न्यायकहीजे रूसादिक भावलेश्या अरूपीछे इणन्याय आश्रवने अरूपीकहीजे मिथ्यात्वाश्रवने अरूपी किण

न्यायकहीजे मिथ्यादृष्टीने अरूपीकह्याछे इणन्यायमि थ्यात्वाश्रवने अरूपीकहीजे अविरत्याश्रवने अरूपीकिण न्यायेकहीजे अत्यागभावछे तेअरूपीछे इणन्यायें कहीजे प्रमादाश्रवने अरूपी किणन्यायकहीजे अणउछाहपणुं ते प्रमादाश्रवछे ते अणउछाहपणुं जीवछे जीवते अरूपीछे इण न्यायप्रमादाश्रवने अरूपीकहीजे कषायाश्रवने अरू पी किणन्यायकहीजे श्रीठाणांगठाणेदशमे जीवपरिणामी रा दशभेदामें कषायपरिणामीजीवकह्या अनेज्ञानदर्शन चारित्र परिणामीकह्याते ज्ञानदर्शनचारित्र परिणामीजी वछे तिमकषायपरिणामीपणजीवछेए जीवपरिणामीराभे दामें कषायपरिणामीकह्या,माटेकषायपरिणामीछे नेकषा याश्रवतेजीवछे जीवतेअरूपीछे इणन्यायकषायाश्रवनेअ रूपीकहीजे योगाश्रवने अरूपी किणन्यायकहीजे ए तीनु ही योगारो उठाण कर्मबलवीर्य पुरुषाकार पराक्रम अ रुपीछे इणन्याय योगाश्रवनेअरूपीकहीजे संवरने अरू पीकिणन्यायकहीजे अठारेपापस्थानकरो विरमणअरू पीकह्योछे इणन्याय संवरने अरूपीकहीजे निर्जराने अ रूपी किणन्यायकहीजे कर्मतोडवारो उठाण कर्मबल वीर्य पुरुषाकार पराक्रम अरूपीछे इण न्याय निर्जरा ने अरूपीकहीजे बंधनेरूपी किणन्यायेंकहीजे बंध तो

नी. २६ अन्नाणी. २७ अद्दारता. २८ संसारता. २९ असिद्ध. ३० अकेवली ३१ छद्मस्थ. ३२ संयोगी. ३३ हिवेजीवरे अजीव उदयनिपन्नरात्रीसन्नेद पांचशरीर शरीराराप्रयोग परिणम्याद्व्यपांच वर्णवे गंधवे रसपांच स्पर्शआठ एवंत्रीस उपशमन्नावरादोयन्नेद एकउपशम बीजो उपशमनिपन्न उपशमतो एकमोहनीयकर्मरो अने उपशमनिपन्नरादोयन्नेद एकतोउपशसम्यक्त्व बीजो उपशमचारित्र क्षायकन्नावरादोयन्नेद एकक्षायक बीजो क्षायकनिपन्नन्नाव क्षायकतो आठकर्मरोक्षयते क्षायक अने क्षायक निपन्नारातेरन्नेद १ केवलज्ञान २ केवलदर्शन ३ आत्मिकसुख ४ क्षायकसम्यक्त्व ५ क्षायकचारित्र ६ अटलअवगाहना ७ अमूर्त्तिकपणु ८ अगुरुलघुपणु ९ क्षायकलब्धि १० दानलब्धी ११ लान्नलब्धी १२ न्नोगलब्धि १३ उपन्नोगलब्धि वीर्यलब्धि क्षयोपशमरादोयन्नेद एकतो क्षयोपशम बीजो क्षयोपशमनिपन्न क्षयोपशमतो चारकरमरो ज्ञानावरणी दर्शनावरणी मोहनी अने अंतराय ए चार क्षयोपशमनिपन्नराबोल बत्रीसछे ज्ञानावरणीकर्मरो क्षयोपशम निपन्नहुवेतो चार ज्ञान त्रणअज्ञान एक नणवुं एवं आठबोल पामिये दर्शनावरणीकर्मरोक्षयोपशम निपन्नहुवेतो पांचइंद्रीत्र

णदर्शन एव आठ मोहनीयकर्मरो क्षयोपशम निपन्न
हुवेतो चारचारित्र एकदेशविरति त्रणदृष्टी एवं आठ अं
तरायकर्मरो क्षयोपशम निपन्नहुवेतो आठबोल पांचल
ब्धि त्रणवीर्य एव ३२ परिणामिकरा दोयभेद एकतो
शादियापरिणामी एक अणआड्यापरिणामि अणआ
इया परिणामिरा दशभेदछे छतोद्रव्य सातमो लोक
आठमो अलोक नवमोभवि दशमो अभवि शाइयापरिणा
मिरा अनेकभेद गाम नगर गडा पहाड पर्वत पताल
समुद्र द्वीप भुवन विमान इत्यादि अनेकभेद आदिस
हितपरिणामिरा जाणवा वलीजीव आश्री जीवपरिणा
मिरादशभेदछे गतिपरणामि इन्द्रीयपरिणामि कपायपरि
णामि लेश्यापरिणामि योगपरिणामि उपयोगपरिणामि
नाणपरिणामि दर्शनपरिणामि चारित्रपरिणामि वेदप
रिणामि जीवआश्री अजीवपरिणामिरा दशभेद बंधन
परिणामि गइपरिणामि संठाणपरिणामि भेदपरिणामि
वर्णपरिणामि गंधपरिणामि रसपरिणामि स्पर्शपरिणा
मि अगुरुलघुपरिणामि शब्दपरिणामि जीवमांहे भाव
पांच अजीव पुण्य पापमांहे एकभपरिणामिभाव होय
आश्रवमां भावदोय उदय ने परिणामिक रे
उदयवर्जीने भाव [illegible] जराम

क्षायक क्षयोपशम परिणामिक मोक्षमा भाव दो एक क्षायक बीजोपरिणामि इतिअष्टमद्वार समाप्तः

हवे नवमो द्रव्यगुणपर्याय द्वारकहेछे द्रव्यतोजीव असंख्यातप्रदेशी गुण भाव ज्ञान दर्शन चारित्र तप वीर्य उपयोग सुख दुःख ए एकएकगुणरी अनंति अनंति पर्याय ज्ञानेकरी अनंत पदार्थजाणे तिणसुंअनंति पर्याय दर्शनेकरी अनंतापदार्थ सर्देहे तिणसुं अनंति पर्याय चारित्रेकरी अनंताकर्मप्रदेशरोके तिणसुंअनंति पर्याय तपेकरी अनंताकर्मप्रदेशतोडीने जीवदेशथकी उज्वलोहुवे तिणसुं अनंतिपर्याय वीर्यनी अनंतिशक्ति तिणसुं अनंतिपर्याय उपयोगेकरी अनंतापदार्थदेखेजाणे तिणसुंअनतिपर्याय सुखअनंतो पुण्यप्रदेशसुं अनंता पुद्गलिकसुखवेदे तिणसुं अनंतिपर्याय वली अनता कर्मप्रदेशअलगाहुवासुं अनंतो आत्मिकसुख प्रगटे तिण सुं सुखरी अनतिपर्याय जाणवी दुःख अनंतापापप्रदेश थी अनंतोदुःखवेदे तिणसुंअनंतापर्याय अजीवद्रव्यमां एकतो धर्मास्तिकाय बीजो अधर्मास्तिकाय त्रीजोआकाशास्तिकाय चोथुंकाल पांचमुं पुद्गलास्तिकाय अने गुण ते आपआपरो एकेकगुणरी अनंतिअनति पर्याय एपां

। द्रव्यगुणपर्याय जुदाजुदा कहेछे. द्रव्यतो एकधर्मा

स्तिकाय गुणचालवारोसाह्य पर्याय अनंतापदार्थने सा
ह्य तिणसुंअनंतापर्याय द्रव्यतो अधर्मास्तिकाय गुण
स्थिरराखवाने साह्य पर्यायअनंतापदार्थाने स्थिररहे
वानुं साह्य तिणसुं अनंतापर्यायजाणवा, द्रव्यतोएक
आकाशास्तिकाय गुणभाजन पर्यायअनंता पदार्थनो
भाजनतिणसुं अनंतापर्याय द्रव्यतोकाल गुणवर्त्तमान
पर्यायअनंतापदार्थउपरेवर्त्तेतिणसुं अनंतिपर्याय द्रव्यतो
पुद्गलास्तिकाय गुण गलेनेमिले पर्यायअनंतागलेने अनं
तामिले तिणसुं अनंतिपर्याय पुण्यद्रव्यतो शुभकर्म गु
णजीवरे शुभपणे उदयआवे अनंताजीवनेसुखकरे ति
णसुं अनंतिपर्याय पापद्रव्यतोअशुभकर्म गुणजीवरे अ
शुभपणे उदयआवे पर्यायअनंता अशुभकर्मना प्रदेश
जीवरे अशुभपणे उदयआवे अनंताजीवांदुःखकरे ति
णसुं अनंतिपर्याय द्रव्यतो आश्रव गुणकर्मानेग्रहवानुं
पर्यायअनंता कर्मप्रदेशग्रहेतिणसुं अनंतापर्याय द्रव्य
तोसंवर गुणकर्मारेरोकवानुं पर्यायअनंताकर्मप्रदेशरोके
तिणसुं अनंतिपर्याय द्रव्यतो निर्जरा गुणकर्मानेतोडवा
रो पर्यायअनंताकर्मनेतोडीने अनंतागुणउज्जलहुवे ति
णसुं अनंतिपर्याय द्रव्यतोबंध गुणजीवरे बांधवारोख
वारो पर्यायअनंता कर्मप्रदेशोकरी जीवने बांधवाराखेति

एसुं अनंतिपर्याय द्व्यतोमोक्ष गुणआत्मिकसुख पर्या यअनंताकर्मप्रदेशअलगाद्धथा अनंतात्मिकसुखप्रगट्या तिएसुं अनंतापर्यायिछे इति नवमद्वारसमाप्तः

हिवेदशमुंद्व्यादिकरी उलखाणाद्वारकहेछे जीवते चेतन ते पांचबोलेकरी ओलखीजे द्व्यथकी क्षेत्रथकी कालथकी भावथकी गुणथकी तेमां द्व्यथकीतो अनं ताद्व्य क्षेत्रथकी लोकस्थितिप्रमाण कालथकी आदि अंनतरहीत भावथकी अरूपी गुणथकी चेतनगुण अ जीवते अचेतन पांचबोलेकरीउलखीजे द्व्यथकीतो अ नंताद्व्य क्षेत्रथकी लोकालोकप्रमाण कालथकी आदि अंतरहीत भावथकी रूपीअरूपीदोनुं गुणथकी अचेतनगु ण पुण्यतेशुभकर्म तेपांचबोलाकरीने ओलखीजे द्व्यथ कीतो अनंताद्व्य क्षेत्रथकीजीवांकने कालथकी आदि अंतरहीत भावथकीरूपी गुणथकी जीवरेशुभपणे उद यआवे पापते अशुभकर्म पांचबोलाकरीओलखीजे द्व व्यथकीअनंताद्व्य क्षेत्रथकीजीवांकने कालथकीआदि अंतरहीत भावथकीरुपी गुणथकीजीवरे अशुभपणेउद यआवे कर्मानेग्रहेते आश्रव तेपांचबोलांकरीओलखीजे द्व्यथकी अनंताद्व्य क्षेत्रथकीजीवांकने कालथकीरा३ भेद एकेकआश्रवआदहीनहीं अंतहीनहीं ते अनव्य

आश्री एकेक आश्रवनी आदिनही पणअंतने ते जघ्य
आश्री एकेकआश्रवनी आदिपणने अने अंतपणने ते
पडवाईआश्रीजाणवुं तेहनीस्थिति जघन्यतो अंतरमुहू
र्त्त अने उत्कृष्टीदेशऊणो अर्द्धपुद्गलपरावर्त्त भावथीअरू
पी गुणथकी कर्मग्रहवानुंगुण आवताकर्मनेरोकेनेसंवर
पांचांवोलांकरीने ओलखीजे द्रव्यथकी असंख्याताद्रव्य
क्षेत्रथकीजीवांकने कालथकी आदिअंतसहीत भावथ
कीअरूपी गुणथकी कर्मानेरोके देशथकीजीवउजलो
वेते निर्जरा पांचावोलांकरीओलखीजे ते निर्जरा भेद २
एकतोअकामनिर्जरा वीजीसकामनिर्जरा अकामनिर्जरा
अनंताद्रव्य अने सकामनिर्जराराअसंख्याताद्रव्य क्षेत्र
थकीजीवाने कालथीआदिअंतसहीत भावथकीअरूपी
गुणथकी देशथकीकर्मतोडीने देशथकीजीवउजलोहुवेते
गुण जीवसंघातेकर्मवंधाणाते वंधने पांचवोलांकरीओल
खीजे द्रव्यथकी अनंताद्रव्य क्षेत्रथकीजीवाकने कालथ
की आदिअंतसहित भावथकीरूपी गुणथकीकर्मानेवंध
वारो समस्तकर्मासुं मूकावेतेमोक्ष ते पांचांवोलांकरीओ
लखीजे द्रव्यथकी अनंताद्रव्य क्षेत्रथकी जीवाकने का
लथकीवेभेद एकेकसिद्धांरीआदिपणनहीनै अंतपणनहीं
एकेकसिद्धांरीआदिछे पण अंतनही भावथकीअरूपी

गुणथकी आत्मिकसुख हवे द्रव्य क्षेत्र काल नाव गुणनी उ
लखाणकहेछे धर्मास्तिकायद्रव्यथकीतो एकद्रव्य क्षेत्रथ
कीलोकप्रमाण कालथकी आदिअंतरहीत नावथकी अ
रूपी गुणथकी चालवानुं साह्य अधर्मास्तिकाय द्रव्यथी
एकद्रव्य क्षेत्रथकीलोकप्रमाण कालथकी आदिअंतरहि
त नावथकीअरूपी गुणथकी थिररहेवानुसाह्य आकाशा
स्तिकायद्रव्यथकीतो एकद्रव्य क्षेत्रथकी लोकालोकप्रमा
णे कालथकी आदिअंतरहीत नावथकी अरूपी गुणथ
कीनाजनगुण कालद्रव्यथकीतो अनंताद्रव्य क्षेत्रथकी
अढाद्वीपप्रमाण कालथकी आदिअंतरहित नावथकी
अरूपीगुणथकी वर्त्तमानगुण पुद्गलास्तिकाय द्रव्यथकीतो
अनंताद्रव्य क्षेत्रथकीलोकप्रमाण कालथकी आदिअंतर
हित नावथकीरूपी गुणथकी गलेने मिले जीवास्तिका
यद्रव्यथकीतो अनंताद्रव्य क्षेत्रथकीलोकप्रमाणे का
लथकी आदिअंतरहित नावथकी अरूपी गुणथकी चै
तनगुण इतिदशमद्वारसमाप्त॰

हवे इग्यारमुं आज्ञाद्वार कहेछे जीवचेतन आज्ञामां
हेपणछे अने आज्ञाबाहेरपणछे तेकिणन्याय सावद्यकर्त
व्यआश्री आज्ञानेबाहेरछे अने निरवद्य कर्तव्यआश्री आ
ज्ञामांहेछे अजीव अचेतनते आज्ञामांहेपणनही ने आ

ज्ञावारपण नही तेकिणन्याय अजीवतो आज्ञाअणआ ज्ञा उलखेनही तेकेम वीतरागनी आज्ञा अनाज्ञापाले लो पेनही पुण्य पाप ने वंध एत्रण आज्ञामांहेपणनही ने आ ज्ञावाहेरपणनही एपणअजीवछे आश्रवना पांचभेद १ मिथ्यात्व २ अविरत ३ प्रमाद ४ कषाय एचारआज्ञावा हरछे अने योगाश्रवना वेभेद एक सावद्ययोग वीजो निरवद्ययोग तेमांसावद्ययोगतो आज्ञावाहेरछे अने नि रवद्ययोगतो आज्ञामांहेछे संवरआज्ञामांहेछे ते किण न्यायेंछे कर्मानेरोके ने आत्मावशकरे एवीतरागनीआ ज्ञाछे निर्जरा आज्ञामांहेछे तेकिणन्यायें आज्ञामांहेतो जे कर्मतोडवानुं उपाय ए करणीवीतरागनी आज्ञामांहे छे इणन्याय मोक्ष आज्ञामांहेछे तेकिणन्याय कर्मासुंमू कावीने सकलकर्मरहित हुवेते वीतरागनीआज्ञामांहेछे इणन्याय मोक्षआज्ञामांहेछे इतिएकादसम द्वार समाप्त

हिवेवारमो ज्ञेय द्वारकहेछे जीवनेजीवजाणवो अजी वनेअजीवजाणवो पुण्यनेपुण्यजाणवो पापनेपापजाण वो आश्रवनेआश्रवजाणवो सवरनेसंवरजाणवो निर्ज रानेनिर्जराजाणवो वंधनेवंधजाणवो मोक्षनेमोक्षजाण वो एनवपदार्थजाणवा योग्यकह्या इयामे आदरवाय ग्यतीनछे एकसंवर वीजोनिर्जरा ने त्रीजोमोक्ष वाकीर

छांडवा योग्यछे जीवनेछांडवायोग्य किणन्याय आप राजीवरोतो नाजनकरवो उरकिणहीजीवउपर ममता नहींकरवी इणन्याय जीवने छांडवायोग्यकह्यो अजीवने छांडवायोग्य किणन्याय किणहीं अजीवउपर ममतान करवी इणन्यायअजीवनेछांडवायोग्य पुण्यपापछांडवा योग्यतेकिणन्यायपुण्य पापतोकर्मछे ते कर्मतोतोडीने दूरकरणा इणन्याय पुण्यपापनेछांडवायोग्यछे आश्रवने छोडवायोग्यते किणन्यायछे आश्रवते कर्मग्रह्वानोउपायछे कर्म आववानुंबारणुं ते बारणोरुंधणु अने आत्मावसकरणो इणन्याय आश्रवने छांडवायोग्यछे बंधनेछांडवायोग्य किणन्याय बंधतोशुभा शुभकर्मछे ते कर्मतोडीनेदूरां करणा इणन्याय बंधनेछांडवायोग्यछे इति द्वादशम द्वार.

हिवेतेरमुं तलाव द्वारकहेछे तलावरूपीजीवजाणवुं अतलावतेतलाव बाहेजरूप अजीवजाणवो निकलता पाणीरूप पुण्यपापजाणवु नालारूपआश्रवजाणवुं बंधांरूपसंवरजाणवो मोरीरूपनिर्जराजाणवो माहेलापाणीरूपबंधजाणवो रीतातलावरूप मोक्षजाणवो इतित्रयोदशम द्वार इति स्वामिजीश्री १००८ श्री जिपनजीकृत तेरांद्वारनुं विचार समाप्तः

॥ श्रीजिनायनम ॥

अथ

॥ श्रीचउवीसजिनस्तुतिप्रारंभः ॥

प्रथम श्रीऋपभजिनस्तवनं

रागप्रभाति

वेकरजोडीप्रणमुंसदा ॥ युगआदेआदिजिणंदा ॥ करमरिपुगजउपरे ॥ मृगराजमुणंदा ॥ प्रणमुंप्रथमजिणंदने ॥ जयजयजिणचंद ॥ १ ॥ एआकणी ॥ अनुकूलप्रतिकूलसमसही ॥ तपविविधतपदा ॥ चेतनतनभिन्नलेखवी ॥ ध्यानसुक्कध्यावदा ॥ प्र० ॥ २ ॥ पुदगलसुखअरिपेखिया ॥ ड खहेतुभयाला ॥ विरक्तचित्तविगटयो इस्यो ॥ जाणाप्रत्यक्षजाला ॥ प्र० ॥ ३ ॥ सवेगसरोवरजूलतां ॥ उपशमरसलीनो ॥ निंदास्तुतिसुखड ख ॥ समभावसुचीनो ॥ प्र० ॥ ४ ॥ वासीचंदनसमपणे ॥ समचित्तजिनध्यायां ॥ इमतनसारतजीकरी ॥ प्रभुकेवलपाया ॥ प्र० ॥ ५ ॥ इंवलेहारीयाहरी ॥ वाहावाहा जिनराया ॥ वाइदशाकदआवसि ॥ मुझमनउमाह्यां ॥ प्र० ॥ ६ ॥ संवतउगणीसेंनाइवे ॥ दशमीदीत्यवार ॥ ऋपभजिनंदरटवेकरी ॥ हुउहर्षअपार ॥ प्र० ॥ ७ ॥

अथ अजितजिनस्तवन.

अहोप्रभुअजितजिणेसरआपरो ॥ ध्यावुंध्यानहमेस हो ॥ अहोप्रभुअसरणसरणतुहीसही ॥ मिटेशकलकले सहो ॥ अहोप्रभुतुमहीदायकशिवपंथना ॥ १ ॥ अहो प्रभुउपशमरसनरीआपरी ॥ वाणीसरसरसालहो ॥ अहोप्रभुमुंक्तिनिसरणीमहामनोहरु ॥ सुण्यामिटेभ्रमजा लहो ॥ अ० ॥ २ ॥ अहोप्रभुउनयबंधणआपआखि या ॥ रागद्वेषविकरालहो ॥ अहोप्रभुहेतुएनरकनिगोद ना ॥ राच्यामूरखबालहो ॥ अ० ॥ ३ ॥ अहोप्रभुरम णीराखशणीसमीकही ॥ विषयवेजमोहजालहो ॥ अ होप्रभुकामनेनोगकिंपाकशा ॥ दाख्यादीनदयालहो ॥ अ० ॥ ४ ॥ अहोप्रभुविविधउपदेशदेइकरी ॥ तेंताख्या नरनारहो ॥ अहोप्रभुनवसिंधुपोतेतुहीसही ॥ तुंहीजगत आधारहो ॥ अ० ॥ ५ ॥ अहोप्रभुसरणेआयोतुजसा हेबा ॥ वसीरह्याहीयामायहो ॥ अहोप्रभुआगमवयण अंगीकरी ॥ रह्योध्यानतुजध्यायहो ॥ अ० ॥ ६ ॥ अ होप्रभुसंवतओगणीसेनेनाइवे ॥ दसमीआदित्यवारहो ॥ अहोप्रभु आपतणागुणगावीया ॥ वर्त्योजयजयकार हो ॥ अ० ॥ ७ ॥

अथ संभवजिनस्तवन.

संभवसाहेबसमरीये ॥ ध्यायोहोजिणनिर्मलध्यान के ॥ एकपुंजलदृष्टथापीने ॥ कीधोहेमनमेरुसमानके संभवसाहिबसमरिये ॥ १ ॥ एआंकणी ॥ तनचचलता मेटने ॥ हुआहेजगथीउदासीनके ॥ ध्यानसुक्लथिरचित्त करी ॥ उपशमसुखमेंहोइरह्यालीनके ॥ सं० ॥ २ ॥ सुखइंद्रादिकनासहु ॥ जाण्याहोप्रभुअनीतअसारके ॥ भोगनयंकरकटुकफल ॥ पेखेयाहेंदुरगतदातारके ॥ सं० ॥ ॥ ३ ॥ सुधासंवेगरसेकरी ॥ पेख्याहैंपुद्गलमोहपासके अरुचअनादरआणीने ॥ आत्मध्यानेकरतांविलासके ॥ सं० ॥ ४ ॥ संगगंडीमनवशकरी ॥ इंद्रियदमनकही दुरदंतके ॥ विविधतपेंकरीस्वामीजी ॥ घातीकर्मनोकीधोअंतके ॥ सं० ॥ ५ ॥ हुंतुजसरणेआवियो ॥ कर्म विदारणतुंप्रभुवीरके ॥ तेंतनमनवचनवशकिया ॥ दुःकरकरणीकरणमहाधीरके॥सं० ॥ ६ ॥ संवतओगणीसने भाद्वे ॥ सुदिइग्यारसआणविनोदके ॥ संभवसाहिबस मरिया ॥ पामेहेमनअधिकप्रमोदके ॥ सं० ॥ ७ ॥

अथ अभिनंदनजिन स्तवन.

तीर्थंकरहोचोथाजगनाथगंडियहवासकरीमतिनिर्मे

ी॥विषयविटंबनाहोत्यजियाविषफलजाण ॥अभिनंदन
ड्रंनितमनरली ॥१॥ एआंकणी ॥ दुःकरकरणीहोकीधी
ापदयाल ॥ ध्यानसुधारससमदममनगली ॥ संगठां
चोहोजाणीमायाजालके ॥ अ०॥२॥ वीररसेकरीहोको
ीतपस्याविशाल ॥ अनित्यअशरणअसुननावेंअगवली
नगकूगेहोजाएयोआपकृपाल ॥ अ० ॥ ३ ॥ आत्म
ंत्रीहोसुखदातासमपरिणाम ॥ एहीजअमित्रअशुनना
ंकलकली ॥ एह्वीनावनाहोनायाजिनगुणधाम॥ अ०
॥ ४ ॥ लीनसंवेगेहोध्यायाशुक्लध्यान ॥ क्षायकश्रेणीच
ढीहुआकेवली ॥ प्रज्ञुपायाहोनिरावरणसुनाण ॥ अ०॥
॥ ५ ॥ उपशमरसनीहोवागरीप्रज्ञुवाण ॥ तनमनप्रेम
ायाजनसाजली ॥ तुमवचधारीहोपाम्यापरमकल्याण
॥ अ० ॥ ६ ॥ जिनअभिनंदनहोगायातनमनधार ॥
ंवतओगणीसेंनेनाड्वे ॥ अगदलीसुदिश्यारसहोहुओ
र्षअपार ॥ अ० ॥ ७ ॥

॥ अथ सुमतिजिनस्तवन ॥

सुमतिजिणेसरसाहेबसोनता ॥ सुमतिकरणसंसार॥
सुमतिजंप्याथीसुमतिवधेघणी ॥ सुमतिसुमतदातार ॥
सु० ॥ १ ॥ एआंकणी ॥ ध्यानसुधारसनिर्मलध्यायिने॥

पायाकेवलनाण ॥ वाणसरसवरजनवह्लताख्या ॥ तिमर हरणजगनाण ॥ सु० ॥ २ ॥ फिटिकसिंहासणजिनजी फावता ॥ तरुअशोकउदार ॥ छत्रचामरजामंडलजलक ता ॥ सुरडुंडुनिजणकार ॥ सु० ॥ ३ ॥ पुप्फविट्टिवरसुर ध्वनीदीपता ॥ साहिबजगसिणगार ॥ अनंतज्ञानदर्शन सुखबलघणुं ॥ एड्वादशगुणश्रीकार ॥ सु० ॥ ४ ॥ वा णीगुधारसउपशमरसजरी ॥ डुर्गतिमूलखपाय ॥ शिव सुखनाअरिशब्दादिककह्या ॥ जगतारकजिनराय ॥ सु० ॥ ५ ॥ अंतरजामीरेसरणेआपरे ॥ हुंआयोअवधार ॥ध्या नतुमारोनिशदिनसांजरे ॥ सरणागतसुखकार ॥सु०॥६॥ संवतओगणीसेरेसुदपखनाड्वे ॥ वारसमंगलवार॥ सुम तिजिणेसरसाहिबसमरिया॥ आणंदहर्षअपार॥सु०॥७॥

अथ पद्मप्रजजिनस्तवन.

निर्लेपपद्मजिसाप्रजु ॥ पद्मप्रजुपीगाण ॥ संयमलीधोति णसमें ॥ पायांचोथोनाण ॥ पद्मप्रजनितसमरिये ॥१॥ एआंकणी ॥ ध्यानशुक्लप्रजुध्यायने ॥ पायांकेवलसोय ॥ दीनदयालतणीदिशा ॥ कहणीनआवेकोय ॥ पद्म० ॥२॥ समदमउपशमरसजरी ॥ प्रजुतुमतणीवाणि ॥ त्रि भुवनतिलकतुंहीसही ॥ तुंहीजनकसमान ॥ पद्म० ॥

॥३॥ तुंप्रभुकल्पतरुसमो ॥ तुंचिंतामणीसोय ॥ समरण करताआपरो॥मनवांछितहोय॥पद्म०॥४॥ सुखदाइसहुज गजणी॥तुंहीदीनदयाल ॥सरणेआयोतुजसाहिबा॥तुंहीप रमकृपाल ॥ पद्म० ॥ ५ ॥ गुणगातांमनगहगहे ॥ सुख संपतजाण ॥ विघ्नमिटेसमरणकियां ॥ पामेपरमकल्याण॥ पद्म० ॥ ५ ॥ संवतओगणीसेनेनाइवे ॥ सुदिबारसदेख॥ पद्मप्रभनरटचालादणुं ॥ हूओहर्षविशेष ॥ पद्म० ॥ ७ ॥

अथ सुपार्श्वजिनस्तवन.

सुपारससातमांजिणंदए ॥ त्यांनेसेवेसुरनरवृंदए ॥ सेव कपूरणआसए ॥ नजियेंनित्यस्वामिसुपासए ॥ १ ॥ ए आंकणी ॥ जिनप्रतिवोधणकामए ॥ प्रभुवागरिवाणअ मामए ॥ संसारथीहुआउदाशए ॥ न० ॥ २ ॥ पाम्या कामनोगथीउद्वेगए ॥ वलीउपजेपर्मसंवेगए ॥ एहवातु मवचनसरसविलासए ॥ न० ॥ ३ ॥ घणीमीठीचक्रीनी खीरंए ॥ वलीखीरसमुद्रनोनीरए ॥ एहथीतुमवचनअ धिकविमासए ॥ न० ॥ ४ ॥ सांनलनेजनवृंदए ॥ रोम रोममेपामेंआनंदए ॥ जियांरीमिटेनरकादिकत्रासए ॥ न० ॥ ५ ॥ तुंप्रभुदीनदयालए ॥ तुंहीअसरणसरणनि हालए ॥ ढुंढुंतुमारोदासए ॥ न० ॥ ६ ॥ संवत

ओगणीसेसोयए ॥ भाद्रवासुदितेरसजोयए ॥ पोचीम ननीआसए ॥ ज० ॥ ७ ॥

अथ चंद्रप्रनजिनस्तवन.

होप्रज्ञुचदजिनेसरचंद्रजिस्या ॥ वाणीशीतलचंदसीनिहा लहो ॥ प्रज्ञुउपशमरसजिनसांजले ॥ मिटेकर्मभ्रममोह जालहो ॥ प्रज्ञु० ॥ १ ॥ एआकणी ॥ होप्रज्ञुसूरतमु द्रासोनती ॥ वारुरूपअनूपविशालहो ॥ प्रज्ञुइंद्रसुचिजि ननिरखतां ॥ तेतोतृप्तनहुएनिहालहो ॥ प्रज्ञु० ॥ २ ॥ अहोवीतरागप्रज्ञुतुहीसही ॥ तुमध्यानध्यावेचित्तरोकहो ॥ प्रज्ञुतुमतुल्यतेहुएध्यानथी ॥ मनपायापर्मसंतोकहो ॥ प्रज्ञु० ॥ ३ ॥ होप्रज्ञुलीनपणेतुमेध्याविया ॥ पामेइंद्रा दिकनीऋद्धिहो ॥ वलेविविधनांतसुखसंपदा ॥ लहेआ मोसहीआदिलब्धिउहो ॥प्रज्ञु०॥४॥ नरेंद्रपदपामेसही॥ चरणसहीतध्यानतनमनहो ॥ वलेअहमिंद्रपदपावेसही॥ निश्चलकियाथारोजजनहो ॥ प्रज्ञु० ॥ ५ ॥ होप्रज्ञुसर णेआयोतुजसाहेबा ॥ तुमध्यानधरुंदिनरयणहो ॥ प्रज्ञु तुममिलवासुफमनचमह्यो ॥ तुमसरणाथीसुखचेनहो ॥ प्रज्ञु० ॥ ६ ॥ संवतओगणीसेनेनाद्रवे ॥ सुदितेरसबुध वारहो ॥ प्रज्ञुचद्रजिनेश्वरसमरिया ॥ दुओआनंदहर्ष अपारहो ॥ प्रज्ञु० ॥ ७ ॥

जेजेश्रेयवस्तुसंसारमें तेतेआपकरीअंगीकाररे ॥ श्रेयांस जिनेसिरप्रणमुनितवेकरजोडरे ॥ १ ॥ समितिगुप्तिधर गणा ॥ धर्मसुक्लध्यानउदाररे ॥ एश्रेयवस्तुशिवदायनी॥ आपआदरीह्र्षेअपाररे ॥ श्रे० ॥ २ ॥ तनचचलतामेट ने ॥ पद्मासनआपविराजरे ॥ उत्कृष्टोध्यानतिणेकियो॥ आतमनश्रीजिनराजरे ॥ श्रे० ॥ ३ ॥ इंद्रीयविषयवि कारथी ॥ नरकादिकेरुलियोजीवरे ॥ कामनेभोगकिंपा कस्या ॥ रह्यिदूरथीदूरसदीवरे ॥ श्रे० ॥ ४ ॥ संयमत पजपशीलए ॥ शिवसाधनमहासुखकाररे ॥ अनित्यअ सरणअनंतए ॥ धर्योनिर्मलध्यानउदाररे ॥ श्रे० ॥ ५ ॥ स्त्रीयादिकनासंगते ॥ आलिंबनदुखदातारे ॥ अशुद्ध आलिंबनछांडने ॥ धर्योध्यानआलंबनसाररे ॥ श्रे०॥६॥ सरणेआयोतुजसाहिबा ॥ वारंवारकरुंनमस्काररे ॥ उ गणीसेपुनमनाइवे ॥ मुजवर्त्योजयजयकाररे ॥ श्रे०॥७॥

अथ श्री वासुपुज्यजिनस्तवन.

द्वादशमाजिनवरजजिये ॥ रागद्वेषमछरमायातजिये लालवरणतनछवीजाणी ॥ प्रभुवासपुज्यनजलेप्राणी॥१ विनीताजाणीवेतरणी ॥ शिवसुंदरवरवाह्रोंसघणी ॥काम ... ॥प्र० ॥२॥ अंजनमंजणसुख

लगा ॥ वलीपुष्फविलेपननहीवलगा ॥ कर्मकाटयाध्या नमुइधारी ॥ प्र० ॥ ३ ॥ इइयकीअधिकाओपे ॥ करु णागरकदेहिंनहीकोपे ॥ वरसाकरदूधजिसीवाणी ॥ प्र० ॥ ४ ॥ स्त्रीस्नेहपासादूरदंता॥ कह्यानरकनिगोदतणापं था ॥ इहनवपरभवडु खदाणी ॥ प्र० ॥ ५ ॥ गजकुं जरदलमृगराजहणी ॥ पणदोहलीनिजआत्मादमणी ॥ इमसुणीवहुजीवचेत्याजाणी ॥ प्र० ॥ ६ ॥ नाइवापुन मओगणीसो ॥ करजोमनमुवासुपुज्यइसो ॥ प्रभुगातारो मरायचलसाणी ॥ प्र० ॥ ७ ॥

अथ श्री विमलजिनस्तवन.

सरणेतिहारेहोविमलप्रभु ॥ सेवकनीअरदाश ॥ आयोसरणतिहारेहो ॥ विमलकरणप्रभुविमलनाथजी॥ विमलआपमलरहीत ॥ विमलध्यानधरतादुएनिर्मल ॥ तनमनलगीप्रीत ॥ साहेबसरणतिहारेहो ॥ १ ॥ विम लध्यानप्रभुआपध्यायां ॥ तिणसुंहुआविमलजगदीस ॥ विमलध्यानवलीजेकोइध्यासी ॥ होसीविमलसरीस ॥ ॥ सा० ॥ २ ॥ विमलग्रहेवासेइव्यजिनंद्या॥ दिक्षालि यानावेसाथ ॥ केवलउपनाजावेजिनेसर ॥ नावेविमल आराग ॥ सा० ॥ ३ ॥ नामथापनाइव्यविमलथी ॥

कार्यनसरेकोय ॥ नावविमलथीकार्यसुधरे ॥ नावजप्यां शिवहोय ॥ सा० ॥ ४ ॥ गुणगीरवागंनीरधीरतुं ॥ तुंमे टणजमत्रास ॥ मेंतुमवयणआगमसिरधाख्यां ॥ तुंमुज पूरणआस ॥ सा० ॥ ५ ॥ परमदयालकृपालसाहेब ॥ शिवदायकतुजगनाथ ॥ निश्चलध्यानकरेतुजओलखि ॥ तोमिलेतुजसंघात ॥ सा० ॥ ६ ॥ अंतरजामीआपउ जागर ॥ मेंतुमसरणोलीध ॥ संवतओगणीसेंनाइवेपुंनम वंढीतकार्यसिद्ध ॥ सा० ॥ ७ ॥

अथ श्रीअनंतजिनस्तवनं.

अनंतनाथजिनचउदमा ॥ जिनरायारे ॥ इव्यचोयेगुण गण ॥ स्वामिसुखदायारे ॥ नावेजिनहुएतेरमे ॥ जि न० ॥ एटलेइव्यजिनजाण ॥ स्वामि० ॥ १ ॥ जिनच क्रिसुरजुगलियां ॥ जि० ॥ वासुदेवबलदेव ॥ स्वा० ॥ पं चमुगुणपावेनही ॥ जि० यांरीरीतअनादिस्वमेव ॥स्वा० ॥ २ ॥ टीकालोधीतिणसमे ॥ जि० ॥ आयासातमेंगुं णगाण ॥ स्वा० ॥ अंतरमुहूर्ततिहांरही ॥ जि० ढवेंब हुस्थितिजाण ॥ स्वा० ॥ ३ ॥ आठमांथीदोयश्रेणीछे ॥ जि० ॥ उपशमक्षपकपिछाण ॥ स्वा० ॥ ४ ॥ उपश मजायअग्यारमे ॥ जि० ॥ मोहदबावतोजाण ॥ स्वा०

॥ ४ ॥ श्रेणीउपशमजिननवीजदे ॥ जि० ॥ क्षपकश्रेणी धरिखंत ॥ स्वा०॥ चारित्रमोहखपावतां ॥ जि० ॥ चडी यांध्यानअत्यंत ॥ स्वा० ॥ ५ ॥ नवमेथ्यादिसंज्वलचउ॥ जि० ॥ अंतसमेएकलोन ॥ दशमेसुक्ष्ममात्रते ॥ जि० ॥ सागारउपयोगसोन ॥ स्वा० ॥ ६ ॥ एकादशमोथ्रोलं धीने ॥ जि० ॥ बारमेंमोहखपाय ॥ स्वा० ॥ त्रिक्रमएक समयेहणा ॥ जि० ॥ तेरमेंकेवलपाय ॥ स्वा० ॥ ७ ॥ तीर्थथापीयोगरुंधीने ॥ जि० ॥ चउदमांथीसिद्धथाय ॥ स्वा० ॥ ओगणीसपुनमनाद्वे ॥ जि० ॥ अनंतरद्याद रखाय ॥ स्वा० ॥ ८ ॥

अथ श्रीधर्मजिनस्तवन.

धर्मजिनधर्मतणाधोरी ॥ त्रकटमोहपासनाख्यात्रोडी ॥ तीरणधर्मआत्मसुंजोडी होप्रभुधर्मदेवप्यारा ॥ १ ॥ सु कलध्यानअमृतरसलीना ॥ संवेगरसेकरीजिनजीना ॥ ख्यालाप्रभुउपशमनापीना ॥ हो० ॥ २ ॥ पुजलसुखअ रिजाणास्वामी ध्यानथिरचित्तआत्मधामी ॥ जोडीजुग केवलनीपामी ॥ हो० ॥ ३ ॥

ला ॥ १म ॥

प्यांप्रभुचारतीरथतायो

कार्यनसरेकोय ॥ नावविमलथीकार्यसुधरे ॥ नावजप्यां शिवहोय ॥ सा० ॥ ४ ॥ गुणगीरवागंनीरधीरतुं ॥ तुंमे टणजमत्रास ॥ मेंतुमवयणआगमसिरधारयां ॥ तुंमुज पूरणआस ॥ सा० ॥ ५ ॥ परमदयालकृपालसाहेव ॥ शिवदायकतुंजगनाथ ॥ निश्चलध्यानकरेतुजओलखि ॥ तोमिलेतुजसंघात ॥ सा० ॥ ६ ॥ अंतरजामीआपउ जागर ॥ मेतुमसरणोलीध ॥ संवतओगणीसेनाइवेपुनम वठोतकार्यसिद्ध ॥ सा० ॥ ७ ॥

अथ श्रीअनंतजिनस्तवनं.

अनंतनाथजिनचउदमा ॥ जिनरायारे ॥ द्रव्यचोथेगुण गाण ॥ स्वामिसुखदायारे ॥ नावेजिनहुएतेरमे ॥ जि न० ॥ एटलेद्रव्यजिनजाण ॥ स्वामि० ॥ १ ॥ जिनच क्रिसुरजुगलियां ॥ जि० ॥ वासुदेवबलदेव ॥ स्वा० ॥ पं चमुगुणपावेनहीं ॥ जि० थांरीरीतअनादिस्वमेव ॥स्वा० ॥ २ ॥ दीक्षालीधीतिणसमे ॥ जि० ॥ आयासातमेंगुं णगाण ॥ स्वा० ॥ अंतरमुहूर्त्ततिहांरही ॥ जि० ठठेंव हुस्थितिजाण ॥ स्वा० ॥ ३ ॥ आठमांथीदोयश्रेणीठे ॥ जि० ॥ उपशमक्षपकपिठाण ॥ स्वा० ॥ ४ ॥ उपश मजायअग्यारमे ॥ जि० ॥ मोहदबावतोजाण ॥ स्वा०

॥ ४ ॥ श्रेणीउपशमजिननवीजहे ॥ जि० ॥ क्षपकश्रेणी धरिखंत ॥ स्वा०॥ चारित्रमोहखपावतां ॥ जि० ॥ चडी यांध्यानअत्यंत ॥ स्वा० ॥ ५ ॥ नवमेंथादिसंज्वलचउ॥ जि० ॥ अंतसमेएकलोन ॥ दशमेसुक्ष्ममात्रते ॥ जि० ॥ सागारउपयोगसोन ॥ स्वा० ॥ ६ ॥ एकादशमोछोलं घीने ॥ जि० ॥ बारमेंमोहखपाय ॥ स्वा० ॥ त्रिक्रमएक समयेहण्या ॥ जि० ॥ तेरमेंकेवलपाय ॥ स्वा० ॥ ७ ॥ तीर्थेथापीयोगरुंधीने ॥ जि० ॥ चउदमांथीसिद्धथाय॥ स्वा० ॥ श्रोगणीसपुनमस्ताद्वे ॥ जि० ॥ अनंतरट्याद रखाय ॥ स्वा० ॥ ८ ॥

अथ श्रीधर्मजिनस्तवन.

धर्मजिनधर्मतणाधोरी ॥ त्रकटमोहपासनाख्यात्रोडी ॥ तीरणधर्मआत्मसुंजोडी होप्रजुधर्मदेवप्यारा ॥ १ ॥ सु कलध्यानअमृतरसलीना ॥ संवेगरसेकरीजिनजीना ॥ प्यालाप्रजुउपशमनापीना ॥ हो० ॥ २ ॥ पुत्रसुखअ रिजाणस्वामी ध्यानथिरचित्तआत्मधामी ॥ जोडीजुग केवलनीपामी ॥ हो० ॥ ३ ॥ जाणशब्दादिकमोहजा ला ॥ रमणीसुखकंपाकसमकाला ॥ हेतुनरकादिकडुःख आला ॥हो०॥४॥ याप्यांप्रजुचारतीरथतायो ॥ आत्मोध

मेजिनआज्ञामायो ॥ आज्ञाबाहिरअधर्मेड्:खदायो॥हो० ॥ ५ ॥ वितधर्मेधर्मेजिनअख्याता ॥ अविरतिकहीअधर मडुखदाता ॥सावद्यनिरवद्यजूवांजूवांकयाखाता ॥हो०॥ ॥६॥ बहुजिनतारीमुक्तिधाया ॥ ओगणीसेंआसोजधुरदि नआया ॥ धर्मेजिनरटवेसुखपाया ॥ हो० ॥ ७ ॥

अथ श्रीसांतिजिनस्तवन.

शांतिकरणप्रभुशांतिनाथजी ॥ सुखदायकशिवकंद की ॥ बलिहारीहोसांतिजिणंदकी ॥ १ ॥ उपशमवाणी सुधारसीअनुपम ॥ मेटणमिथ्यात्वमंदकी ॥ ब० ॥ २॥ कामभोगरागद्वेषकटुकफल ॥ विषवेलमोहअंधकी ॥ब० ॥ ३ ॥ राक्षणीरमणीवेतरणी ॥ पापपुतलीअसुचडुरगं धकी ॥ ब० ॥ ४ ॥ विविधउपदेशदेइजिनताख्यां ॥ हुं बलिहारीजाउंविश्वानंदकी ॥ ब० ॥ ५ ॥ परमदयालगु वालकृपानिधि ॥ तुजजयमालाआनंदकी ॥ ब० ॥६॥उ गणीसेंआसोजविदिएकम ॥ शांभलतासुखकंदकी ॥ब० ७

अथ श्रीकुंथुजिनस्तवन रागप्रभाती.

कुंथुजिनेसरकरुणासागर ॥ त्रिभुवनसिरटीकोरे ॥ प्रभुजीकोसमरणकरनीकोरे ॥ १ ॥ अद्भुतरूपअनूपम कुंथुजिन ॥ दर्शनजगप्रीयकोरे ॥ प्र० ॥ २ ॥ उपशम

वाणीसुधारसअनूपम ॥ वालहोजनविरवेकोरे॥प्र०॥३॥ अनुकंपादोयश्रीजिनजापी ॥ मर्मएसमदृष्टीकोरे ॥ प्र० ॥ ४ ॥ असंयतीरोजीवणोवछे ॥ तेसावद्यतहतीकोरे॥ प्र० ॥ ५ ॥ निरवद्यकरुणाकरीजिनताखां ॥ धर्मवेजि नजीकोरे ॥ प्र० ॥ ६ ॥ उगणीसेआसोजवदिएकम ॥ सरणोसाहेवजीकोरे ॥ प्र० ॥ ७ ॥

अथ श्रीअरजिनस्तवन रागशोरठ

अरीजिनकर्मअरीनांहंता ॥ जगतजशरणजिहाज ॥ महनेप्यारालागोछोजीअरिहजिनराज ॥ महनेवालाला गोछोजी ॥ अरेंहमहाराज ॥ १ ॥ वारुंरेजिनेसररूपअनू पम ॥ तुंसुगुणसीरताज ॥ महा० ॥ २ ॥ परिसहचप सर्गरूपअरिहणा ॥ पायाछोकेवलआज ॥ महा०॥३॥ नयणनधापेनिरखतांजी ॥ इंद्राणीसुरराज ॥महा०॥४॥ वाणीविशालदयालपुरुषनी॥जूपतपाजावेलाज ॥ महा० ॥ ५ ॥ सरणेआयोसामरेजी ॥ अविचलसुखरेकाज ॥ महा० ॥ ६ ॥ ओगणीसेआसोजवदीएकम ॥ आनंद उपनुंआज ॥ महा० ॥ ७ ॥

अथ श्रीमल्लीजिनस्तवन रागप्रभाती.

नीलवरणमल्लीजिनेसर ॥ ध्याननिर्मलध्यायो ॥ अ

फालमांदेप्रञ्ज ॥ परमज्ञानपायो ॥ मल्लीजिनेसरसमरनाम ॥ सरणसरणआयो ॥ १ ॥ कल्पपुष्फमालाजेम ॥ सुंगधतनसुंहायो ॥ सुरवधुवरनयणभ्रमर ॥ अधिकहिं लपटायो ॥ म० ॥ २ ॥ स्वपरचक्रविविधविघने ॥ मिट ततुजपसायो ॥ सिंहनादयकीगजेंद्रजेमदूरजायो ॥ म० ॥ ३ ॥ वाणीविमलनिर्मलसुधा ॥ रससंवेगगायो ॥ नरसुरासुरत्रिय समजसुणतहरखायो ॥ म० ॥ ४ ॥ जगदयालतुंहीकृपाल ॥ जनकज्युंसुखदायो ॥ वह्लजनाथ स्वामसाहिव ॥ सुजशतिलकपायो ॥ म० ॥ ५ ॥ जप्त जापखसपाप ॥ तप्ततहिंमिटायो ॥ मल्लीदेवत्रिविधसेव ॥ जगअलेरोपायो ॥ म० ॥६॥ ओगणीसेआसोजरुम॥ त्रीजसुदिनआयो ॥ कुंननदनंकरआनंद ॥ हरपर्यामेंगायो ॥ म० ॥ ७ ॥

अथ श्री मुनीसुव्रतजिन स्तवन शोरठ.

सुमित्रानंदनश्रीमुनिसुव्रत ॥ तीरथनाथजिनजाणी॥ चारित्रलेईकेवलउपजायो ॥ उपशमरसनीवाणीरा ॥ प्रभुजीआपप्रवलवडनागी ॥ १ ॥ त्रिभुवनदायकसागिरा प्र० ॥ आ० ॥ एआंकणी ॥ चोत्रीसअतिशयपेंत्रीसवाणी ॥ निरखत सुरइंद्राणी ॥ उपशमरसनीवाणी ॥

सांजलीहरखसुंश्रांखनराणीरा ॥प्र० ॥ श्रा०॥२॥ शब्द रूपरसगंधनेफरस.॥ तेप्रतिकूलनेंद्वुएतुमश्रागे ॥ पांच दरशनथासुंपगनहीमंडे ॥ तिमश्रशुनशब्दादिकनागेरा॥ प्र० ॥ श्रा० ॥ ३ ॥ सुरकृतजलस्थलपुष्फपुजवर ॥ तेगांमीचितदीनो ॥ तुजनिश्वाससुगंधमुखपरिमल ॥ म नममररसलीनोरा ॥ प्र० ॥ श्रा० ॥ ४ ॥ पंचेंद्री यनरसुरत्रीयें,तुमसुतेंकिमद्वुएडुखदायो ॥ एकेंद्रीश्रन लतजेप्रतीकूलपणुं॥ वाजेगमतोवायोरा ॥ प्र० श्रा० ॥ ५ ॥ रागद्वेषदूरदंततेदम्या ॥ जीत्याविषयविकारो ॥ दीनदयालश्रायोतुजसरणे ॥ तुगतिमतिदातारोरा ॥प्र० ॥ श्रा०॥६॥श्रोगणीसेंश्रासोजत्रीजरूल ॥ श्रीमुनिसुव्रत गार्या ॥ सहरलामणुंरूडीरीतें ॥ श्रानंदश्रधिकोपायांरा ॥ प्र० ॥ श्रा० ॥ ७ ॥

अथ श्री नमिजिनस्तवन.

नमिनाथश्रनाथरानाथोरे ॥ नित्यनिमणकरुंजोमी हाथोरे ॥ कर्मकाटणवीरविख्यातो ॥ प्रभुनमिनाथजी मुजप्यारारे ॥ १ ॥ प्रभुध्यानसुधारसध्यायारे ॥ पदकेव लजोडीपायारे ॥ गुणउत्तमउत्तमश्राया ॥ प्र० ॥ २ ॥ वागरीप्रभुवाणविशालोरे ॥ ८५ ७२ जियापिकर

रे ॥ जगतारकदिनदयालो ॥ प्र० ॥ ३ ॥ थाप्यांतीरथ च्यारजिणंदारे ॥ मिथ्यातिमिरहरणनेमुणंदारे ॥ त्यानेसेवेसुरनरवृंदा ॥ प्र० ॥ ४ ॥ सुरअनुत्तरविमाननासेवेरे प्रश्नपूछयांउत्तरजिनदेवेरे ॥ अवधिज्ञानकरीजाणलेवे ॥ प्र० ॥ ५ ॥ तिहांबेठांतेतुमध्यानध्यावेरे ॥ तुमेयोगमुद्राचित्तचावेरे ॥ तेपणआपरीभावनाभावे ॥प्र०॥ ६ ॥ श्रोगणीसेश्रासोजवदारोरे ॥ कमत्रीजगायांगुणसारोरे हूओआनंदहरपअपारो ॥ प्र० ॥ ७ ॥

अथ श्रीनेमजिनस्तवन.

रिष्टनेमिस्वामितुंजगतार ॥ अंतरजामी ॥ तुंतोरणसुंफरयोजिनस्वाम ॥ अभूतवातकरीतेंअमाम ॥ रि० ॥१॥ राजमतीछांडीनेजिनराय ॥ शिवसुंदरसुंप्रीतलगाय ॥ रि० ॥ २ ॥ केवलपायाध्यानवरध्याया ॥ इडसुचीनिरखतहरपाय ॥ रि० ॥ ३ ॥ नेरइयापणपामेमनमोद ॥ तुजकल्याणसुरकरतविनोद ॥ रि० ॥ ४ ॥ रागरहीतशिवसुखसुंप्रीत ॥ कर्महणेवलीद्वेपरहीत ॥ रि० ॥५॥ अचरिजकारीथारोरेचरित्र ॥ हुंप्रणमुंकरजोडीनित॥रि० ॥ ६ ॥ श्रोगणीसेवदचोथकुमार ॥ नेमजंप्यापायोसुखसार ॥ रि० ॥ ७ ॥

अथ श्रीपार्श्वजिनस्तवन.

लोहकचनकरेपारसकाचो ॥ तेकरकहोकुणलेवे ॥ पार सतुप्रभुसाचोपारस ॥ आपसमोकरदेवे ॥ होपारसदेव तुमारादर्शन ॥ चागनलासोइपावेहुंवारीजाउं ॥ जीवम गनहुइजावे ॥१ ॥ तुजमुखकमलपारसचमरावल ॥ क नकक्रांततनसोहे ॥ हंससेणजाणेपंकजसेवे ॥ देखत जिनमनमोहे ॥ हो० ॥ २ ॥ फिटकसिंघासणसिंघआ करो ॥ बेठ्देशनादेवे ॥ वनमृगआवेवाणीसुणवा ॥ जा णकसिंहनेसेवे ॥ हो० ॥ ३ ॥ चंदसमोतुजमुखमहा सीतल॥ नयणचकोरहरखावे॥ इंद्रनरेंद्रसुरासुररमणी॥ निरखतत्रपतनैपावे ॥ हो० ॥ ४ ॥ आपनिरागीपाख डीसरागी ॥ आपसमेंइमगेहरी ॥ वैरभावपाखंडीराखे॥ पिणआपत्यारानहीवैरी ॥ हो० ॥ ५ ॥ जिमसूरजखंध चोथउपरे ॥ वैरभावनहीआणे ॥ तिमतुपणप्रभुपाखंडी आने ॥ खंदचोतसरिखाजाणे ॥ हो० ॥ ६ ॥ परमद यालक्रपालपारमप्रभु ॥ सवतओगणीसेगाया ॥ आसो जकृस्नतिथचोथलाडणु आनंदअधिकोपाया ॥ हो०॥७॥

अथ श्रीमहावीरजिनस्तवन.रागसोरठ.

चरमजिणंदचोवीसमारे ॥ अगहणामहावीर ॥ वि

कटतपवरध्यानकरे ॥ प्रभुपायानवजलतीर ॥ नहीएसो दूसरोमहावीर ॥ १ ॥ परिसहउपसर्गजीतवाप्रभु ॥ सूरवीरजिमसधीर ॥ नही० ॥ संगमेंदुखदियाआकरारे ॥ पणसुप्रश्नजरदयाल ॥ जगउद्धारहुवेमोयकीरे ॥ एहु वेइणकाल ॥ नही० ॥ २ ॥ देशअनार्यजिनसह्यांर ॥ उपसर्गविविधप्रकार ॥ ध्यानसुधारसलीनतारे ॥ मनमें हर्षअपार ॥ नही० ॥ ३ ॥ इणीपरेकर्मखपायने ॥ प्रभुपायाकेवलज्ञान ॥ उपशमरसमांहिवागरीप्रभु ॥ अधिकअनोपमवाण ॥ नही० ॥ ४ ॥ पुद्गलसुखअरिशिवतणारे ॥ नरकतणादातार ॥ छांडिरमणाकिंपाकवेल ॥ संवेगसंयमधार ॥ नही० ॥ ५ ॥ निंदास्तुतिसुखदुःखेरे॥ मानअनेअपमान ॥ हर्षशोकमोहपरहर्यारे ॥ पामे पदनिरवाण ॥ नही० ॥ ६ ॥ इणिपरेबहुजनताराप्रभु ॥ प्रणमुंचरमजिणंद ॥ ओगणीसेआसोजचोथरुडा॥ पायोपरमानंद ॥ नही० ॥ ७ ॥

इति श्रीभीषनजी स्वामी तच्छिष्य भारीमलजी स्वामी, तच्छिष्य रिषरायचंदजी, तच्छिष्य जीतमलजीकृत चतुर्विंशतिजिनस्तुति समाप्त.

अथ अणकंपारी चोपाई प्रारंभः

॥ दूहा ॥ पोतेहणावेनही, परजीवांराप्राण ॥ हणे तिणनेभलोजाणेनही, एनवकोटीपचपाण ॥ १ ॥ अभयदानदयाकही, श्रीजिणआगममांहि ॥ तोपिणथ्यंथ उगावियो, जैनीनामधराय ॥ २ ॥ त्यांअभयदाननहि ओलख्यो, दयारीखबरनकाय ॥ भोलांलोगांआगलें, कूडाचोचलगाय ॥ ३ ॥ कहैसाधवचावेंजीवने, औरांनेक हैवचाय ॥ भलोजाणेवचीयांथकां, पिणपूठपापलटे जाय ॥ ४ ॥ ढालपहिली ॥ चतुरनरछोडोकुगुरनोसंग॥ एदेशी ॥ इणसाधांरानेपमेंजी. बोलेएहवीवाय ॥ मेंपी यरछकायनाजी, जीववचायांजाय॥ चतुरनरसमजोज्ञा नविचार ॥ १ ॥ एहवीकरेपरूपणा, पिणबोलेबंधनहो य ॥ पलटजायपूठथांथकां, तेभोलानेपखरनकोय ॥ च० ॥ २ ॥ पेटछुपेसोश्रावकांजी, जुदाछुवेजीवकाय ॥ साधयायातिणअवसरेंजी, हाथफेखासुखथाय ॥च०॥३॥ साधपधारयांदेपनेजी, गिरसतबोल्यावाय ॥ येहाथफेरो पेटऊपरे, सोंश्रावकजीवाजाय ॥ च० ॥ ४ ॥ जदक हैहाथनफेरणोजी, माथांनेकलपेनाय॥ येंकहेताजीवव चावणा, [illegible] लोकाय ॥ च० ॥ ५ ॥ गोसा

लानेंवीरवचावियोजी, तिणमेंकह्योछेधर्म ॥ सोश्रावक
नहीवचावीया, ज्यांरीसरधारोनिकल्योनर्म ॥ च० ॥६॥
गोसालारेकारणेजी, लबधफोरीजगनाथ॥ सोश्रावकमर
तादेपने, थेंकायनफेरोहाथ ॥ च० ॥ ७ ॥ धर्मकहोन
गवंतने, तोपोतेकांयछोडीरीत॥सोश्रावकनहीवचावीया,
त्यांरीकुणमानसीपरतीत॥च०॥ ८ ॥ गोसालानेवचावि
यामें, धर्मकह्योसाक्षात॥सोश्रावकमरतादेपने, थेंकायन
फेरोहाथ॥च०॥९॥ इमकह्यांजाबनऊपजै, जबकूडीकरेब
कवाय ॥ हिवेसाधकहेतुमेसांभलोजी, गोसालारोन्याय
॥ च० ॥१०॥ साधांनेंलबधनफोरणीजी, सूत्रनगोती
मांय ॥ पिणमोहकर्मवसरागथी,तिणसुंलियोगोसालो
वचाय ॥ च० ॥ ११ ॥ छलेस्याहुंतीजदवीरमेंजी, हुंता
आगेईकर्म ॥ छद्मस्थचूकातिणसमेजी, मूरपथापेधर्म ॥
च० ॥ १२ ॥ छदमस्थचूकपरलोतिकोजी, मूढेआणेबो
ल ॥ पिणनिरवधकोयमजाणज्योजी, अकलहियारीपो
ल ॥ च० ॥ १३ ॥ ज्यूआणंदश्रावकनेघरेंजी, गोतम
बोल्याकूर ॥ परियाछदमस्थचूकमें, सुधहुयगयावीरहजू
र ॥ च० ॥ १४ ॥ इमअवसरछेमोहआवियोजी, नहिटा
लशक्याजगनाथ ॥ एतोन्यायनजाणियोजी, ज्यारेमांहेमू
लमिथ्यात ॥ च० ॥ १५ ॥ गोसालानेनहीवचावता, तो

वकवेहेगोकरेनही, पंपीमेलेमालारेमांह ॥ देपोपूरोश्चं
धारोएहने, एचोडेनूलाजाह ॥ च० ॥ २६ ॥ पंपीमा
लामांहेमेलतांजी, संकेनहीमनमांय ॥ श्रावकनेवेगोकी
यामें, धर्मनसरधेकांय ॥ च० ॥ २७ ॥ इतरीसमजपडे
नही, त्यामेंसमकितपावेकेम ॥ ठकियामोहमिथ्यातमें,
बोलेमतवालाजेम ॥ च० ॥ २८ ॥ कहेसाधानेकंदरवुं
डावणोजी, मिनकीवांसेजाय ॥ श्रावकवेगोकरेनही, श्रो
किणविधमिलसीन्याय ॥ च० ॥ २९ ॥ मूसादिकनेव
चावताजी, मिनकीनेड खथाय ॥ श्रावकनेवेगोकियाजी,
नहीकिणरेश्रंतराय ॥ च० ॥ ३० ॥ मूसादिकरेकारणे
जी, मिनकीनसाडेडराय ॥ श्रावकमरेमुपश्रागले, वेगो
नकरेहायसंताय ॥ च० ॥ ३१ ॥ श्रापरतपवातमिले
नहीजी, तावडाठाहडीजेम ॥ जांश्रिजिणमारगश्रोल
प्यो, त्यांरेहिरदेवेसेकेम ॥ च० ॥ ३२ ॥ कहेजायलागे
तोढांढापोलने, सायकाढिग्रघाडेकुवार ॥ श्रावकनेवेगोक
रेनही, श्रासरधाकरेधुवार ॥ च० ॥ ३३ ॥ ढांढादिक
नेपोजताजी, पपघणीलेतांहि ॥ सोश्रावकहायफेखाव
चे, त्यांरीकांयनश्राणेमनमाहि ॥ च० ॥ ३४ ॥ कहे
ढांढापोलवचावसां, श्रावकरेनफेरांहात ॥ एहश्रज्ञानी
जीवरी, कोईमूरखमानेवात ॥ च० ॥ ३५ ॥ कहेगामा

जनरिसमंडजायरे ॥ हिवेंतिणअवसरएकदेवता, त्यांनें उपसर्गदीधोआयरे. ॥ जीवमोह्अरणकंपानआणीयें ॥ मिनकास्यालकांधेवेहसाणियां, गलेपहेरीलेरुंढमालरे. ॥ लोहीराधसुंलिप्योसरीरने, हाथेंखडगदीसेविकरालरे ॥ जी० ॥ २ ॥ लोगथडथडलागाधूजवा, उरदेवरह्यामन ध्यायरे ॥ अरणकश्रावकमिगीयोनही, तिणकावसगदी धोठायरे ॥ जी० ॥ ३ ॥ तिणसाघारीअणसणकीयो, धर्मध्यानरह्योचितध्यायरे ॥ सगलांनेजाण्याुवतामो हकुरणानआणीकायरे ॥ जी० ॥ ४ ॥ अरणकनेमगाव वा, देवविधविधबोलेवायरे ॥ तुधरमनछोडसी, तारोजा जडुवाडंजलमायरे ॥ जी० ॥ ५ र उंचीउपाडनीचीना खने, करसुंसगलारीवातरे ॥ कालीचोलीअमावसरा जण्या, मानरेतुअरणकवातरे. ॥ जी० ॥ ६ ॥ ज्ञान दरशणम्हारावरतने, इणरोकीयोविघननथायरे ॥ इंतोसे वकडुंभगवानरो, मोनेनसकेदेवडिगायरे. ॥ जी० ॥ ७ ॥ लोगविलविलकरतादेखने, अरणकरोनविगरयोनूररे ॥मो हकुरणनआणोकेहनी, देवउपसर्गकीधोदूररे ॥जी०॥८॥ देवधिनधिनअरणकनेकहे, तुंतोजीवादिकनोजाणरे ॥ सु धर्मासनामधेताहरा, इंद्रकीधायणावखाणरे ॥जी०॥९॥ थर्णकश्रावकनागुणदेखने, एतोआयादेवारीदायरे ॥ दो

यकुंडलरीजोडीआपने, देवआयोजिणदिसजायरे ॥जी०
॥१०॥ नमीरायरिविचारितलियो, तेतोवागमेंउतरयोआ
यरे ॥ इंद्रआयोतिणनेपरपवा, तेतोकिणविधवोलेवाय
रे ॥जी०॥११॥धारीअगनकरीमिथलावलै, एकतारुंसा
ह्मोजोयरे॥ अंतेउरवलतांमेलसी, आतोवातसिरेनही
तोयरे॥जी०॥१२॥सुपवपरायोसारालोकमें,विलपादेखपु
त्ररतनरे॥ज्योंतुदयापालणनेकह्यिो, तोतुकरनेयाराजत
नरे॥जी०॥१३॥ नमीकहेवसुंजीवुंसुपे, ह्मारीपलपलसफ
लीजातरे॥आतोमिथलानगरीदाफ्तां,ह्मारोवलेनहीतिल
मातरे॥जी०॥१४॥ ह्मारेहरपनहीमिथलारह्यां, वलीयान
हिसोगलिगाररे ॥ मेंतोसावजज्याणत्यागीतिका, रहीन
लीनचावेअणगाररे ॥ जी० ॥ १५ ॥ नमीरायरिपिआ
र्णीनही, मोहअणकंपारीवातरे ॥ समनावराखेमुगतें
गया, करीआवक्रमारीघातरे॥ जी ०॥१६॥ ओतोकेसव
केरोबंधवो, ओतोनामेगजसुकमालरे ॥ तिणदिप्यालेई
काउसगकियो, सोमलआयोतिणकालरे ॥ जी० ॥१७॥
माथेपालबाधीमाटीतणी, माहिघाल्यालालअंगाररे ॥ क
ष्टसह्योवेदनाअतिघणी, नेमकरुणानआणीलिगाररे ॥
जी० ॥१८॥ श्रीनेमजिणेसरजाणता,
मालरीघातरे ॥ जी०

नमेल्यासाथरे ॥ जी० ॥ १९ ॥ श्रीवीरजिणंदचोवीश
मा, जिणकल्पीमोटाअणगाररे ॥ ज्यांनेदेवमिनपत्रिर्ज
चना, उपसर्गकपनाअपाररे ॥ जी० ॥ २० ॥ संगमदे
वतानगवानने, डुपदीधाअनेकप्रकाररे ॥ अनारजलोका
वीरने, स्वानादिकदीधालाररे ॥ जी० ॥२१॥ चोसवईडम
ह्योठवळ्याविया, दिप्यारेदिननेलाह्योयरे ॥ पिणकष्टपरवो
श्रीवीरने, नआयाउपसर्गेटालणकोयरे ॥ जी० ॥ २२ ॥
डुखदेतादेखीनगवानने, अलघानकीधाआयरे ॥ समदिष्टी
देवढुंताघणा, पणठोडावणरीनकाढीवायरे॥जी०॥२३॥
देवांजाएयोश्रीवर्द्धमानरे, उदैआयीदसेठेकर्मरे ॥ अणकं
पाआणीविचमेंपडयां, ओतोजिणजाप्योनहीधर्मरे॥जी०
॥ २४ ॥ धर्महुंतोतोआघोनकाढतां, वलेवीरनेडुर्पायाजा
णरे ॥ परिसावेणआयातेह्नने, देवअलगाकरताताणरे ॥
॥ जी० ॥ २५ ॥ आतोमलगलागलमंफरद्दी, सारादीप
समडांमांह्रिरे ॥ नगवतकहताजोईड्ने, तोयोह्रामेंदे
तामिटायरे ॥ जी० ॥ २६ ॥ पडतीजाणेअंतरायतो,
अचिलपवाडतपूररे ॥ एह्वीशक्तियणीठेईड्नी, तिणधी
कर्मनहोवेदूररे॥जी०॥२७॥ चुलणीपियानेपोसामधे, देव
दीधांठेडुपआयरे ॥ कुणकुणह्वालतिणमेंकिया, तेसां
नलजोचितलायरे ॥ जी० ॥ २८ ॥ तीनबेटारानवसूला

कीया,तिणरामूढढाआगेलायरे॥तेलउकालनेंमाहितव्या वलवजतासुंजटकायरे ॥ जी० ॥ २९ ॥ समापरिणा मेवेदनाखमी, जांणेआपणासंच्याकर्मरे ॥ करुणानआ णीअंगजातरी, तिणछोडचोनहिजिणधर्मरे ॥जी०॥३०॥ मतिमारणरोकह्योनहीं, तेतोसावजजाणीवायरे ॥ करु णानआणीमरतांदेपने, सेंगेरह्योधर्मध्यानमायरे ॥जी० ॥ ३१ ॥ देवकहेतुधर्मनछोमसो, थारेदेवगुरुसमछेमायरे॥ तिणनेमारुंविधआगली, थारासुंहमाआगेलायरे ॥ जी० ॥ ३२ ॥ जदतुआरतध्यानध्यायने, पडसीमाठीगत मेंजायरे॥ इमसुणनेचुलणीपीयाचलगयो, मानेरापण रोकरेउपायरे ॥ जी० ॥ ३३ ॥ ओतोपुरपअनार जकहेजिसो, जालरापुंज्युंनकरेघातरे ॥ ओतोनइाव चावणकविओ, इणरेयानोआयोहाथरे ॥ जी० ॥ ॥३४॥आणकंपाआणीजणणीतणी, तोनागावरतनेने मरे ॥ देखोमोहअणकपाएहवी, तिणमेंधर्मकहीजेकेम रे ॥ जी० ॥ ३५ ॥ चूलणीपीयानेसूरादेवना ॥ चूलस तकनेसकडालरे ॥ यांच्यारारामाखामीकरा, देवतलीया तेलउकालरे ॥ जी० ॥ ३६ ॥ जेबेटानेमरतादेखने, ना णीमोहअणकंपाएमरे ॥ उवेमातत्रियादिकराखवा, तोनागावरतनेनेमरे ॥ जी० ॥ ३७ ॥ मातत्रियादिकने

रापतां, नागावरतनेबंधियाकर्मेरे ॥ तोसाधजायविचमें पड्या, त्यांनेकिणविधहोसीधर्मेरे ॥ जी० ॥ ३८ ॥ चेडानेकूणकरीवारता, निरावलिकानगोतोसाखरे ॥ मानवमुवादोयसंग्राममें, एककोडनेएसीलाखरे ॥ जी० ॥ ॥ ३९॥ नगवतअणकंपाआणीनहीं, पोतेनगयानमेल्या साधरे ॥ यानेपहिलापणवरज्यानहीं, तेतोजीवारीजाणविराधरे ॥ जी० ॥ ४० ॥ एमांतोदयाअणकंपा जाणता, तोवीरविरटीलेजायरे ॥ सगलारेसाताउपजावता, एतोथोरामेदेतामिटायरे ॥ जी० ॥ ४१ ॥ कूणकनगतनगवानरो, चेडोबारेवरतधाररे॥ इंद्रनीरआयातेसमकिती, तेकिणविधलोपताकाररे ॥ जी० ॥ ४२ ॥ ज्ञानदर्शन चारित्रमाहिलो, किणरेवधतोजाणेउपायरे ॥ करेअणकंपातवजीवरी, वीरवीगरबुजायाजायरे ॥ जी०॥४३॥ समंदपालसुखामेझिलरह्यो, संसारविपेसुखलागरे ॥ तिणचोरनेमरतोदेखने, उपनोउतकष्टोपरमवैरागरे ॥जी० ॥ ४४ ॥ चारित्रलियाकर्मकाटवा, जाणेमोपतणोउपायरे ॥ करुणानआणीचोररी, छुडावणरीनकाढीवायरे॥ जी०॥४५॥ साधश्रावकनीएकरीतछे, तुमेज्जुवोसूतररोन्यायरे ॥ देखोअंतरमाहेविचारने, कूडीकायकरोबकवायरे ॥४६॥ दुहा ॥ अणकंपानेआदरी, कीजोघणाजतन॥

जिणवरनाधर्ममादिली, समकितपायरतंन ॥ १ ॥ गाय नेसआकयोरनो, एच्याररूदीदूध ॥ ज्यूंअणकंपाजाण जो, मनमेंआणेसूध ॥ २ ॥ आकदूधपीयायकां, जुदा हुवेजीवकाय ॥ ज्यूंसावजअणकपाकियां, पापकर्मवंधा य ॥ ३ ॥ जोलेहीमतनूलजो, अणकपारेनाम ॥ कीजो अंतरपारिपा, ज्युसीजेआतमकाम ॥ ४ ॥ अणकंपाने आगन्या, तीर्थंकरनीहोय ॥ सावजनिरवजउलखे, ते तोविरलाजोय ॥ ५ ॥ ढाल ॥ ३ ॥ धिगधिगठेनागश्री ब्राह्मणीने एदेशी ॥ मेघकुमरहाथीरानवमें, जिणजादी दयादिलआणी ॥ कचोपगराख्योसुससलोनमाखो, आक रणोश्रीवीरवखाणी ॥ आअणुकंपाजिनआगन्यामें॥१॥ कष्टसह्योतिणपापसुंडरते, मनदिढसेठीराखीतिण[illegible] वलताजीवदावानलदेखी, सुंढसुंगिरगिरवारेन[illegible] आ०जि०॥२॥परतससारकियोतिणगामे, [illegible] रेघरेआई ॥ नगवतआगलदीक्षालीधी, [illegible] नातामाई.॥आ० जी० ॥ ३ ॥ मांडलोएक[illegible], घणाजीवबचीआतिहांआई ॥ तिणवचिद[illegible] समकितआयाविनासमजनकाई. ॥आ[illegible] ४ ॥नेम कुमरपरणीजणचाल्या,पसुपंखीदेख[illegible]आणी॥[illegible] [illegible]

॥ ५ ॥ परणीजणासुपरणामफिरीया, राजमतीनेकन्नी छिटकाई ॥ कर्मतणेबंधसुनेमम्नरिया, तोड़ीआव्नवांरी सगाई. ॥आ० जि० ॥६॥आपसुंमरताजीवजाणीने, कड वातुंबारोकीधोआहारो ॥ कीडयारीअणकंपाआणी, धि नधिनधर्मरुचिअणगारो ॥ आ०जि० ॥७॥ फोरवीलब्धि अणकंपाआणी, गोसालानेवीरबचायो ॥ ठलेस्याछद्मम स्थजडुंता,जदमोहकर्मवसरागजआयो.॥आसा०॥८॥गो सालोअसंयतीकुपात्रतिणने, साजसरीरनोदीधो॥धर्मजा णतांतोजगतडुखीयो, वलेवीरओकामकदेनकीधो. ॥ आ० सा० ॥ ए ॥ तेजोलेस्यामेलीगोसालेबाल्यां, ॥ दोए साधनस्मकरीकाया ॥ लब्धधारीसाधुडुंताघणा, मोटा पुरुषत्यानेक्युंनवचाया. ॥ आ० सा० ॥ १० ॥ जिण रिषिएंअणकंपाकीधी, रेणादेवीसाह्मोतिणजोयो,॥सेल पजक्षहेगेठ्ताख्यो,देवीआयतिणपडगर्मेपोयो. ॥आ०सा ॥ ११ ॥ नगताहिरणगवेपीसुलसा, अणकंपाआणीवि लपीजाणी ॥ ठववेटादेवकीराजाया, सुलसारेघरमेल्या आणी. ॥आ०सा०॥१२॥ जगनरेपाम्हैदरकेसीआया अ सणादिकल्यांनेनहिदीधो ॥ जषदेवताअणकंपाकीधी, रु ड्वमंताब्राह्मणकीधो ॥आ०सा० ॥१३॥ मेघकुमरगरन मांहेडुंता, सुखरेताहीकियाअनेकउपायो ॥ धारणीराणी

अणकंपाआणी,मनगमताअसणादिकपायो ॥आ०सा० ॥ १४ ॥ किसनजीनेमवांदणनेजातां, एकपुरुपनेडखि ओजाणी ॥ साजदीयोअणकंपाकीधी, एकईंटवगायउ णरेघरआणी. ॥ आ०सा०॥१५॥ डुखियादोरादलिड्डीदे खी, अणकंपाउणरीकिणआणी ॥ गाजरमूलादिकसचि तपवावे, वलेपावेकाचोअणगलपाणी ॥आ०सा०॥१६॥ आपसुंमरताजीवजाणीने, टलजायसाधसंकोचीकाया ॥ आपद्दणेनद्दिपापसुंडरता, अणकंपाआणमेलेनहीगाया ॥ आ० जि ॥ १७ ॥ कपाडीजोमेलेगाया, असंयतीरी वेयावच्चलागे ॥ आअणकंपासाधकरेतो, त्यांरापाचूहीम हाव्रतभागे. ॥ आ० सा० ॥ १८ ॥ सोसाधविपमकालउ नाले, पाणीविनाहोयजुदांजीवकाया ॥ अणकंपाआणी असुधवहिरावे, वकायरापीहरसाधवचाया ॥आ०सा०॥ ॥ १९ ॥ गजसुकमालनेनेमरीआग्या, कावसगकीयोम साणमेंजाई ॥ सोमलआयपीरासिरवविया, सीसनधुणो दयादिलआई ॥ आ०जि०॥२०॥ व्याधअनेककोढादिक सुणने, तिणकपरवैदचलाईनेआवै,॥ अणकपाआणीसा जोकीधो, गोलीचूरणदेरोगगमावे. ॥आ० सा०॥२१॥ल बधधारीरापेलादिकथी, सोलद्दीरोगसरीरसुजावे ॥ वले जाणेइणरोगसुताधमरसी, अणकंपाआणीनहीरोगगमा

वे ॥आ०सा०॥२२॥ जोअणकंपासाधुकरेतो, उपदेशदे वैरागचढावे॥चोपेचितपेलोहाथजोडेतो, च्यारूहीआहा ररात्यागकरावे॥आ०जि०॥२३॥गिरसतनूलोकजारवन में, अटवीनेवलेकजरजावे ॥ अणकंपाजाणीसाधमारग वतावे, तोचारमहीनारोचारतजावे॥ आ० ॥ २४ ॥अट वीमेवलेअत्यंतडपीदेखी, चारुहीसरणासाधधरावे॥ मा रगपूछेतोमुंनजसाजें, वोलेतोनिनजिनधर्मसुणावे ॥आ० जि० ॥२५॥ दूहा॥दयादयासहुकोकहे,तेदयाधर्मछेठीक॥ दयाओलपनेपालसी, त्यांनेमुंगतनजीक ॥१॥ दयातोप हिलोवरतछे, साधश्रावककरोधर्म ॥ पापरुकेज्यासुंआव तां, नवानलागेकर्म ॥ २ ॥ छकायहणेहणावेनहीं, ह णतांनलानजाणेताय ॥ मनवचनेकायाकरी, एदयाकही जिणराय ॥ ३ ॥ दयाचोखेचितपालिया, तिरेघोररुदर संसार॥ आहीजदयापरुपतां, नलेजीवउतरेपार ॥ ४॥ पिणएकनामदयालोकीकरो, तिणरानेदअनेक ॥ त्यांमें नेपधारीनूलायणासुणजोआणविवेक ॥ ५ ॥ ढाल ४ थी॥दरवेलायलागीनावेलायलागी,दरवछेकगोनेनावेकूवो एनेदनजाणेमूलमिथ्याती संसारनेमुगतरोमारगजूवो ॥ नेपधरनेनूलांरोनिरणोकीजो ॥ १ ॥ कोईदरवेलायव लतानेराखे, दरवेकूवेपडताने नेकाह्नवचायो ॥ एतोउप

कारकियोइणनवरो, विवेकविकलत्यानेखबरनकायो ॥ जे ॥ २ ॥ घटमेंज्ञानघालिनेपापपचखावे, तिणपरतोराच्यो नवकुवामायो ॥ नावेंलायसुवजतानेकाढेरिखेसर, तेपिणगहिलांनेदनपायो ॥ जे० ॥ ३ ॥ सूनेचित्तसूतरवांचेमिथ्याती, दरवनेजावरानहीनिवेमा ॥ परवारसहितकुपंथमेंपडिया, त्यांनरकासुसनमुपदीयामेरा ॥ जे० ॥ ४ ॥ गिरसततनेओपददेईने, अनेकउपायकरजीव बचायो ॥ एसंसारतणोउपकारकियामें, मुगतरोमारग मूढवतायो ॥ जे० ॥ ५ ॥ करेजतरमंतरझडाझपाटा, सरपादिकरोजैरदेवेउतारी ॥ काढेडाकणसाकणभूतजपादिक, तिणमाहेधरमकहेसांगधारी ॥ जे० ॥ ६ ॥ एहवाकिरतवसावजजाणी, त्रिविधेंत्रिविधेसाधांत्यागजकीयो ॥ भेषधारीलोकांसुमिलनेअज्ञानी, जीवजीवावणरो सरणोलीयो ॥ जे० ॥ ७ ॥ एजीववचावणोमुखसुकहेपिण, कामपडयांबोलेंफिरतीवाणो ॥ जोलानेनरममेंपाडविगोवा, तेपणडूबेछेकरकरताणो ॥ जे० ॥ ८ ॥ कीडीमांकादिकजटागजाया, ढांढारापगहेठेचीथ्याजावे ॥ जेपधारीकहेमेंजीववचावां,तोचुणचुणजीवांनेकायनैउठावे ॥ जे० ॥ ९ ॥ जोआपोचोमासोउपदेसदेवेतो, दसवीसजीवानेदोरासमजावे ॥

हे, तोलाखांगमेजीवतेहिजवचावे॥जे०॥१०॥सोवररेश्रां तरेकोईलेवेसंथारो, तोतुरतश्रालसछोडदेवणजावे ॥ सो पगलांगयांजीवलाखांवचेछे, त्यांजीवांनेजायक्युंनजीवा वे ॥ जे० ॥ ११ ॥ धरछोडतोजाणेसोकोसांऊपरे, तोसांगपहिरावणसतावसुंजावे ॥ एककोसगयाजीवको डावचेछे, त्यांजीवनेजायक्युंनहीवचावे ॥ जे० ॥१२॥ जवतोकहेमांहरोकलपनहीछे, मेतोसंसारसुंहुवान्यारा ॥ कवहीकहेमेंजीवजीवाया, एवाणीनवोलेइकणधारा ॥ ॥जे०॥१३॥ साधुतोश्रापणावरतरापणने, त्रिविधेत्रिवि धेजीवनहीसंतावे ॥ संसारमाहिजीवपचरह्याछे, तिण सुंतोसाधहुवानिरदावे ॥ जे० ॥ १४ ॥ जीवणोमरणो त्यांरोनचावे, समकतादेपेतोसाधसमकावे ॥ ज्ञानादि कगुणघटमाहियाछे, मुगतनगरनेसंतपहुचावे ॥ जे० ॥ १५ ॥ गिरसतरापगहेठजीवश्रावे, तोजेपधारीकहेमें तुरतवतावां ॥ तेपणजीववचावणकाजें, सरवहीजीवा रोजीवणोचावा ॥ जे० ॥ १६ ॥ श्रवरतीजीवारोजीव णोचावे, तिणधरमरोपरमारथनहिपायो ॥ सरधाश्रगि नानीरीपगपगश्रटके, तेन्यायसुणजोनवियणचितश्रायो ॥ जें० ॥ १७ ॥ गिरसतरेतेलजायेमूणफूटां, कीडयांरा दरमांहिरेलाश्रावे ॥ विचमेजीवश्रावेतिणसुंवहता, तेज

चुद्दोचुद्दोअगनमेंजावे ॥ चे० ॥ १८ ॥ जोअगनकवेतो लागेछे, तसथावरजीवमाराजावे ॥ गिरसतरापगद्देवे जीववतावे, तेतेजढुलेतेवासएक्युनवतावे ॥ चे०॥१९॥ एपगसुंमरताजीववतावे, तेजसुमरताजीवनद्दीवतावे ॥ आपोटीसरधाकवाडीदीसे, पणअन्यंतरअंधारेनजरन आवे ॥ चे० ॥ २० ॥ चेपधारीविद्दारकरतामारगमे, त्यांनेश्रावकसाह्मामिलीयाआयो ॥ मारगछोडनेकज रपडिया, तसथावरजीवानेचीथतांजायो ॥ चे० ॥२१॥ श्रावकांनेकजाम्मेंपडियाजाणे, तसथावरजीवानेमरता देपे ॥ गिरसतरापगद्देवेजीववतावे, तोमारगवतावणाइ एलेपे ॥ चे० ॥ २२ ॥ एकपगद्देवेजीववतावेअज्ञानी, गलेवादलअंबरजिमगाजे ॥ श्रावकउजारमेंमागरपूछे, जदमुनसाजेबोलताकायलाजे ॥ चे० ॥ २३ ॥ एकपग द्देवेजीववतावे, त्यामेथोडासाजीवानेवचताजाणो ॥ श्रावकानेउजारसुंमारगघाल्यां, घणाजीववचेतसथावर प्राणो ॥ चे० ॥ २४ ॥ थोडीदूरवतायाथोडोधर मद्दुवेतो, घणीदूरवतायाघणोधर्मजाणो ॥ घणीदूररो नामलियांवककवे, तेपोटीसरधाराएएद्दनाणो ॥ चे० ॥ ॥ २५ ॥ कोईआंधोपुरुपगामांतरजातां, आंपविनाजीव किणविधजोवे ॥ कीडीमांकादिकचींथतोजावे, तसथाव

रजीवांरायमसाणह्वोवे ॥ ने० ॥ २६ ॥ नेपथारीसहेजे साथेह्वीजातां, आंधारापगसुंमरताजीवानेदेखे, एपगपग जीवांनेनह्वीवतावे, तोपोटीसरधाजाणजोइणलेपे ॥ ने० ॥ २७ ॥ त्यांनेवतायवतायनेजीवबचावणा, पुजपुंजने करणादूरो ॥ इणधरमकरसुंतोपोतेह्वीजाजे, तोवीजोकुण मानसीजमतकुरो ॥ ने० ॥ २८ ॥ इत्यांसुंलीयासह्वित आटोठे, गिरसतरेंढुलेंमारगमायो ॥ आतपतीरेतउना लारीतिणमें, पडतप्रमाणह्वोयज्जुदाजीवकायो ॥ ने० ॥ ॥ २ए ॥ गिरसतनह्विदेपेआटोढुलतो, तेनेपथखारीनि जरांआवे ॥ एपगहेतेजीववतावेअज्ञानी, तोआटेढुलता जीवक्युंनह्वीवतावे ॥ ने० ॥ ३० ॥ इत्यादिगरिसतरे अनेकउपधसुं, तसथावरजीवमूवाअनेमरसी ॥ एनेपग हेतेजीववतावे, त्यांनेसघलीह्वीगेमवतावणापमसी ॥ आ० ॥ ३१ ॥ किणह्वीकठोरेजीवबचावे, किणह्वीकठोर शंकामनआणे ॥ समकपमयाविणसरधापरुपे, पीपल वाधीमूरखजिमताणे ॥ आ० ॥ ३२ ॥ पगपगजाबअट कतादेपे, कदासरवआरेढुवाअज्ञानीफूलो ॥ कूरकपटक रीमतकुसलेरापणने, पिणबुधवतवातनमानेमूलो ॥आ० ॥ ३३ ॥ गिरसतरोनवठणोजीवणोमरणो, वांछजावता यांलागेपापकरमो ॥ रागद्वेषरह्वितरह्विणोनिरदावे, एह्

वोनिकेवलश्रीजिणधरमो ॥ श्रा० ॥ ३४ ॥ समोसरण एकजोजनमाफ्लामें, नरनार्यानावृंदश्रावेनेजावे ॥ अरिहंतश्रागलवाणीसुणवा, जगवतजिनजिनधर्मसुणावे ॥ श्रा० ॥ ३५ ॥ चारकोसमांहीतसथावरहोता, मरगया जीवउराणेश्राया ॥ नरनार्यांरापगसुंविनाउपयोगें, पणजगवतकठेहीनदीसेवताया ॥ श्रा० ॥ ३६ ॥ नंदण मिणहारडेमकोढुयने, वीरवांदणजातांमारगमायो ॥ तिणनेचीथमार्योसेणकनेवठेरे, वीरसाधसांह्मामेलक्यांन वचायो ॥ श्रा० ॥ ३७ ॥ गिरसतरापगदेहेंजीवश्रावेतो साधमनेवचावणोकठेहीनचाल्यो ॥ नारीकरमांलोकांने निसटकरणनें, श्रोपिणघोचोकुघरांघाल्यो ॥ श्रा०॥३८॥ साधारोनामतोश्रलगोमेली, श्रावकांरीचरचामुखल्यावे ॥ साधसाधसुंमरताजीववतावे, ज्युंश्रावकश्रावकनेजीवव तावे ॥ श्रा० ॥ ३९ ॥ सिक्षातरावलविनबोलैश्रज्ञानी, श्रावगांरेसंजोगसाधांज्यूंवतायो ॥ एगालांरागोलामुखसुं चलावे, तेन्यायसुंणजोजवियणचितल्यायो ॥ श्रा० ४० साधसुंमरताजीवदेखीने, संजोगीसाधुदेपीजोनहीवतावे तोश्ररिहंतरीश्रागन्यालोपावे, पापलागेनेविराधकथावे ॥ श्रा० ॥ ४१ ॥ साधुतोसाधुनेजीववतावे, तेपोतारोपाप टालणरेकाजे ॥ श्रावकश्रावकनेजीवनहीवतावे, तोकि

वपराईसोजणा, मरताराप्यांहोत्यांनेहोकोपाय ॥ न० ॥
॥ ७ ॥ सोजणडरजपकालमे, अनविनाहोमरेकयरमा
य ॥ कोईएकमारेतसकायने, सोजिणानेहोमरताराप्यां
जिमाय ॥ न० ॥ ८ ॥ किणहिककालेअनविना, सो
जणाराहोछुदाहुवेजीवकाय ॥ सेजेकलेवरमूवोपरियो,
कुसलेराप्याहोत्यानेएहपवाय ॥ न० ॥ ९ ॥ वलेम
रतांदेपीसोरोगला, ममाईवीणहोतेतोसाजानथाय ॥ को
ईममाईकरएकमिनपरी, सोजिणारेहोसातांकीवीत्रचाय
॥ न० ॥ १० ॥ जमींकंदखवायांपाणीदीयां, त्यांमे
थापेहोपापनेधर्मदोय ॥ तोअगनलगायहोकोपाविया, इ
त्यादिकहोसगलेमीसरहोय ॥ न० ॥ ११ ॥ जोधरम
कहेवचियातको, हिसातिणराहोलागाजाणेकर्म ॥ तो
सातोईसारिपालेखवे, कहेदैणोहोसगलेपापनेधर्म ॥ न०
॥ १२ ॥ जोसातामेंमिश्रकहेनही, तोकिमआवेहोइण
बोल्यारीपरतीत ॥ आपथापेआपउथापे, तोकुणमानेहो
आसरधाविपरीत ॥ न० ॥ १३ ॥ जोसातोहीमेंमिसर
कहिये, तोनहिलागेहोगमतीलोकांमेंवात ॥ मिलतीक
ह्यांविणतेहनी, कुणकरेहोकूडारीपपपात ॥ न० ॥ १४ ॥
एकदोयबोलामेमिसरकहे, सगलामेंहोकहतांलजेमूढ ॥
एवोगलटोपंथजाणियो, त्यांरेकेडेहोबूफेकरकररूढ ॥

न० ॥ १५ ॥ सोसोमिनपसगलेवच्या, थोमीवणीहोडु इसगलेघात ॥ जोधरमवरोवरनलेपवे, तोउथपगईहोमू लापाणीरीवात ॥ न० ॥ १६ ॥ वातउथपतीजाणने, कदाकदेदेहोसगलेपापनेधर्म ॥ पिणसमदिष्टीसरधेनही एतोकाढथोहोपोटीसरधारोजर्म ॥ न० ॥ १७ ॥ थ्रसं तीरोमरणोजीवणो, वछाकीधांहोनिसचैरागनेधेप ॥ थ्रो धरमनहीजिणनापीयो, सांसोडुवेतोहोथंगउपंगदेप ॥ न० ॥ १८ ॥ काचतणादेपीमिणकला, थ्रणसमज्या होजाणेरतनथ्रमोल ॥ तेनिजरेपड्यांसमझानीने, करदी धांहोत्यांरोकोडयांमोल ॥ न० ॥ १ए ॥ मूलाखवायां मिसरकहे, थ्रासरधाहोकाचमिणियांसमाण ॥ तोपिण कालीरतनथ्रमोलज्युं, न्यायनसूजेहोचालाकरमांराना ण ॥ न० ॥ २० ॥ जीवमारेकूववोलनें, चोरीकरनेंहो परजीववचाय ॥ वलेकरेंथ्रकारजएहवो, मरतारारयाहो मैथुनसेवाय ॥ न० ॥ २१ ॥ धनदेरापेपरप्राणने, क्रो धादिकहोथ्रगारइसेवाय ॥ एहीजकामांपोतेकरी, परजी वानेहोमरतांरापेताह ॥ न० ॥ २२ ॥ हिंसाकरीजीवरा षियां, तिणमेंहोसीहोधरमनेपापदोय ॥ तोइमथ्रगरेही जाणज्यो, एचरचामेंहोविरलोसमफेकोय ॥ न० ॥२३॥ जोएकणमेंमिसरकहे, सतरांमेंहोजापावोलेथ्रोर ॥ कधी

सरधारोन्यायमिलेनही, जबउलटोहोकरकठेजोर ॥न०
॥ २४ ॥ जीवमारीजीवरापणा, सूतरमेंहोनहींनगवतवे
ण ॥ कंधोपंथकुगुरांचलावियो, शुद्धनसरधेहोफूटाअंतर
नेण ॥ न० ॥ २५ ॥ कोईजीवतामिनपत्रिजंचना, हो
मकरेहोजुधजीपणसंग्राम ॥ एकतोत्र्योपापमोटको, जी
धहोम्यांहोदूजोसावजकाम ॥ न० ॥ २६ ॥ कोईनाह
रकसाईनेमारने, मरतारण्याहोघणाजीवअनेक ॥ जोगि
णेदोयानेसारखा, त्यारीविगरीहोसरधावातविवेक ॥ न०
॥ २७ ॥ पहिलाकहतांहोजीववचावणा, तिणलेपेहोबो
ल्येसुधनकाय ॥ जीववचियांरोधर्मगिणेनही, पिणथापे
होपिणमेंफिरजाय ॥ न० ॥ २८ ॥ देवलधजातेहनीपे
रे, फिरताबोलेहोनरहेएकणगाम ॥ त्यांनेपापंमीजिणक
ह्या, जगरोकज्योहोनहीचरचारोकाम ॥ न० ॥ २९ ॥
जोएकणमेअधर्मकहे दूजामेंहोकहेधर्मनेपाप ॥ एलेपो
कीयातोजडपडे, त्यांराघटमेहोपोटीसरधारीथाप ॥ न०
॥ ३० ॥ वलेसरणोलेईसेएकतणो, सावजबोलेहोतिण
रीपवरनकाय ॥ जोरीदावैपेलानेवरजीयां, तिणमांहेहो
जिणधर्मवताय ॥ न० ॥ ३१ ॥ कहेसेएकपरहोवजाची
यो, हीणोमतीहोफेरीनगरमेआंण ॥जिणमोपहेतेधर्मजा
णीयो, एहवोनापेहोमिथ्यावलेमरपादिष्टीअजाण ॥न०

॥ ३२ ॥ रायसेणकथोसमकिती, धर्मविनाह्येकिमकर सीएकाम ॥ इमकह्नीकह्नीनोजाजोकने' फंदमेंनापेह्नोसे णकरोलेनाम ॥ न० ॥ ३३ ॥ सेणकनेकरेमुखआगले, आमीतांमीह्नोमाडेपाचाताण ॥ आपठादेव्रटंकामेजता, कुणपालेह्नोश्रीजिणवरआण ॥ न० ॥ ३४ ॥ समदिष्टी तणोकोईनामले, नरमावेह्नोअणसमकांअजाण ॥ तेस रुइंदसमदिष्टीदेवता, जिणनगताह्नोएकाअवतारीजाण॥ ॥ न० ॥ ३५ ॥ तेनीरआयाकोणकतणी, जुधकीधोह्नो तिणसावजजाण ॥ एककोडअसीञापकपरे, मनवारा ह्नोकीधाधमसाण ॥ न० ॥ ३६ ॥ सेणकरायपरह्नोके रावीयो, ॥ एतोजाणोह्नोमोटाराजारीरीत ॥ नगवंतन सरायोतेहने, तोकिमआवेह्नोतिणरीपरतीत ॥ न० ॥ ३७ ॥ परह्नोकेखोह्नणोमती, इतरीनेह्नोसूतरमेंवात ॥ कोइधरमकहेसेणकतणो, तेतोबोलेह्नोचोडेकूडमिथ्यात ॥ न० ॥ ३८ ॥ लोकांसुंमिलतीवातजाणनें, कररह्याह्नो कूडीबकवाय ॥ मिश्रकहेतेपणअटकलां, साचह्नवेतोसू त्रमेंदेवबताय ॥ न० ॥ ३९ ॥ एतोपुत्रादिकजायापर णिया ॥ उठवादिकह्नोउरीसीतलाजाण एह्नवेकारणको ईकपने, श्रेणकराजाह्नोफेरिनगरमेंआण ॥ न० ॥ ४० ॥ तेतोरुकीयानह्नीक्रमआवता, नह्नीकटीयाह्नोतिणराआग

सरधारोन्यायमिलेनही, जबउलटोहोकरकठेजोर ॥न०
॥ २४ ॥ जीवमारीजीवरापणा, सूतरमेंहोनहीभगवतवे
ण ॥ अंधोपंथकुगुरांचलावियो, शुध्नसूझेहोफूटाग्रंतर
नेण ॥ न० ॥ २५ ॥ कोईजीवतामिनपत्रिजचना, हो
मकरेहोशुधजीपणसंयाम ॥ एकतोश्रोपापमोटको, जी
धहोम्यांहोदूजोसावजकाम ॥ न० ॥ २६ ॥ कोईनाह
रकसाईनेमारने, मरतारव्याहोघणाजीवअनेक ॥ जोगि
णेदोयांनेसारपा, त्यांरोविगरोहोसरधावातविवेक ॥ न०
॥ २७ ॥ पहिलांकहतांहोजीवबचावणा, तिणलेपेहोबो
ल्येसुधनकाय ॥ जीवबचियारोधर्मगिणेनही, पिणपापे
होपिणमेफिरजाय ॥ न० ॥ २८ ॥ देवलधजातेहनीपे
रे, फिरताबोलेहोनरहेएकणठाम ॥ त्यांनेपापंमीजिणक
ह्या, जगरोकल्योहोनहीचरचारोकाम ॥ न० ॥ २९ ॥
जोएकणमेंअधर्मकहे दूजामेंहोकहेधर्मनेपाप ॥ एलेपो
कीयातोजडपडे, त्यांराघटमेंहोपोटीसरधारीथाप ॥ न०
॥ ३० ॥ वलेसरणोलेईसेएकतणो, सावजबोलेहोतिण
रीपवरनकाय ॥ जोरीदावैपेजांनेवरजीया, तिणमांहेहो
जिणधर्मबताय ॥ न० ॥ ३१ ॥ कहेसेणकपरहोवजावी
यो, हीणोमतीहोफेरीनगरमेआंण ॥जिणमोपहेतेधर्मजा
णीयो, एहवोजापेहोमिथ्यावलेमरपादिष्टीअजाण ॥न०

॥ ३२ ॥ रायसेणकथोसमकिती, धर्मविनाह्योकिमकर सीएकाम ॥ इमकह्योकह्योनोजाजोकने' फदमेंनापेह्योसे एकरोलेनाम ॥ ज० ॥ ३३ ॥ सेणकनेकरेमुखआगले, आमीमांमीह्योमाडेपाचाताण ॥ आपठाढेउटकामेलता, कुणपालेह्योश्रीजिणवरआण ॥ ज० ॥ ३४ ॥ समदिष्टी तणोकोईनामले, नरमावेह्योअणसमजाअजांण ॥ तेस कइंदसमदिष्टीदेवता, जिणनगताह्योएकाअवतारीजाण॥ ॥ ज० ॥ ३५ ॥ तेनीरआयाकोणकतणी, जुपकीयोह्यो तिणसावजजाण ॥ एककोडअसीजापकपरे, मनरांरा ह्योकीयायमसाण ॥ ज० ॥ ३६ ॥ सेणकरायपरह्योफे रावीयो, ॥ एतोजाणोह्योमोटाराजांरीरीत ॥ जगवतन सरायोतेह्ने, तोकिमआवेह्योतिणरीपरतीत ॥ ज० ॥ ३७ ॥ परह्योफेखोह्णोमती, इत्तरीजेह्योसूतरमेंवात ॥ कोइधरमकहेसेणकतणे, तेतोवोलेह्योचोडेकूठमिथ्यात ॥ ज० ॥ ३८ ॥ लोकासुंमिलतीवातजाणनें, कररह्याह्यो कूडीवकवाय ॥ मिश्रकहेतेपणअटकला, साचह्वुवेतोसू त्रमेंदेवैवताय ॥ ज० ॥ ३९ ॥ एतोपुत्रादिकजायापर णियां ॥ उठवादिकह्योउरीसीतजाजाण एह्वेकारणको ईकपने, श्रेणकराजाह्योफेरिनगरमेंआण ॥ ज० ॥ ४० ॥ तेतोरुकीयानह्योक्रमआवता, नह्योकटीयाह्योतिणराआग

सरधारोन्यायमिलेनही, जबउलटोहोकरकहेजोर ॥न० ॥ २४ ॥ जीवमारीजीवरापणा, सूतरमेंहोनहीजगवंतवे ण ॥ अंधोपंथकुगुरांचलावियो, शुध्दनसूझेहोफूटाअंतर नेण ॥ न० ॥ २५ ॥ कोईजीवतामिनपत्रिजचना, हो मकरेहोजुधजीपणसंग्राम ॥ एकतोओपापमोटको, जी धहोम्यांहोदूजोसावजकाम ॥ न० ॥ २६ ॥ कोईनाह रकसाईनेमारने, मरतारप्याहोघणाजीवअनेक ॥ जोगि णेदोयांनेसारषा, त्यांरीविगरीहोसरधावातविवेक ॥ न० ॥ २७ ॥ पहिलाकहताहोजीववचावणा, तिणलेपेहोबो ल्युसुधनकाय ॥ जीववचियांरोधर्मगिणेनही, पिणथापे होविणमेफिरजाय ॥ न० ॥ २८ ॥ देवलधजातेहनीपे रे, फिरताबोलेहोनरहेएकणगाम ॥ त्यानेपापंमीजिणक ह्या, जगरोकह्योहोनहीचरचारोकाम ॥ न० ॥ २९ ॥ जोएकणमेंअधर्मकहे. दूजामेंहोकहेधर्मनेपाप ॥ एलेपो कीयातोजडपडे. त्यांराघटमेहोपोटीसरधारीथाप ॥ न० ॥ ३० ॥ वलेसरणोलेईसेणकतणो, सावजवोलेहोतिण रीपवरनकाय ॥ जोरीदावेपेलानेवरजीया, तिणमांहेहो जिणधर्मवताय ॥ न० ॥ ३१ ॥ कहेसेणकपरहोवजावी यो, होणोमतीहोफेरीनगरमेआंण ॥ जिणमोपहेतेधर्मजा णीयो, एहवोनापेहोमिथ्यावलेमरपादिष्टीअजाण ॥ न०

॥ ३२ ॥ रायसेणकथोममकिती, धर्मेविनाह्लोकिमकर सीएकाम ॥ इमकह्लीकह्लीनोजाजोकने' फंदमेनापेह्लोसे णकरोलेनाम ॥ न० ॥ ३३ ॥ सेणकनेकरेमुखग्रागले, श्रामीमांमीह्लोमाडेपाचाताण ॥ श्रापढादेञटकामेलता, कुणपालेह्लोश्रीजिणवरश्राण ॥ न० ॥ ३४ ॥ समदिष्टी तणोकोईनामले, नरमावेह्लोश्रणसमफांश्रजांण ॥ तेस क्रईदसमदिष्टीदेवता, जिणनगताह्लोएकाश्रवतारीजाण॥ ॥ न० ॥ ३५ ॥ तेजीरश्रायाकोणकतणी, जुधकीधोह्लो तिणसावजजाण ॥ एककोडश्रसीजापकपरे, मनरांरा ह्लोकीधाधमसाण ॥ न० ॥ ३६ ॥ सेणकरायपरह्लोफे रावीयो, ॥ एतोजाणोह्लोमोटाराजांरीरीत ॥ नगवतन सरायोतेह्ने, तोकिमश्रावेह्लोतिणरीपरतीत ॥ न० ॥ ३७ ॥ परह्लोफेखोह्नणोमती, इतरींत्रेह्लोसूतरमेंवात ॥ कोइधरमकह्देसेणकतणे, तेतोबोलेह्लोचोडेकूवमिथ्यात ॥ न० ॥ ३८ ॥ लोकांसुंमिलतीवातजाणनें, कररह्याह्लो कूडीत्रकवाय ॥ मिश्रकह्देतेपणश्रटकलां, साचह्नुवेतोसू त्रमेंदेवैवताय ॥ न० ॥ ३९ ॥ एतोपुत्रादिकजायापर णिया ॥ वठवादिकह्लोउरीसीतजाजाण एह्नवेकारणको ईऋपने, श्रेणकराजाह्लोफेरिनगरमेंश्राण ॥ न० ॥ ४० ॥ तेतोरुकीयानह्लीक्रमश्रावता, नह्लीरुटीयाह्लोतिणराश्राग

सरधारोन्यायमिलेनही, जबउलटोहोकरकडेजोर ॥न०
॥ २४ ॥ जीवमारीजीवरापणा, सूतरमेंहोनहींजगवंतवे
ण ॥ कंथोपंथकुगुरांचलावियो, शुद्धनसूझेहोफूटाअंतर
नेण ॥ न० ॥ २५ ॥ कोईजीवतामिनपञ्चिजंचना, हो
मकरेहोजुधजीपणसंग्राम ॥ एकतोओपापमोटको, जी
धहोम्यांहोदूजोसावजकाम ॥ न० ॥ २६ ॥ कोईनाह
रकसाईनेमारने, मरतारप्याहोघणाजीवअनेक ॥ जोगि
णेदोयानेसारषा, त्यारीविगरोहोसरधावातविवेक ॥ न०
॥ २७ ॥ पहिलांकहतांहोजीववचावणा, तिणलेपेहोवो
ल्येसुधनकाय ॥ जीवबचियांरोधर्मगिणेनही, पिणथापे
होपिणमेफिरजाय ॥ न० ॥ २८ ॥ देवलधजातेहनीपे
रे, फिरताबोलेहोनरहेएकणगाम ॥ त्यांनेपावंम्हीजिणक
ह्या, जगरोकह्योहोनहीचरचारोकाम ॥ न० ॥ २९ ॥
जोएकणमेअधर्मकहे दूजामेंहोकहेधर्मनेपाप ॥ एलेपो
कीयातोजडपडे, त्याराघटमेहोपोटीसरधारीथाप ॥ न०
॥ ३० ॥ वलेसरणोलेईसेणकतणो, सावजबोलेहोतिण
रीपवरनकाय ॥ जोरीदावैपेलांनेवरजीयां, तिणमांहेहो
जिणधर्मवताय ॥ न० ॥ ३१ ॥ कहेसेणकपरहोवजावी
यो, हीणोमतीहोफेरीनगरमेंआंण ॥जिणमोपहेतेधर्मेजा
णीयो, एहवोनापेहोमिथ्यावलेमरपादिष्टीअजाण ॥न०

॥ ३२ ॥ रायसेणकयोसमकिती, धर्मविनाह्रोकिमकर सीएकाम ॥ इमकह्रीकह्रीनोलालोकने' फदमेंनापेह्रोसे णकरोलेनाम ॥ न० ॥ ३३ ॥ सेणकनेकरेंसुखआगले, आमीनांमोह्रोमाडेपाचाताण ॥ आपठांदेज्टंकामेलता, कुणपालेह्रोश्रीजिणवरआण ॥ न० ॥ ३४ ॥ समदिष्टी तणोकोईनामले, नरमावेह्रोअणसमजाअजांण ॥ तेस कइंदसमदिष्टीदेवता, जिणनगताह्रोएकाअवतारीजाण॥ ॥ न० ॥ ३५ ॥ तेनोरथायाकोणकतणी, जुपकोथोह्रो तिणसावजजाण ॥ एककोडअसीत्नापकपरे, मनरारा ह्रोकीवाधमसाण ॥ न० ॥ ३६ ॥ सेणकरायपरह्रोफे रावीयो, ॥ एतोजाणोह्रोमोटाराजांरीरीत ॥ नगवतन सरायोतेह्रने, तोकिमआवेह्रोतिणरीपरतीत ॥ न० ॥ ३७ ॥ परह्रोफेखोह्रणोमती, इतरीठेह्रोसूतरमेंवात ॥ कोइधरमकहेंसेणकतणे, तेत्तोत्रोलेह्रोचोडेकूडमिथ्यात ॥ न० ॥ ३८ ॥ लोकासुंमिलतीवातजाणनें, कररह्याह्रो कूडीत्नकवाय ॥ मिश्रकहेतेपणअटकला, साचहुवेतोसू त्रमेंदेवैवताय ॥ न० ॥ ३९ ॥ एतोपुत्रादिकजायापर णियां ॥ ठठवादिकह्रोठरीतीतजाजाण एहवेकारणको ईकपने, श्रेणकराजाह्रोफेरिनगरमेंआण ॥ न० ॥ ४० ॥ तेतोरुकीयानह्रीक्रमआवता, नह्रीकटीयाह्रोतिणराआग

लाकर्म ॥ वलेनरकजातोरह्योनही, नसीपायोहोनगवत ओधर्म ॥ न० ॥ ४१ ॥ नगवतेमोटामोटाराजवी, प्रति वोध्याहोआएपामारगगाय ॥ साधश्रावकधर्मवताविये, नसीपायोहोपडहोफेरणोताय ॥ न० ॥ ४२ ॥ तोसेण कसीप्योकिणआगले, नगवतनेहोपूछ्यांसाजैमून ॥ व लेनजणावेआमना, आग्याविनाहोकरणीजांणोजाबुन ॥ ॥ न० ॥ ४३ ॥ वासुदेवचक्रवर्तिमोटका, त्यांरीवरतेहो तीनठपंडमेंआए ॥ जोपरहोफेरायांसुगतमिले, तोकुण काढेहोआयोजिनध्रमजाए ॥ न० ॥ ४४ ॥ केइवि शनवालामिनखने, विसनसातुहोविनामनदेहुडाय ॥ जोइणविधजिनधरमनीपजे,तोठपंडमेंहोवरजैआणफिरा य ॥ न० ॥ ४५ ॥ फलफूलादिकअनंतकायने, हिंस्या दिकहोअठारेपापजाए ॥ जोरीदावेपइलांनेमनेकीयो, ध र्मेहुवेतोहोफेरेठपंममेंआण ॥ न० ॥ ४६ ॥ वलेतीर्थंक रघरमेंथकां, त्यांमेंहुताहोतीनज्ञानवसेप॥वलेहालहुकम थोत्यांनफेरोहोपरहोसूतरदेप ॥ न० ॥४७॥ वलदेवा दिकमोटाराजवी, घरठोमीहोकीयापापरापचपांण ॥ सेणकजिमपरहोनफेरियो, जोरीदावैहोनवरताईआण॥ न० ॥ ४८ ॥ ब्रमदत्तचत्रवरततेहने, चितमुनीहोसमजा वणआय॥ साधश्रावकरोधर्मकह्यो, परहारीहोनकही

ग्रामनाकाय ॥ न० ॥ ४९ ॥ वीतांनेरेरुकेक्रमआवतां
वारेनेदेहोकटेआगलाकर्म ॥ एमोपरोमारगपाधरो, ओ
म्भामेलाहोसगलापापंमधर्म ॥ न० ॥ ५० ॥ ढोयवेश्या
कसाईवाडेगई, करतादेपीहोजीवारासंधार ॥ ढोनूजण्या
मलोकरी, मरताराख्याहोजीवदोयहजार ॥ न० ॥ ५१॥
एकगेहणोदेईआपणो, तिणछुडायाहोजीवएकहजार ॥
दूजीछुडायाइणविधे, एकदोयसुंहोचोथोआश्रवसेवाय ॥
न० ॥ ५२ ॥ एकणनेपापमेमीसिरकहै, दुजीनेंहोपाप
किणविधहोय ॥ जीवबरोबरवचाविया, फेरपडसीहोते
तोपापमेंजोय ॥ न० ॥ ५३ ॥ एकणसेवायोआश्रवपां
चमो, तोइणदूजीहोचोथोआश्रवसेवाय ॥ फेरपख्योतो
इणपापमें, धर्महुसीहोतेतोसरीषोथाय ॥ न० ॥ ५४ ॥
एकणनेधर्मकहेतांलाजेनहो, दूजीनेहोकहितांआवेसंक॥
जबलोकांसुंकरेलगावणी, एहवाजांणोहोचोरेकुगरामंक॥
न० ॥ ५५ ॥ एकवेश्यासावजकामोकरी, सेहसनाणो
होलेवलीघरमांय ॥ दूजीकृतवकरीआपणो, मरताराख्या
होसेंहसजीवछुडाय ॥ न० ॥ ५६ ॥ धनआप्योपोटाक्र
तवकरी, तिणरेलागाहोदोनूविधकर्म ॥ तोदूजीछुडाया
तेहने, उणलेपेहोहुवोपापनेधर्म ॥ न० ॥ ५७ ॥ पाप
गिणेमहीपुनमें, जीववचियाहोतिणरोनागिणेधर्म ॥ पा

तेंसरधारीपवरपोतेंनहो, तांणतांणहोबांधेनारीकर्म ॥ न० ॥ ५८ ॥ इणपरसणरोजावनकपजे, चरचा मेंहोअटकेगमगाम ॥ तोपणनिरणोकरेनहो, वकक ठेहोजीवारोलेनाम ॥ न०॥ ५९ ॥ जीवजीवेकालअनादरे, मरेतिणरीहोपरज्यापलटीजाण ॥ संवरनिरजरातोन्या राकह्या, तेलेजावेहोलीवनेनिरवाण ॥ न० ॥ ६० ॥ पिरथीपाणीअगनवायरो, विनसपतोहोछगीत्रसकाय ॥ मोलसुंछुमावेतेहने, धर्मछुसीहोतेतोसगलामेंथाय ॥न० ॥ ६१ ॥ तसकायछुमायामेधर्मकहे पांचकायमेंहोबोले नहीनिसंक ॥ नरममेंपाडयालोकने, त्यालगायाहोमि थ्यातरार्क ॥ न० ॥ ६२ ॥ त्रिविधेंछकायहणवीनहो, एहवीछेहोजगवंतरीवाय ॥ मोललियांधर्मकहेमोपरो, एफंदमाढयोकुगुराकुवचचलाय ॥ न० ॥ ६३ ॥ देवगुर धरमरतनतीनुं, सुतरमेहोजिणनाप्याअमोल ॥ मोल लोयांनहीनीपजे, साचीसरधाहोआपहीयारीपोल ॥न० ६४ ॥ ज्ञानदरसणचारित्रनेतप, मोपजावाहोमारगछे चार ॥ त्यानेनिननिनओलखआदरे, साधपालेहोतेपा मेनवपार ॥ न० ॥ ६५ ॥ दूहा ॥ अणकंपाएलोकनी, करमतणोबंधहोय॥ ज्ञानदरशणचारित्रतपविना, धर्मम जाणोकोय ॥ १ ॥ जेअणकंपासाधुकरे, तोनवानवंबेक

मे ॥ तिणमाहिलीश्रावककरे, तोतिणनेपिणहोसीधर्म ॥ २ ॥ साधश्रावकदोनांतणी, एकअणकंपाजाण ॥ अ मृतसहुनेसारखो, तिणरीमकरोताण ॥ ३ ॥ वरजीअण कंपासाधने, सूतररीदेसाप ॥ चितलगाईसांभलो, श्रीवी रगयादेनाप ॥ ४ ॥ ढाल ॥ ६ ॥ हिवेसांभलजोनरना रए० ॥ मांनपुंजादिकनीमोरी ॥ बधीयाकरेईलानेसोरी सीततापकरीनेदुःखीया सातावाछेजाएेहुवासुपीया ॥१॥ उणरीअणकंपाआणे ॥ छोडेछोमावेनलोजाणे ॥ जिण नेचोमासीप्राछितआवे ॥ धरमजाणेतोसमकितजावे ॥२ इमबंधेबंधावेहुवेराजी ॥ ज्यारोसंजमजावेनाजी ॥ एतो सावजकारजजाणो ॥ त्यांरासाधकियापचकाणो ॥ ३ ॥ जीवणोमरणोनहीचावे ॥ साधुक्यांनेबंधावेछुडावे॥ त्यां रीलागीमुगतासुंताली ॥ तिकेकिणरीकरेरखवाली ॥ ४ ॥ गिरसतरेलागीलायो ॥ घरबारेनीकलीयोनजायो ॥ बलता जीवबिलबिलबोले साधुजायकिवारनपोले ॥ ५ ॥ दर वेनावेलायलागी ॥ जिणथीकोयकहुवेवैरागी ॥ कणरी अणकपाआवे ॥ उपदेसदेईसमकावे ॥ ६ ॥ जनममर णरीलायथीकाढे ॥ उणरोकामसिराडेचाढे ॥ पकरावे ज्ञानादिकदोरी ॥ तिणथीकर्मअलगदेतोरी ॥ ७ ॥ अण कंपाकीयाधर्मआवे ॥ परमारथविरलापावे ॥ निसीथरे

तेंसरधारीपवरपोतेंनही, तांणताणहोबांधेनारीकर्मे ॥ न० ॥ ५८ ॥ इणपरसणरोजावनकपजे, चरचा मेंहोअटकेगमगम ॥ तोपणनिरणोकरेनही, वकक वेहोजीवांरोलेनाम ॥ न०॥ ५९ ॥ जीवजीवेकालअनादरे, मरेतिणरीहोपरज्यांपलटीजाण ॥ संवरनिरजरातोन्या राकह्या, तेलेजावेहोजीवनेनिरवाण ॥ न० ॥ ६० ॥ पिरथीपाणीअगनवायरो, विनसपतीहोछठोत्रसकाय ॥ मोलखुलुमावेतेहने, धर्मदुसीहोतेतोसगलामेंथाय ॥न० ॥ ६१ ॥ तसकायलुमायामेंधर्मेकहे पांचकायमेंहोबोले नहीनिसंक ॥ नरममेंपाडयालोकने, त्यांलगायाहोमि थ्यातरांक ॥ न० ॥ ६२ ॥ त्रिविधेंछकायहणवीनही, एहवीछेहोनगवतरीवाय ।। मोललियांधर्मेकहेमोपरो, एफंदमाढयोकुगुराकुबधचलाय ॥ न० ॥ ६३ ॥ देवगुर धरमरतनतीलुं, सूतरमेंहोजिणनाप्याअमोल ॥ मोल लीयानहीनीपजे, साचीलरधाहोआंपहीयारीपोल ॥न० ६४ ॥ ज्ञानदरसणचारित्रनेतप, मोपजावाहोमारगछे चार ॥ त्यानेजिननिनओलखआदरे, साधपालेंहोतेपा मेंनवपार ॥ न० ॥ ६५ ॥ दूहा ॥ अणकंपाएलोकनी, करमतणोबंधहोय॥ ज्ञानदरशणचारित्रतपविना, धर्मेम जाणोकोय ॥ १ ॥ जेअणकंपासाधुकरे, तोनवांनबंधेक

में ॥ तिणमाहिलीश्रावककरे, तोतिणनेपिणहोसीधर्म ॥ २ ॥ साधश्रावकदोनांतणी, एकग्रणकपाजाण ॥ ग्र मृतसहुनेसारखो, तिणरीमकरोताण ॥ ३ ॥ वरजीग्रण कंपासाधने, सूतररीदेसाप ॥ चितलगाईसांनलो, श्रीवी रगयाछेनाप ॥ ४ ॥ ढाल ॥ ६ ॥ हवेसांनलजोनरना रए० ॥ मांनपुंजादिकनीमोरी ॥ वधीयाकरेहेलानेसोरी सीततापकरीनेडुमीया सातावाछेजाणेहुवासुपीया ॥१॥ उणरीग्रणकंपाग्राणे ॥ ठोहेठोमावेनलोजाणे ॥ जिण नेचोमासीप्राछितग्रावे ॥ धरमजाणेतोसमकितजावे ॥२ इमवंधेवंधावेहुवेराजी ॥ ज्यांरोसंजमजावेनाजी ॥ एतो सावजकारजजाणो ॥ त्यारासाधकियापचकाणो ॥ ३ ॥ जीवणोमरणोनहीचावे ॥ साधुक्यांनेवंधावेछुडावे॥ त्यां रीलागीमुगतासुंताली ॥ तिकेकिणरीकरेरखवाली ॥ ४ ॥ गिरसतरेलागीलायो ॥ घरवारेनीकलीयोनजायो ॥ वलता जीवविलविलत्रोले साधुजायकिवारनपोले ॥ ५ ॥ दर वेनावेलायलागी ॥ जिणथीकोयकढुवेवैरागी ॥ कणरी ग्रणकंपाग्रावे ॥ उपदेसदेईसमजावे ॥ ६ ॥ जनममर णरीलायथीकाढे ॥ उणरोकामसिराडेचाढे ॥ पकरावें ज्ञानादिकदोरी ॥ ति[illegible] ॥ ७ ॥ ग्रण कंपाकीयामंमग्रावे [illegible] ॥ निसीथरे

एकल्याजगवतहो ॥ ज० ॥ क० ॥ ३ ॥ काचापाणीत
णामाटाजखा, वणाजीवतेअत्रगणजीरहो ॥ ज० ॥
नीत्रणकूत्रणआदलटांघणी, तिणमेंअनंतवतायावीरहो
॥ज०॥क० ॥४॥ पातजीनोककरडीत्रटाघणी, गिमोलाने
गधीयजाणहो ॥ज०॥ टरवलटरवलकररह्य, यानेकरमा
नाप्याअणहो॥ज० ॥ क० ॥ ५ ॥ कोईकजायगामेंकंद
रवणाफिरे, आमानेसामाअथागहो॥ज०॥थोडोसोपरको
सांजले, तोजायदिसोदिसजागहो॥ज०॥६॥ गुलपांडआ
दमिशनमें, जीवचिहुंदिसदोखजायहो ॥ज० ॥ मापीने
मांकाफिररह्या, तेतोदुवकोमाह्योहो, ज० ॥ क०॥ ७ ॥
नाडोदेपीनेआवेनेसीया, धानडकोहेंवकरोआयहो ॥ज०
गामेंआयोवलदपाधरो, माटेआयकजीजेगायहो॥ ज०॥
॥ क० ॥८॥ पंषीचुगेककरडीकपरे, कंदरपासेमिनकीजा
यहो, ज० ॥ माखीनेमकोमोपकमले, साधुकिणनेवचा
वेलुभायहो॥ ज० ॥ क० ॥ ए ॥ जस्यांहाकल्यानाडामा
हिली, तोसघलांरेसातायायहो॥ ज० ॥ वकरानेंअलगो
कियांथका ईडादिकजीववचजायहो ॥ज० ॥ क०॥१०॥
थोडासावजदांनेहांकले, तोनमरेअनंतीकायहो॥ ज० ॥
पाणीपुद्दराकिणविधनमरे, तोनेमीनदिआणदेगायहो
॥ज० ॥ क० ॥ ११ ॥ लटगीमोलादिककुसलेरहे, तोते

पखीनेदियेउडायहो ॥न० ॥ मनकीयांकलकंदरवचाय
ले, तोकंदरघरसोगनथायहो॥ न० ॥ क० ॥ १२ ॥ थो
डोसोमोकोश्रायोपाठोकीयां, मापीनाठीउडजायहो॥न०
साधांरेसगळासारखा, तेनपडेविचमेंजायहो ॥न० ॥क०
॥ १३ ॥ मिनकीयाकलडंदरवचायले, मापीरापेमांकाने
धकायहो, न० ॥ डंरमरतादेपरापेनही, यांमेंचूकपडयो
तेवतायहो, न० ॥ क० ॥ १४ ॥ साधुपीयरवाजेळका
यरा, ॥ एकडुडावैतसकायहो, न० ॥ पाचकायमरतीदे
पेरापेनही, तेपीयरकिणविधथायहो, न० ॥ क० ॥१५
रजोहरणोलेईनेकठीया, जोरीदावेदेवेडुडायहो, न० ॥
ज्ञानदरसणचारित्ततपमाह्लिो, यांरेवधीयोतेमोह्वता
यहो, न०॥ क० ॥ १६ ॥ ज्ञानदरसणचारित्ततपविना,
श्रोरमुकतरोनह्हिेउपायहो, न० ॥ ठोडामेल्याउपगार
संसाररा, तिणथीसदगतकिणविधथायहो, ॥ न० ॥क०
॥ १७ ॥ जितराउपगारसंसाररा, तेतोसगळाहीसावज
जाणहो, ॥ न० ॥ श्रीजिणधर्ममेंमांह्यिावैनही, तेकूडी
मकरोताणहो, ॥ न० ॥ क० ॥ १८ ॥ श्रज्ञानीरोज्ञा
नीकियांयका, हुवेनिश्रेपलारोउधारहो ॥ न० ॥ कीयो
मिथ्यातीरोसमकिती, तेतोऊतारयाजवपारहो, ॥ न० ॥
॥ क० ॥ १९ ॥ कीयोश्रसंयतीरोसंयती, तेतोमुकत

रादलालहो, तपसीकरपारउतारीओ, तेमेटयासरवहवा लहो, ॥ न० ॥ क० ॥ २० ॥ ज्ञानदरसणचारिततप तणो, करेकोईउपगारहो, ॥ न० ॥ आपतिरेपेलाउधरे दोनारोपेवोपारहो, ॥ न० क० ॥ २१ ॥ एच्यारउपगा रछेमोटकाजी, तिणमेनिश्चेजाणोधर्महो, ॥ न० ॥ सेष रह्याकामसंसाररा, तिणथीबांधतांजाणोकर्महो, ॥ न० ॥ क० ॥ २२ ॥ दूहा ॥ जेयधारीजूलायका, त्यारेदया नहीवटमाय ॥ हिंसाधर्मेपरूपियो, विनसूतररेन्याय ॥ ॥ १ ॥ दयादयामुखसुंकहे, पिणदयारीपवरनकाय ॥ जोलानेंपाडयाजरममें, तेहणेजीवछकाय ॥ २ ॥ हिंसा धर्मपरूपता, फिरतावोलेवेण ॥ आपडूवेअनेराडवोव ने, त्याराफूटाअंतरनैण ॥ ३ ॥ हिंसाधर्मपरूपियो, ति णसुंडुवाजीवअनेक ॥ तेषोटीसरधापरगटकरूं, समजो आणविवेक ॥ ४ ॥ ढाल ॥ ८ ॥ मी ॥ श्रावकनेमाहो माहेछकायपुवावे, ओछंहीछकायमारीनेजीमावे ॥ एजी वहिंसारोराहजपोटो, तिणमांहोधर्मेअनारजवतावै ॥ यांहिंस्याधर्म्यारोनिरणोकीजो ॥ १ ॥ छकायजीवांरोतो धमसाणकीधो, जीमायकीयोउपनेकर्मासुचारो ॥ दोनुं कानीजोयांदीसेदेवालो, तिणमाहेधर्मकहेनेपधारो ॥ ॥ या० ॥ २ ॥ छकायजीवांनेतोपाधापवाया, अरिहंत

गवतपापवतावे ॥ एवचनउयापीनेमिसरपरूपे, तिण
ष्टीनेदिलदयाहीनआवे ॥ या० ॥ ३ ॥ रांकानेमारथी
ानेपोपे, आतोवातदीसेघणीवेरी ॥ इणमाहीडसटीधर
ापरूपे, तोरांकजीवाराउठयावेरी ॥या०॥ ४ ॥ पाठल
ावपापउपायातिणसुं, डुवाएकंदरीपुनपरवारी ॥ तिण
ांकजीवारेडसनउदेसु, लोकासहितलागुउठ्यानेपधारी
। या० ॥ ५ ॥ कुपातरदानपुमेंनपरूपे, तिणसुंलोकह
शेजीवानेविशेपो ॥ कुगुरुएहवाचालाचलावे तिकेनिस
हुवालेईसाधुरोजेपो ॥या०॥६॥ पूछेतोकहेमेंइमूनजसा
ाां, सानीकरजीवमरावणलागा॥देगलोमोवरोपेसअलगा
होवे, त्यानेवरतविहूणाकहीजेनागा॥यो०॥७॥कोईमाली
रेथ्रोडेनूपोथ्रायकनो, गाजरमूलाधपायपपावे ॥ एकंत
पापउधारोदीसे, तिणमांहेमूरपधरमवतावे ॥ग्रो०॥८॥ वें
गणवालोलादिकअनेकनीजोती, कोईरांधीपोपेपरप्राणी ॥
तिणमांहेडसटीधरमवतावे, तोडुरगतजावाराएहनाणी
यो० ॥ ए ॥ परचथ्रायरणीनेजातवरोती, थ्रनेकथ्रारन
करन्यातजीमावे ॥ एसरवससारतणाकिरतवछे, तिणमां
हेमूरपधरमवतावे ॥ यां० ॥ १० ॥ नेपधारीश्रावकनेसु
पातरथापे, तिणनेनेतजीमायाकहेमोपरोधर्मो ॥ उणनें
सूतरससतरज्युंपरगमीया, हिंसादिढायवांधेमूढकर्मो ॥

यां० ॥ ११ ॥ केईवीसपचीगश्रावकनेंतरियाघरेजाय, घरकांनेवंधेलगावै ॥ कोईमूंगदलेकोईगोहूपीसे, कोईअगनसिंधुकीनेचूलोधुकावै ॥ यां० ॥ १२ ॥ कोईलूणपाणीवालेआटोगिलोवै, कोईआंदणदेईकरेचोपादालो ॥ कोईरोटीतवेनादेपीरांसेके, कोईतरकारीरांधलेवैततकालो ॥ यां० ॥ १३ ॥ छकायजीवांरीहिंसाकरनें, अनेकचीजारांधीकीयोरसालो ॥ पछेदांतणकरावेनेनाणेवेसाणे, बाजोटदेईमेलेऊपरथालो ॥ यां० ॥ १४ ॥ पछेभोजनपुरसीनेनेलावेगा, आपआपतणापेटसगलांईभरिया ॥ भेषधारयांसहितश्रावकोनेंपूछीजें, यामेंकुणकुणरुवानेकुणकुणतिरिया ॥ यां० ॥ १५ ॥ जदजीमणवालानेतोपापवतावे, हिंसाकरनवालानेकहेपापी ॥ जीमावणवालानेधर्मकहेले, आसरधाभेषधारयांथापी ॥ यां० ॥१६॥ जीमणवालारेनेहिंस्यावालारे, पापरीतपतकिणसुंचालो ॥ वलेछकायराजीवमूवाल्यांरो, नेतजीमावणवालोदलाली ॥ यां० ॥ १७ ॥ इणपापदलालीमेंधर्मपरूपे, परगयामोहमिथ्यातअंधेरे ॥ तेपतकहिंस्याधरमीअनारज. कोईवूभगयाल्यांकुगुरांरेकेरे ॥ यां० ॥ १८ ॥ श्रावकनेंनेतजीमावेतिणमें, धरमकहैमूढविनाविचारो ॥ मूपतीआंधीनेमीगवोलें, पिणजीमवहेजुंतीपीतरवारो ॥

या० ॥ १९ ॥ किणीजीवदयाल्यांनेसंकाआवे तोतुरत इणेसुणकुगरांरीवाणी ॥ पहिलीहिंस्याकीयांपछेधरमव तावे, तोकुगुरुवाणीजेहवीवेहतीघाणी ॥ या० ॥ २० ॥ किणिरांकजिम्यारीनेंदांनउदकीयो, उदकीयोदानश्रावक नेंदिरावे ॥ धनवंतधरमरोलेवणजागा, तोरांकारेहाथेक गसुआवे ॥ यां० ॥ २१ ॥ लाखुपोपरारोकडनाणो, सा नीकरसांमगरीमेंदिरावें ॥ कुगुरुएहवाचालाचलावे, पेट नआजाणेपातरेआवे ॥ यां० ॥ २२ ॥ गायसुरीढुवाग रजसुमीञ्छे, कूवेपाणीञ्छेतोकवालेआवे ॥ इणदिसटंतेपे टकाजेजेपधारी, आपतणीसामग्रीमेंदरावे ॥ यां०॥२३॥ जदवेवणवालानेंतोधरमकहेछे, लेणवालानेकहेपापजहो वे ॥ तोधरमकरणनेमूढअग्यानी, सरवसामग्रीनेकायम खोवे ॥ या० ॥ २४ ॥ सरवसामग्रीमेंपापलगांया, तेपि णछुसीनिश्रेपापांसुंनारी ॥ साचीसरधानेंकंथाबोले, तो विकजानेगुरुमिलियांजेपधारी ॥ या० ॥ २५ ॥ धरमक रेओरांपापलगाई, ओधरमकदेंमतजाणजोपूरो ॥ नारी करमांलोकांरेअसुनवहेसुं, जेपधारखांओमतकाढयोकूरो॥ यां० ॥ २६ ॥ कुपातरदानरीचरचाकरतां, पढमाधारी श्रावकनेसुपश्राणे ॥ नोलालोकांनेनिष्टकरणनें, तेपिण
. नें ० ॥ २७ ॥ पढमाधारीश्राव

कवेहरीनेश्राणे, तिणनेंतोएकांतपापवतावे ॥ दातारनें तोधरमकहेपिण, परत्तणपूछयांरोजावनश्रावे ॥ यां० ॥ २८ ॥ पढमाधारीश्रावकनेपापलगायो, ॥ तेदातारने धर्मेदुशीकिणलेपे ॥ इणइवरतसेवणनेदानदियोछे, तिणकिरतबसाहमोश्रज्ञानीनदेपे ॥ यां० ॥ २९ ॥ पढमा पढमाकररह्याभूरप, तेपढमातोछेश्रीजिणजीरोधर्मो ॥ प ढमाश्रादरताश्रागाररह्योत्यांसुं, सेवांसेवायांसुंबांधसीक र्मो ॥ यां० ॥ ३० ॥ दूहा ॥ जीवदयारेऊपरें, मूलगा तीनदिसटंत॥श्रागेविसतारकरैं जेतो,तेसुणजोमनकरपंत ॥ ढाल ॥९॥ मी ॥ मसहेल्यांदेवांदोरु डासाधुर्नेएदेशी ॥ एकचोरचोरेधनपारको, चोरावेह्योतेतोदूजोश्रागेवाण ॥ तीजोकोईकरेश्रणुमोदणा, यांतीनांराह्योपोटाकिरतवजा ण ॥ नवजीवातुंमेजिणधर्मश्रोलपो ॥ १ ॥ एकजीवह णेतसकायना, हणावेह्योदूजोपरनाप्राण ॥ तीजोपणन लोजाणेमारीयां, एतीनुंहीह्योजीवहिंसकजाण ॥ न० ॥ ॥ २ एककुसीलसेवेहरप्योथको, सेवावेह्योतेतोदूजोकरण जोय ॥ तीजोपणनलोजाणेसेवीयां, यांतीनारेह्योकर्मत णोबंधहोय ॥ न० ॥ ३ ॥ यासगलाईनेसतगुरमिल्या, प्रतिबोध्याह्योश्राणामारगवाय ॥ हिवेकिणकिणजीवांने सांधाऊधारया, तिणरोसुणजोविवराछुधन्याय ॥न०॥४॥

चोरहिंसकनेकुलीज्ञीया, यांरेताईहोसाधाज्योउपदेस ॥ स्यानेसावदरानिरवद्दकीया, एहवोछेहोजिणदयाधर्मरेश॥ न० ॥ ५ ॥ ज्ञानदरसणचारित्रतपतणो, साधांकीधोहो तिणथीउपगार ॥ एतोतरणतारणहुवातेहना, उतारया होत्यांनेसंसारथीपार ॥ न० ॥ ६ ॥ चोरतीनोहीसम ज्यायका, धनरह्योहोधणीरोकुशलेपेम ॥ हिंसकतीनुंही प्रतिवोधिया, जीववचीयाहोकीयामारणरानेम ॥ न० ॥ ७ ॥ सीलआदरीयोतेहनी, असतरीहोपरीकुवामाही जाय ॥ यारोपापधर्मनहीसाधने, रह्यामूवाहोतीनुंइवर तमाय ॥ न० ॥ ८ ॥ धनरोधणीराजीहुवोधनरह्यो, जीववचीयाहोतेपिणहरपितथाय ॥ साधूतिरणतारणन हीतेहना, नारीनेपिणहोनहीमवांईआय ॥ न० ॥ ९॥ केईमूढमिथ्यातिऽमकहे, जीववचीयाहोधनरह्योतिणरोध र्म ॥ तोउणरीनरथारेलेपे, असतरीहोमुईतिणरालगाकर्म ॥ न० ॥ १० ॥ जीवजीवेतेदयानही, मरेतेहोहिंसाम तिजाण ॥ मारणवालानेंहिंसाकही, नहीमारेहोतेतोद यागुणपाण ॥ न० ॥ ११ ॥ सरइहतलावफोडणत णा, सुसलेईहोमेटघाआवताकर्म ॥ सरइहतलावनरियां रह्या, तिणमाहेहोनहीजिणजीरोधर्म ॥ न० ॥ १२ ॥ नींवआंवादिकवृक्षना, फिणहीकीधाहोवाढणरानेम ॥

तोइव्रतघटीतिणजीवरे, तृपत्तनाहोरह्यातिणरोधर्मकेम ॥ न० ॥ १३ ॥ लारुपेवरव्रादएकदाननें, पावाछोडयाहो आतमत्र्याणीतिणगाय ॥ तोवैरागवध्योउणजीवरे, ला डूरह्याहोतिणरोधर्मनथाय ॥ न० ॥ १४ ॥ दवदेवोगां वजलायवो, इत्यादिकहोसावजकारजव्रनेक ॥ साधुसर वछोडावेसमजायनें, सघलांरीहोवियजाणोतुमेएक ॥ न० ॥ १५ ॥ केईकअज्ञानीइमकहे, छकायकाजेंहोयांगांव मेंउपदेश ॥ एकणजीवनेंसमजावीया, मिटजावेहोघणां जीवारोकलेस ॥ न० ॥ १६ ॥ छकायवरेसाताहुवे, ए हवोनापेहोअणतीरयोधर्म॥ त्यानेदनपायोजिणधर्मरो, तेतोजूलाहोउदेआयाअशुनकर्म ॥ न० ॥ १७ ॥ हि वेसाधकहेतुमेसांजलो, छकायरेहोसाताकिणविधथाय ॥ सुनअशुनवांध्यातेनोगवे, नहीपाम्योहोत्यांसुगतउपाय॥ न० ॥ १८ ॥ हणवासुंसकीयाछकायना, तिणरेटलिया होमैलाअशुनकर्मपाप ॥ ज्ञानीजाणेसाताहुईतेहने, मि टगयाहोजनममरणसंताप ॥ न० ॥ १९ ॥ साधुतिर णतारणहुवातेहना, सिद्धगतमेंहोमेल्याअविचलठाम ॥ छकायतारेजिलतीरही, नहीसीज्यांहोत्यांराआतमकाम॥ न० ॥ २० ॥ आगेअरिहंतअनंताहुवा, कहेताकहेता होनहीआवेत्यांरोपार ॥ तेआपतिरयाओरतारिया, छका

यरेह्लोसातानद्धईलिगार ॥ न० ॥ २१ ॥ एकपोतेबच्यो मरवाथकी, दूजेकीधोह्लोतिणरोजावणरोउपाय ॥ तीजो पणनह्लोजाणेजीवीयां, यांतीनांमेह्लोसिध्दगतकुंणजाय ॥ न० ॥ २२ ॥ कुसलेरह्योतिणरेईव्रतघटीनद्दी, तोदूजाने ह्लोतुमेजाणजोएम ॥ नह्लोजाण्योतिणरेविरतननीपनी, एतीनुंदीह्लोसिधगतजासीकेम ॥ न० ॥ २३ ॥ जीवी यांजीवायांनह्लोजाणीया, एतीनुंईह्लोकरणसरीखाजाण ॥ केईचतुरह्लोसीतेसमजसी, श्रणसमज्याह्लोकरसीताणा ताण ॥ न० ॥ २४ ॥ छकायरोवछेमरणोजीवणो, तेतोरह्लसीह्लोससारमफार ॥ ज्ञानदरसणचारिततपनह्ला, श्रादरीयाह्लोश्रादरायांपेवोपार ॥ न० ॥ २५ ॥

इतिश्रणकपारीढाळ नव सपूर्ण

अथ साधराआचारकपरढालां लिख्यते.

॥ दूहा ॥ पहिलांश्ररिहतनेनमुं, ज्यासाखाश्रातमका म ॥ वळेविसेपेवीरने, तेसांसणनायकसाम ॥ १ ॥ तेणे कारजसाध्यांश्रापणा, पहुताळेनिरवाण ॥ सिध्दांनेवदणा करुं. ज्यांमेटयाश्राव्याजाण ॥ २ ॥ श्राचारजसद्गुसार सा, गुणरतनारीखाण ॥ उपाध्यायनेंसरवसाधजी, ए

पांचूंपदवपाए ॥ ३ ॥ वांदीजेंनितितेह्ने, नोचोसीसन
माय ॥ गुणडलखवंदणाकरों, ज्युंजवनवराड़ खजाय
॥ ४ ॥ सुगुरुकुगरदोनूंतणी, गुणविनापवरनकाय ॥ प्र
थमकुगुरनेडलखो, सुणोसूतररोन्याय ॥ ५ ॥ सूतरसा
खदियाविना, लोकनमानेवात ॥ सानलनेनरनारिया
गेडोमूलमिथ्यात ॥ ६ ॥ कुगुरुचरितअनंतछे, तेपूराके
मकह्नाय ॥ थोडासापरगटकरुं, तेसुणजोचितलाय॥७॥
ढालपहिली ॥ चंधीसरधाकोईमतरायोएदेशी ॥ श्रोलप
णांदोरानवजीवां, कुगुरुचरितअनंतजी ॥ कहेताछेह्न
आवेतिणरो, इमजाप्योश्रीजगवतजी ॥ साधमतजाणोइ
णचलगतसुं ॥ १ ॥ आधाकरमीथानकमेरह्ने, तोपस्योचारि
तमेचेदजी ॥ नसीतरेदसमेकदेसे, चोमासीरोडंडजी ॥ २ ॥
श्रगरेपापगणाकह्याजूवाजूवा, एकविराधेकोयजी ॥ बा
लकह्योश्रीवीरजिणेसर, साधमजाणोसोयजी ॥ सा० ॥ ३ ॥
श्राह्नारसेज्यानेवसतरपातर, असुधलेवैनह्नीसंतजी ॥ द
सवीकालकछेअधेने, नीष्टकह्योजगवतजी ॥ सा० ॥ ४ ॥
अचितवसतनेमोललिरावै, तोसुमतगुपतह्नुवेखडजी ॥
महावरतपांचूंह्नीजागे, तिणरोचोमासीमंडजी ॥ सा० ॥
॥ ५ एतोजावनसीतमेचाल्या, उगणीसमेंउद्देसजी ॥ सु
धसाधुविणकुणसुणावै, सूतरनीकंमीरेशजी ॥ सा० ॥ ६ ॥

पुसतकपातराउपासरादिक, लिवरावेलेलेनामजी ॥ आ
गनूंडाकहीमोलवतावे, करेग्रिसतरोकामजी ॥ सा०॥७॥
गराकनेकहेकहोयूंकीजें, कुगुरुविचेदलालजी ॥ वेचणवा
लोकह्योवाणियो, तीनारोएकहवालजी ॥ सा० ॥ ८ ॥
क्रयविक्रयमेवरततेतो, महादोपठेएहजी ॥ पेतीसमाउत
राधेनमे, साधनकह्योतेहजी ॥ सा० ॥ ए ॥ नितकोव
हिरेएकणघरमें, च्यारामेएकआहारजी ॥ दसवीकालिक
तीजेअधेने, साधुनेकह्योअणाचारजी ॥ सा०॥१०॥ जो
लावेनितधोवणपाणी, तिणलोप्योसूतररोन्यायजी ॥ व
तलायांबोलेनहीसूधा, दूपणदेवेठिपायजी ॥सा० ॥११॥
नहिकलपेतेवसतुवहिरे, तिणमेमोटीपोडजी ॥ आचारांग
पहिलेंसुतपर्वे, कहिदियोनगवतचोरजी ॥ सा० ॥१२॥
पहिलोवरततोपूरोपडियो, जबआडाजडेकिवारजी ॥ कां
टाआगलहोडाअडकावे, तेनिश्चेनहीअणगारजी ॥सा०॥
॥१३॥ पोतेहाथेजडेउघाडे, करेजीवाराज्यानजी ॥ गृह
स्थउघाडनेआहारवहिरावे, जदकरेअणहुंताफेनजी ॥
सा०॥१४॥साधवीयानेजडणोचाल्यो, तिणरीमकरोताण
जी ॥ यालारेकोईसाधजडेतो, नागलराएनाणजी ॥सा०
॥१५॥मनकरनेजोजरणोवठे, तिणनहीजाणीपरपीरजी॥
पेंतीसमाउत्तराधेनमे, वरजगयामहावीरजी ॥सा०॥१६॥

परनिंदामेराताभातां, चितमेंनहीसंतोपजी ॥ वीरकह्यो दशमाअंगमाहे, तिणमेंतेरेदोपजी ॥ सा० ॥ १७ ॥ क हेदीप्यालेतोमोआगलळीजे, ओरकनेदेपाळजी ॥ कुगुरुए हवासुहसकरावे, आचोडेकंथीचालजी ॥ सा० ॥१८॥ इणवंधायीभमतालागे, ग्रहस्तसुनेलपथायजी ॥ नसीतरे चोथेउदेसे, इंमकह्योजिणरायजी ॥ सा० ॥ १९ ॥ जि मणवारमेंवहिरणजावे. आसाधारीनहिरीतजी ॥ वरज्यो आचारगवइतकलपमें, वलेउत्तराधेननसीतजी ॥ सा० ॥ २० ॥ आलसनहीआरामेजाता, वैठीपांतविसेंपजी ॥ सरसआहारल्यावेनरपातरा, ज्याळझाळोडीजेपेपजी ॥ ॥ सा० ॥ २१ ॥ चेलाकरणरीचलगतकंधी, चा लावहोतचलायजी ॥ लियांफिरेग्रहस्तनेसाथे, रोक डदामदिरायजी ॥ सा० ॥ २२ ॥ विवेकविकल नेसांगपहेरावे, चेलोकरेआहारजी ॥ सामगिरीमेंजा यवंदावे, फिरफिरहुवेपवारजी ॥ सा० ॥ २३ ॥ अजो गनेदीक्षादीधीते, नगवतनीआज्ञावारजी ॥ नसीतरोमं डमूलनमानै, तेविटलहुवाविकरालजी ॥ सा० ॥ २४ ॥ विणपरलेह्यांपुस्तकरापे, तोजमेजीवाराजालजी ॥ परेकुं थवाउपजैमाकड, जिणवांधीनागीपालजी ॥ सा० ॥ ॥ २५ ॥ जोवैवरसवमासनीकलियां, तोपहिलोवरतहु

वेपंडजी॥ नितपरलेश्रणमेलेतिणने, एकमाससरोमंमजी ॥ ॥ सा० ॥ २६ ॥ ग्रहस्थसाथेकहेसहेसो, तोनेलोड्वेसं जोगजी ॥ तिणनेसाधकिमसरथीजे, लागोजोगनेरोगजी ॥ सा० ॥ २७ ॥ समाचारविवरासुयकहीकही, सानी करग्रहस्तबोलायजी ॥ कागदलिखावै करीश्रामना, पर हाथदेवैचलायजी ॥ सा० ॥ २८ ॥ श्रावणजाव णवेसणऊठणरी, जायगादेवैवतायजी ॥ इत्यादिकसा धकदेग्रहस्थने, तोवेदुंवरावरथायजी ॥ सा० ॥ २९ ॥ ग्रहस्थनेदेवेलोटपातरा, पूगापरतविसेपजी ॥ रजोहर णानेपूजणीदेवे, निछड़ुवालेईस्नेपजी सा० ॥ ३० ॥ पूठेतोकहेपरठदीयामें, कूडकपटमनमांहिजी ॥ कामपरे जबजायउराले, नमिटीअंतरचाहिजी ॥ सा० ॥ ३१ ॥ कहैपरठयाग्रहस्थनेदेई, वोलेवलेश्रन्यायजी ॥ कह्योश्रा चारागउत्तराधेनमें, साधुपरठेएकंतजायजी॥। सा०॥३२॥ कनेग्रहस्थसुंसदलोवदलो, पंमितनामधरायजी ॥ पूरीप डीसगलांवरतांरी, नेपलेजूलाजायजी ॥ सा० ॥ ३३ ॥ थोरोउपधग्रहस्थनेदीयां, वरतरहेनहीएकजी ॥ चोमा सीडंडनसीतमेंगुंथ्यो, तिणछोडीजिणधर्मटेकजी ॥ सा० ॥ ३४ ॥ विणश्राकुसजिमहाथीचाले, घोडोविगरलगा मजी ॥ एहवीचालकुगरांरीजाणो, कहेवानेंसाधुनामजी

॥ सा० ॥ ३५ ॥ अणुकंपानहीदुंपानली, गुणविणक
हेअमेसाधजी ॥ आचरचाअणुजोगडवारमे, विरलापर
मारथलायजी ॥ सा० ॥ ३६ ॥ कह्योआचारांगउत
राधेनमें, साधुकरेचाजतावातजी ॥ डंचीत्रीजीदिष्टजोवे
तो, हुवेछकायरीघातजी ॥ सा० ॥ ३७ ॥ सरसआहा
रलेविनामरजादा, तोवधेदेहीरीलोथजी ॥ काचमणीप
रकासकरेज्युं, कुगुरुमायाथोथजी ॥ सा० ॥ ३८ ॥
दबकदबकउतावलाचाले, तसथावरमाराजायजी ॥ इ
रज्यासुमतजोयाविणचाले, तेकिमसाधुथायजी॥सा०॥
॥ ३९ ॥ कपडामेलोपीमरजादा, लांबापनालगायजी॥
इधकारापेदोयपुरओमें, वलेबोलेमूसावायजी ॥ सा०॥
॥४०॥ लटपुटकरमांसवधारे, करेविगैरापूरजी ॥ मागप
रिणामानाखांनिरपे, तोसाधपणाथीदूरजी ॥सा०॥४१॥
उपग्रहणजोअधिकारापे, तिणमोटोकियोअन्यायजी॥न
सीतरेसोलमेउदेसे, चोमासीचारितजायजी॥सा०॥४२॥
भूरपनेगुरएहवामिलिया, तेलेईडुवसीलारजी॥ साचोमा
रगसाधवतावे, तोलरवानेहुवेत्यारजी ॥ सा०॥४३॥एह
वागुरुसाचाकरिमाने, तेअंधअज्ञानीबालजी ॥ फोडापडे
उतकष्टातिणमे, तोरुलेअनंतोकालजी ॥ सा० ॥ ४४ ॥
हलुकरमीजीवसुणसुणहरपे, करेनारीकर्मांधेपजी॥ सूत

ररोन्यायनिदाकरजाने, तोलुवेवळेविसेपजी ॥ स०॥४५॥ ॥ दूहा ॥ चेपपहखोजगवानरो, साधुनामधराय ॥ आचारमेढीलावणा, तेकह्योकगालगेंजाय ॥ १ ॥ त्यांनेवादेगुरजाणने, वळेकूरीकरेपपपात ॥ त्यांफूलानेमाचाकरणखपे, त्यांरेमोटोसालमिथ्यात ॥ २ ॥ कुगरतणापगवांदने, आगेडूवाजीवअनत ॥ डूवेनेडूवसीवळे, त्यांरोकहेतांनआवेअंत ॥ ३ ॥ साधमारगवेसांकडो, निपमेनचालेपोट ॥ आगारनहींत्यांरेपापरो, त्यावरतकीगानवकोट ॥४॥ चेपधारीनागलवणा, त्यांसुंपलेनहीआचार ॥ कुणकुणअकारजकररह्या, तेसुणजोविसतार ॥ ५ ॥ ढाल २ जी ॥ आदरजीवपिमागुणआदर, एदेनी ॥ कुगुरतणीचरिचाकरसुं, सूतरनीदेईसाखजी ॥ सुगनाआणसुणोनवजीवां, श्रीवीरगयालेनाखजी॥ मारमनारोडणआचारे ॥ १ ॥ जोथेकुगुरनेगकरावा, तोहुपणमकरोधेपजी ॥ साचफूलरोकरोनिर्देश, सूतरसामोदेखजी ॥ सा० ॥ २ ॥ जीमणवारमेंहुंदोंअसत, त्यावेथोवणपाणीमामजी ॥ पलेआपतवेताआपवहिरावे, तेकरेचेपनेनांमजी ॥ सा० ॥ ३ ॥ जाणजार साधवहिरे, .पजा ... तेमत्थद मोआपोलेवे, त्य ... ॥ सा

एअणाचारउधारोसेवे, जेसाह्मोआएोलेआहारजी ॥ दसमीकालिकतीजेअधेने, कोईजोवोआंखउधारजी ॥ सा० ॥ ५ ॥ सावसाधवीतलेमात्रे, एकणदरवाजेजाय जी ॥ वीरवचनसुंउलटापरिया, चवडेकरेअन्यायजी ॥ सा० ॥ ६ ॥ गांवनगरपुरपाटणपाडो, तिणरोह्वोवेएक निकालजी ॥ तिहासाधसाधवीनहीरहेनेला. आवाधी नगवतपालजी ॥ सा० ॥ ७ ॥ एकणदरवाजेसाधसा धवी, जावेनगरीबारजी ॥ तोअप्रतीतऊठेलोकामे, केई बरतनागेडुवेपवारजी ॥ सा० ॥ ८ ॥ जुदोजुदोनिका लठेतोपिण, केईजावेएकणदरवाजजी ॥ धेगाहटकनमा नेकिणरी, वलेनमानेकिणरीलाजजी ॥ सा० ॥ ए ॥ एकनिकालतिहांरहिणोवरज्यो, तोक्युजावेएकणडुवार जी॥ वेवहतकलपरेपहिलेउदेसे, तेवुधवंतकरजोविचार जी ॥ सा० ॥ १० ॥ ग्रसतनेघरेजायगोचरी, जो जमीयोदेपेडुवारजी, तिहांसुधसाधुतोफिरजायपाछा, ना गलजावेपोलाकिंवारजी ॥ सा० ॥ ११ ॥ केईनेपधा स्यारेएहवीसरधा, जोजमीयोम्पेडुवारजी ॥ तोधणीत णीआगन्यालईने, माहिजावेपोलाकिंवारजी ॥ सा० ॥ ॥ १२ ॥ हाथासुंसाधकिंवारउघामे, मांहिजावेवहिर णनेआहारजी ॥ इसमीढीलीकरेपरूपणा तेविटलडु

याविकरालजी ॥ सा० ॥ १३ ॥ किंवारउवाडीनेआहारव
हिरणरो, मूलनसरधेपापजी ॥ कदानगयातोपणगया
सारिखा, थ्याखररापीनेथापजी ॥ सा० ॥ १४ ॥ किं
वारुउघाडनेवहिरणनेजावे, तोहिंसाजीवांरीथायजी ॥
तेथ्यावसगसूतरमांहिवरज्यो, चोथाथ्यधेनरेमांयजी ॥
॥ सा० ॥ १५ ॥ गावनगरवारेकतरीयो, कटकस
थवारोतांहिजी ॥ जोसाधुरातरहेतिणगामे, तेनहिजिण
थ्याज्ञामाहिजी ॥ सा० ॥ १६ ॥ एकरातरहेकटकमेति
णमें, च्यारमासगेलेदजी ॥ एवेत्तकल्परेतीजेउदेसे, तेसु
णसुणमकरोपेदजी ॥ सा० ॥ १७ ॥ इसडादोपजाणी
नेमेवे, तिणछोडीजिणधर्मरीतजी ॥ एहवानिष्टथ्याचारी
नागज, त्यारीकुणकरसीपरतीतजी ॥ सा० ॥ १८ ॥
विणकारणथ्याप्यांमेंथ्यंजण, जोघालेथ्यापमजारजी ॥ त्यां
नेसाधवीयाकेमसरधीजे, त्याछोडदीयोथ्याचारजी ॥सा०
॥ १९ ॥ विणकारणजोथ्यंजणघाले, तोश्रीजिणथ्याज्ञा
वारजी ॥ दसमीकालिकतीजेथ्यधेनें, तोकयाछोथ्यनाचार
जी ॥ सा० ॥ २० ॥ वस्त्रपात्रपोथीपानादिक, जायग्र
सतरेघरेमेलजी ॥ पछीविहारकरेथेधणीनलावण, ति
णप्रवचनरीथ्याठेलजी ॥ सा० ॥ २१ ॥ [illegible]
[illegible], हिंस्याजीवांरीथायजी ॥ [illegible]

सुंग्रसतनेसाधु, दोनुंनारीडुवेतायजी ॥ सा० ॥ २२ ॥ नारउपरावेग्रसतश्यागे, तेकिमसाधुथायजी ॥ नसीतरे वारमेउदेसे, चोमासीचारितजायजी ॥ सा० ॥ २३ ॥ वलेविणपडलेहारहेसदा, नितग्रसतराघरमांयजी ॥ श्रो सावपणोरहिसीकिमल्यारो, जोवोसूतररोन्यायजी ॥ सा० ॥ २४ ॥ जोविणपरलेह्यारहेएकणदिन, तिणनेमंडकह्योमासीकजी ॥ नसीतरेदसमेउदेसे, तिहां जोयकरोतहतीकजी ॥ सा० ॥ २५ ॥ मातपितादिकस गासनेही, त्यांराघरमाहिदेपेखालजी ॥ त्यांनेपरिगरोसा धदिरावे, श्राचोडेकुगररीचालजी ॥ सा० ॥ २६ ॥ सा नीकरसाधदिरावेरुपीया, वरतपाचमोनागजी ॥ वलेपू ठयांकूठकपटसुंबोले, त्यांपहिरविगाखोसांगजी ॥ सा०॥ ॥ २७ ॥ न्यातीलानेदामदिरावे, तिणरेमोहनमिटियो कोयजी ॥ वलेसारसंनारकरावेत्यांरी, तेनिश्चेसाधनहोय जी ॥ सा० ॥ २८ ॥ श्रनरथरोमूलकह्योपरिगरो, गणां गतीजेगणजी ॥ तिणरीसाधकरेदलाली, तेपूरामूढश्र जाणजी ॥ सा० ॥ २९ ॥ रितउन्हालेपाणीगारे, ग्रस तरागामममजारजी ॥ मनमानैजबपाठासूपै, तेश्रीजिण श्राज्ञाबारजी ॥ सा० ॥ ३० ॥ ग्रसतराजाजनमेसाधु, जीमेग्रसणादिकश्राहारजी ॥ तिणनेनिष्टकह्योदशमीका

जिकर्में, ठगअधेनमजारजी ॥ सा० ॥ ३१ ॥ केईसाग
धरिसाधवीयांवाजे, पिणघटमांहिनहीविवेकजी ॥ आ
हारकरेजदजडेकिवाड, वलेदिनमांहिवारअनेकजी॥सा०
॥ ३२ ॥ वडेमातरगोचरीजावे, जवआडाजडेकिवारजी
वलेसाधाकनेजावेतांहीजरने, त्यारोविगरयोआचारजी॥
सा० ॥ ३३ ॥ साधवीयांनेजडणोचाल्यो, तेसीजादिक
रापणकाजजी॥ औरकामजोजडेसाधवी, तिणठोडीजिण
धर्मरीलाजजी ॥ सा० ॥ ३४ ॥ आवसगमांहिहिंसा
कहीजडीया.आलोवणपातेतांहिजी॥ मनकरनेजडणोन
हिवछे, उतरावेंनपेतीसमाहिजी ॥ सा० ॥ ३५ ॥ ओ
पयधादेवहिरीआणे, कोईआधीराखेरातजी ॥ तेजाय
मेलेग्रसतरारमें' पछेनितल्यावेपरभातजी॥सा०॥३६॥
आपरोयकोग्रसतनेसुंपे ; औमोटोदोषपिछाणजी ॥ वले
वीजोदोपवासीराख्यांरो, तीजोग्रजेणारोजाणजी ॥सा०
॥ ३७ ॥ वलेचोथोदोषपूछ्यांफूठवोले, वासीराख्योनक
देमूढजी ॥ केईजेषधारीजेएहवाजागल, त्यारेफूठकप
टरेगूटजी ॥ सा० ॥ ३८ ॥ ओपदआदवेवासीराख्या,
वरतामेंपडेवघारजी ॥ कह्योवसमीकालीकतीजेग्रथेने,
वासीरापेतोअणाचारजी ॥ सा० ॥ ३९ ॥ केईग्राधाक
रमीपुस्तकवहिरे, वलेतेहिजलीधामोलजी ॥ तेपिणमा

पदारथनवरा, जाबकनावेजावजी ॥ सा० ॥ ५८ ॥ ति पकरणोतोनिपुणबुधवालो, जीवादिकजाणेतांहिजी ॥ न हीतरएकलरहणोटोलामें, उतराधेनवतीसमांहिजी ॥ ॥सा०॥५९॥केईदडेलीपेहाथांसुंथानक, तेपिणढगलियाकू टजी ॥ इसडोकामकरेतिणसाधु, पाडीनेपमांहेफूटजी ॥ ॥ सा० ॥ ६० ॥ जोदडेलिंपेथानकनेसाधु, तिणश्रीजि णआज्ञानांगजी ॥ तीजावरतरीतीजीनावना, तिहांवर ज्योदसमेअंगजी ॥ सा० ॥ ६१ ॥ ठतीसाधवीयांछेटो लामे, वलेकारणनपडयोकोयजी॥तांहिदोयसाधवीयांकरे चोमासो, श्रोदोषठघाडोजोयजी॥सा०॥६२॥दोयसाधवी करेचोमासो, तेजिणआज्ञामेंनाहिजी ॥ त्यांनेवरज्योछे विहारसूतरमें, पांचमाउदेसामांहजी ॥ ६३ ॥ कारण विनाएकलीसाधवी, असणादिकवेहरणजायजी॥ वलेवर डेपणएकलडीजावे, तेनहिजिणआज्ञामांयजी ॥ सा० ॥ ६४ ॥ वलेएकलडीनेरहणोवरज्यो, इत्यादिकबोलअ नेकजी ॥ वेतकलपरेपांचमेउदेसे, तेसमजोआणविवेक जी ॥ सा० ॥ ६५ ॥ कुगुरुएहवाहीणआचारी, साधा सुंदेनिरकायजी ॥ आपतणाकिरतवसुमरता, जिणमार गदियोठिपायजी ॥ सा० ॥ ६६ ॥ इसडाकुगरानेगुरक रमाने, त्यारेअंतिरमेंअंधकारजी ॥ गुरमेंघोटपायअ

ज्ञानी, तेचाल्याजनमञिगारजी ॥ सा० ॥ ६७ ॥ असुं जकरमज्यांरेउदयकुवाजव, इसडागुरमिलियाआयजी ॥ दग्धवीजहोयजावकवूमा, पढेचिहुंगतगोतायायजी ॥ सा० ॥ ६८ ॥ इमसांनलोउत्तमनरनारी, ॥ गेडोकुगुरनो संगजी ॥ सतगुरसेवोसुधआचारी, दिनदिनचढतेरंगजी सा० ॥ ६९ ॥ आसजायकरीकुगुरुओलखावण, सहेर पीपारमकारजी ॥ समतअागरेनेवरससचोतीसे, आसो जसुदसातमवुधवारजी ॥ सा० ॥ ७० ॥ दूहा ॥ केई नेपधारीनूंलायका, कररह्याकंधीताण ॥ इव्रतवतावे साधरे, तेसूतरअरथअजाण ॥ १ ॥ त्यांसाधपणो नहिंआोलख्यो, नूलानर्मगिवार ॥ सर्वसावजत्याग्योसु खसुंकहे, वलेपापरोकहेआगार ॥ २ ॥ आहारपाणी कपडाऊपरें, रह्यासदामुरफाय ॥ एनेपधारीरेइव्रतपरी. पिणसाधांरेअव्रतनहिकाय ॥ ३ ॥ च्यारगुणगणाइव्रतस ही, त्यांनहीव्रतलिगार ॥ देसव्रतगुणगणोपांचमो, आ गेसरववत्रीअणगार ॥ ४ ॥ जोसांधारेअव्रतहुवे, तोसर्व व्रतीकुणहोय ॥ त्यांराजावनेदप्रगटकरुं, तेसांनलजोस हुजोय ॥ ५ ॥ ढाल ३ जी आअणकंपाजिणआगन्या मेंएदेशी ॥ चोवीशमांश्रीवीरजिणेसर, निरदोषआहार आणीनेपायो, णामावदग्मेंवतायो,

पदारथनवरा, जावकनावेजावजी ॥ सा० ॥ ५८ ॥ सि
पकरणोतोनिपुणवुधवालो, जीवादिकजाणेतांहिजी ॥ न
हीतरएकलरहणोटोलामें, उतराधेनबतीसमांहिजी ॥
॥सा०॥५९॥केईदडेलीपेहार्यासुंथानक, तेपिणढगलियाकू
टजी ॥ इसडोकामकरेतिणसाधु, पाडीजेपमांहेफूटजी ॥
॥ सा० ॥ ६० ॥ जोदडेलिंपेथानकनेसाधु, तिणश्रीजि
णआज्ञानांगजी ॥ तीजावरतरीतीजीनावना, तिहांवर
ज्योदसमेअंगजी ॥ सा० ॥ ६१ ॥ उतीसाधवीयांठेटो
लामें, वलेकारणनपड्योकोयजी॥तांहिदोयसाधवीयांकरे
चोमासो, ओदोपउघाडोजोयजी॥सा०॥६२॥दोयसाधवी
करेचोमासो, तेजिणआज्ञामेनाहिजी ॥ त्यांनेवरज्योठे
विहारसूतरमे, पांचमाउदेसामांहजी ॥ ६३ ॥ कारण
विनाएकलीसाधवी, असणादिकवैहरणजायजी॥ वलेउर
डेपणएकलडीजावे, तेनहिजिणआज्ञामांयजी ॥ सा०
॥ ६४ ॥ वलेएकलडीनेरहणोवरज्यो, इत्यादिकबोलअ
नेकजी ॥ वेतकलपरेपाचमेउदेसे, तेसमझोआणविवेक
जी ॥ सा० ॥ ६५ ॥ कुगुरुएहवाहीणआचारी, साधां
सुदेनिरकायजी ॥ आपतणाकिरतवसुमरतां, जिणमार
गदियोलिपायजी ॥ सा० ॥ ६६ ॥ इसडाकुगरांनेगुरक
रमाने, त्यारेअंतिरमेंअंधकारजी ॥ गुरमेंषोटपायअ

ज्ञानी, तेचाल्याजनमविगारजी ॥ सा० ॥ ६७ ॥ असुं जकरमज्यांरेउदयहुवाजव, इसडागुरमिलियाआयजी ॥ दग्धवीजहोयजावककूमा, पछेचिहुंगतगोतायायजी ॥ सा० ॥ ६८ ॥ इमसांनलोउत्तमनरनारी, ॥ छोडोकुगुरनो संगजी ॥ सतगुरसेवोसुधआचारी, दिनदिनचढतेरंगजी सा० ॥ ६९ ॥ आसजायकरीकुगुरुओलखावण, सद्देर पीपारमकारजी ॥ समतअागरेनेवरसचोतीसे, आसो जसुदसातमबुधवारजी ॥ सा० ॥ ७० ॥ दूहा ॥ केई जेपधारीजूलायका, कररह्याकंधीताए ॥ इव्रतवतावे साधरे, तेलूतरअरथअजाए ॥ १ ॥ त्यांसाधपणो नहिओलख्यो, जूलानमेंगिंवार ॥ सर्वसावजत्यागवोसु खसुंकहे, वलेपापरोकहेआगार ॥ २ ॥ आहारपाणी कपडाऊपरे, रह्यासदामुरकाय ॥ एजेपधारीरेइव्रतपरी. पिणसाधारेइव्रतनहिकाय ॥ ३ ॥ च्यारगुणगणाइव्रतस ही, त्यानहीव्रतलिगार ॥ देसव्रतगुणगणोपांचमो, आ गेसरवव्रतीअणगार ॥ ४ ॥ जोसाधारेइव्रतहुवे, तोसर्व ब्रतीकुणहोय ॥ त्यांराजावजेदप्रगटकरुं, तेसांनलजोस हुलोय ॥ ५ ॥ ढाल २ जी आअणकंपाजिणआगन्या मेंएदेशी ॥ चोवीशमांश्रीवीरजिणेसर, निरदोपआहार आणीनेपायो ॥ सुधपरिणामावदर्मेंउतारयो, तिणमां

हीमूरपपापवतायो ॥ इणंपापंडमेतरोनिरणोकीजो ॥११॥
अनंतचोवीशीमुंगतगईते, आहारव्यायाथादोपणटालो ॥
तिणमांहिपापवतावेअज्ञानी, त्यांलगलांरेशिरदीधोआ
लो ॥ ६० ॥ २ ॥ सरवसावजजोगरात्यागकरीने, सरव
व्रतीसुधसाधकहावे ॥ तिरणतारणपुरपारेअज्ञानी, इन्न
तरोआगारवतावे ॥ ६० ॥ ३ ॥ गोतमआदेसाधअनं
ता, साधवीयांरोछेहनपारो ॥ सघलांरोआहारअधर्ममां
हिघाल्यो, तिणआपमीचीनेकीधोअंधारो ॥ ६० ॥ ४ ॥
साधुरोजनमहुवोजिणदिनथी, कलपेतेवसतवहेरीनेला
वे ॥ तेपणअरिहंतनीआगन्यासुं, तिणमाहिमूरपपापव
तावे ॥ ६० ॥ ५ ॥ वसतरपात्रारजूहरणादिक, साधुरा
उपधसूतरमांहेचाल्या ॥ अरिहंतरीआगन्यासुराप्या, अ
धर्ममांहेअज्ञानीघाल्या ॥ ६० ॥ ६ ॥ दसमीकालिकठा
णाअंगमे, प्रसनव्याकरणउवाईमाह्यो ॥ धरमउपधसाधु
रावरतमें, तिणमांहिकुदृष्टीपापवतायो ॥६०॥७॥ किणही
गृहस्थलीलोतरीनेत्यागी, जीवेज्यांलगआणवैरागो ॥ सा
धपणोलेईइव्रतसरधे, तोविवेकविकलपायवाकांईजागो ॥
॥ ६० ॥ ८ ॥ अधर्मजाणेनीलोतरीपायां, तोपचखा
णनागोकिणलेखे ॥ घरमेंथकांजावजीवत्यागीयी, इणसा
हमुंमूरपक्युंनहीदेषे ॥ ६० ॥ ९ ॥ किणहीगृहस्थजेजे

वस्तुत्यागीथी, तोअधर्मेरोमूलअव्रतजाणो ॥ साधपणोले ईसेववालागो, तेक्युंनपालेजैलैपचरकाणो ॥ ६० ॥१०॥ अव्रतसरधेनेसुसनपाले, तिणनागजरेछेनारीकर्मो ॥ मा रगछोडनेकजरपरीया, साधआहारकीयामेसरधेअधर्मो॥ ६० ॥ ११ ॥ करैवैयावच्चचेलागुररी, कर्मतणीकोडतेह पपावै ॥ तीर्थंकरगोतवंधैउत्कृष्टो, पिणगुरनेमूरपपाप वतावै ॥ ६० ॥ १२ ॥ दसवीसचेलापरिकमणोकरने, गुररीवेयावचकरवानेआवै ॥ तोगुरनेपापलगायअज्ञानी डुरगतमायकांयपोचावै ॥ ६० ॥ १३ ॥ गुरनेपापलागे वेयावचकरायां, सूतरमाहिकवेहीनचाल्यो ॥ मूढमती जीवनारीरूरमा, ओपणघोंचोकुगुरांघाल्यो ॥ ६०॥१४॥ गुरनेपापासुंचेलाकीयांमें, चेलाराकर्मकटेकिणलेपे ॥ अ निंतरफूटीनेअंधयपाते, सूतरसाहमोमूटमूलनदेपै ॥६० ॥ १५ ॥ साधमाहोमाहिदेवेनेलेवै, ॥ वसतरपातरआ हारनेपाणी ॥ तेपिणलीधामेपापवतावै, एहवीकुपातर बोलेवाणी ॥ ६० ॥ १६ ॥ दातारनेधर्मसाधानेवहिरा यां, पिणसाधवहिरीहुवापापसुंभारी ॥ दातारतिरियासा धमवोई ओपणसरधाकहेछेनेपवारी ॥ ६० ॥ १७ ॥ जो पापलागेसाधुआहारकीयांमें, तिणरेपापरोसाजदियोदा तारो ॥ तिणरीआसारालेकिणलेपे, नूलारेनूलाथेंमूढगिं

वारो ॥ ऊ० ॥ १७ ॥ साधांतोपापञ्चगारेंहीत्याग्या, चो पीठेज्यांरोसुमतिनेगुपती ॥ दातारकनेसुधजाचलियांमें, पापकवेसुंलागोरेकुमती ॥ ऊ० ॥ १८ ॥ गुरदीष्यादेईसि पसिषणीकरेते, निरजरारानेदमांहेचाल्या ॥ मोहमिथ्या तसुंनारीकरमा, एपणपरिगरामाएघाल्या ॥ ऊ० ॥ २० ॥ ठठेगुणगणेपरमादकहीने, साधांरेञ्चव्रतथापेपवारी ॥ पूठेतोकहेमेंसरववरितीनां, ञोपणकूववोलेचेपधारी॥ऊ० ॥ २१ ॥ ठठेगुणगणेपरमादकह्योते, किणहीकवेलाला गतोजाणो ॥ विपैकपायउसनजोगञ्चायां, पिणमूढमती करेकंधीताणो ॥ ऊ० ॥ २२ ॥ प्रमादेंव्रतकहेंञ्चाहारउ पधसुं, कररह्याकुवुधीकूडीविपवादो ॥ ञ्चाहारउपधकेव लीपिणञ्चाणे, कवीगयोत्यांरोपरमादो ॥ ऊ० ॥ २३ ॥ ञ्चप्रमादानीकह्यासातमेगुणगणे, प्रमादनहीतिणगुणग णाञ्चागे ॥ ञ्चाहारउपधउवेपिणचोगवता, त्यांसाधानेप रमादक्युंनहीलागे ॥ ऊ० ॥ २४ ॥ केवलीञ्चाचारेंठदम स्थञ्चाचरियो, केवलीत्याग्योतेठदमस्थत्यागे ॥ ञ्चाहार उपधकेवलीज्युंचोगवीयां, तिणसाधांनेपरमादकिणविध लागे ॥ ऊ० ॥ २५ ॥ साधञ्चाहारकरतांचारितसजे, सु धपरिणामासुंकटेञ्चागलाकर्मां ॥ जदअंधमतीकोईञ्चवलो बोलै, घणोपाधांतोघणोहोवैधर्मां ॥ ऊ० ॥ २६ ॥ पोह

रराततांईसाधकंचेसबदे, धर्मकथाकहेमोटेमंडाणो ॥ ज्रणउंधमतीरीसरधारेलेपे, आधीरातमेंकरणोवपाणो ॥ ६० ॥ २७ ॥ जैणासुसाधुकरेपरलेहण, काटवाकर्मआतमनेउधरणी ॥ उणउंधमतीरीसरधारेलेपे, आपोहीदिनपरलेहणकरणी ॥ ६० ॥ २८ ॥ मरजादासुंआहारसाधांनेकरणो, मरजादासुकरणोवखाणो ॥ मरजादासुंपडलेहणकरणी, समजोसमजोयेंमूढअयाणो ॥ ६० ॥ २९ ॥ ठकारणआहारसाधांनेकरणो, घणोवणोपासीकिणलेपे ॥ गाईसमाउत्तराधेनमेंछे, वलेठगेगणोमूढक्युंनहीदेपै ॥ ६० ॥ ३० ॥ कहेंधर्महुवेसाधआहारकीयामें, तोक्यानेकरेआहाररापचपाणो ॥ पापजाणीनेत्यागकरेछे, उलटबुधीजोजेएहवीवाणो ॥ ६० ॥ ३१ ॥ साधुकाउसगमेंत्याग्योहालवोचालवो. वलेमुपसुंनवोलेनिरवदवाणो ॥ उणउलटबुधीरीसरधारेलेपे, एपणपापतणापचपाणो ॥ ६० ॥ ३२ ॥ कोईसाधबोलणरात्यागकरीमुनसाजै, धर्मकथामांडीनकरेवषाणो, उणउलटबुधीरीसरधारेलेपे, एपिणपापतणापचषाणो ॥ ६० ॥ ३३ ॥ कोईसाधसाधांनेआहारदेवणरा, त्यागकरेमनउछरगआणो ॥ उणउलटबुधीरीसरधारेलेपे, एपणपापतणापचषाणो ॥ ६० ॥ ३४ ॥ केईसाधसाधांरीनकरेवेयावच, त्यागकरेमनउछरंगआणो, उण

उलटबुधीरीसरधारेलेपे, एपणपापतणापंचपाणो ॥ ६० ॥ ३५ ॥ साधांमूलगुणमेंसरवसावजत्याग्यो, तिणसुंन वापापनलागेजाणो ॥ आगलाकर्मकाटणसाधांरें, उतर गुणछेदसविधपचपाणो ॥ आसरधाश्रीजिनवरनापी ॥ एआकणी॥३६॥कोईवासवेलादिककरेसंथारो, कोईसाध करेनितरोनितआहारो ॥ पापरात्यागदोयांरेसरिपा, पण तपतणोछेनेदजन्यारो ॥ आ० ॥ ३७ ॥ जेणासुंचाल्याजे णासुंऊना, जेणासुबेगजेणासुसूवंता ॥ जेणानोजनकी, यांजेणासुबोल्यां, तिणसाधनेपापनकह्योनगवता ॥ आ० ॥ ३८ ॥ दसमीकालिकचोथेअधेने, आठमीगाथाअरिहं तनापी ॥ ठबोलसावजेणासुंकीयांमे, पापकहैनारीकर माअन्हापी ॥ आ० ॥ ३९ ॥ निरवदगोचरीरिपेसरारी मोपरीसाधननगवतनापी ॥ दसमीकालिकपाचमेअधेनें, बाणुंमीगायाबोलेसापी ॥ आ० ॥ ४० ॥ सुधआहार कीयांसाधसदगतजावे, निरदोषदीयांजायेसदगतदाता ॥ दसमीकालिकपांचमेअधेनें, पहिलाउद्देसारीछेहलीगाथा आ० ॥ ४१ ॥ सातकर्मसाधुढीलापाडे, सूजतोआहारकरे तिणकालो ॥ नगोतीसूतरपहिलेसुतपंधे, नवमोउद्देसो जोय संनालो ॥ आ० ॥ ४२ ॥ आहारकरेगुररीआग न्यासुं, तिणसाधुनेवीरकहीछेमोपो ॥ अगारमोअधेनगि

नातीरोजोई, सांसोकाटोमेटोमनरोथोंपो ॥ ष्या०॥४३॥ सवदरूपगंधरसफरसंरी सायारेश्व्रतमूलनकायो ॥ सुग मार्गअधेनश्चढारमें, डंई्चवाश्युतरमायो ॥ श्या०॥४४॥ सायारेश्व्रतकहेपापंढी, तिणकुमतीरीसंगतदूरनिवारो॥ ६ मसांजन्ननेउत्तमनरनारी, सरवव्रतीगुरुमाथेधारो ॥ श्या० ॥ ४५ ॥ दूहा ॥ समदृष्टिश्चारेपांचमे, थोरीरिधीअलप मान ॥ मिथ्यादिष्टीजोमेंहुसी, बहुरिधबहुसनमान॥ १॥ समणथोडानेमूंढघणा, पाचमेश्वारेचेन ॥ चेपलईसाधुत णो, करसीकूडाफेन ॥ २ ॥ साधुअलपपूजाहुसी, गणा श्रंगमेसाप ॥असाधुमहिमाश्रतिघणी, श्रीवीरगयाठेना प ॥ ३ ॥ कुदेवकगुरुकुधर्ममें, घणालोक रह्यावंधहोय॥ श्रोलपनेनिरणोकरे, तेतोविरलाजोय ॥ ४ ॥ साधमारग ठेसाकरो, नोलापवरनकाय ॥ जीमदीवेमरेपतंगीयो, ति मपरेपगांमेजाय ॥ ५ ॥ घणासाधनेसाधवी, श्रावकश्रा वकालार॥ उलटापडेजिणधर्मथी, परसीनरकमजार॥६॥ महानसीतमेंमेंसुणो, गुणविणधारीनेप ॥ लापाकोडांग मेसावटा, नरकपरतादेप ॥७॥ लीधावरतनपालनी, पो टीदिष्टश्रयाण ॥ तिणनेकहीठेनारकी, कोईश्रापमलेज्यो तांण ॥ ८ ॥ श्रागमथीश्रवलावहे, साधुनामधराय॥ सुध करणीथीवेगला, तेकह्याकवीलगजाय ॥९॥ ढाल४थी ॥

चंदगुपतराजासुणोएदेशी॥सीधायरआयोसाधने, वलेओ
रकरवेआगेरे ॥ एहवाउपासराजोगवै, त्यांनेवजरकिरिया
लागेरे ॥ तिणनेसाधुकिमजाणिये ॥१॥ आचारांगदूजेक
ह्यो, महाउष्टदोषणछेतिणमेंरे ॥ जोवीरवचनसवलोक
रो, तोसाधपणोनहीतिणमेंरे ॥ ति० ॥ २ ॥ साधुअर
थेकरावेउपासरो, ठायोजिण्योगृहस्थबालरागीरे ॥ तिण
थानकमेंरहेतेहने, सावजकिरियालागीरे ॥ ति० ॥ ३ ॥
तिणनेजावेतोगृहस्थकह्यो, दीयोआचारांगसापीरे ॥ ने
पधारीकह्योसिद्धांतमें, तिणरीजगवंतकाणनरापीरे॥ति०
॥ ४ ॥ सिज्यातरपिंमजोगवेवले, कुबुधकेलवेकपटीरे ॥
धणीछेडआग्यालेओररी, सरसआहारादिकरालंपटीरे ॥
ति० ॥ ५ ॥ सबलोदोषणलागेतेहने, नसीतमेंडंडजारी
रे ॥ अणाचारीकह्योदसवीकालिके, जगवंतरीसीपनधा
रीरे ॥ ति० ॥ ६ ॥ अणकंपाआणश्रावकतणी, इवदि
रावणआगेरे ॥ दूजोकरणखंडहुवोव्रतपांचमो, तीजैकर
णपांचुहीजागेरे ॥ ति० ॥ ७ ॥ गृहस्थजीमावणरीकरे
आमना, जोंकरेसाधदलालीरे ॥ चोमासीमंमकह्योनसी
तमें, वरतभागाहुवोपालीरे ॥ ति० ॥ ८ ॥ करेवांसादि
कनोवाधवो, वलेकीयांजीजानाचेजारे ॥ ठांयोजीप्योते
हने, कहीजेंसपरीकर्मसेजारे ॥ ति० ॥ ९ ॥ एहवीवस

तीनोगवे, तेसाभनदीनवलेतोरे ॥ मातीकर्मकद्दोतेह ने, नसीतरेपांपमेष्ठरेतोरे ॥ ति० ॥ १० ॥ वांपेरता परेषकनातने, पक्केपंड्वासिरपर्नितारटारे ॥ सायुश्वरपे शरावैतेनोगवे, न्यांराज्ञानादिकगुणन्हाणारे ॥ ति० ॥ ॥ ११ ॥ पावीतोपानवनोगवे, त्यांदीवामनुजतनांगो रे ॥ नारेसाधपणापीरेगला, न्यानेगुणरिपालापेतांगो रे ॥ति० ॥ १२ ॥ कापपरामोवरन्योतेरापीयो, वनेजा पोजेवोपरनपांगेरे ॥ पांपमांरतपूरांपत्रो. वजेशिणश्या गन्यागेन्वोतेरे ॥ ति० ॥ १३ ॥ गृहस्थपत्र्यापोरेपीमांट पो, दावनारगुंदरवतनारे ॥ विठावणारगेन्द्रामना, ते सापपणापीभृारे ॥ ति० ॥ १४ ॥ गृहस्थपत्र्यापोसाध तेटरा, रपदांपद्दिगरणजईआवेरे ॥ इणविपनह्रिरेतेह मे, धान्तिकिणविपपावेरे ॥ ति० ॥ १५ ॥ सादमोजा एसोझेलांवतेटिपो, गृद्वांपणदोनुंईनारोरे ॥ पानेटासेके रापतरीत्ना. गेप्पानद्दीगापत्र्याणारीरे ॥ ति० ॥ १६॥ घोवणादिकमेनीनोतरी, जीनोरादिकपनीनारे ॥ एह वांपेदूरोरांरेनदी, तेपरजवहुंनद्दीपीनारे ॥ ति० ॥१७॥ एववांश्रेनपाणीजोगवे, न्यानेसाधुकिमपापीमेरे ॥ जो परतरनेसाधोकरो, त्यांनेघोगरीवांतमेंद्मापीजेरे ॥ति०॥ ॥ १८ ॥ गृहस्थपनेसतापघोजपोकदा, सापविपेतोदोप

णलागेरे॥ लिपायनेश्र णमोदियां, दोयकरणक्रपरलानागे
रे॥ ति० ॥ १९ ॥ पहिलेकरणलिप्यामेंपापछे, ॥ तोलि
पायांदोपणउधारोरे ॥ पांचमहाव्रतमूलगा, त्यांसघला
मेंपरियावधारोरे ॥ ति० ॥ २० ॥ उपधनलावैग्रह
स्थने, श्रोनहीसाधश्राचारोरे ॥ प्रवचनन्यायनमानीयो
लीयोमुगतसुमारगन्यारोरे ॥ ति० ॥ २१ ॥ ग्रहस्थउप
धरीकरेजावता, कियावरतचकचूरोरे ॥ सेवगहुवासंसा
रीया, साधपणायीदूरोरे ॥ ति० ॥ २२ ॥ सातापूछेपू
ठावेग्रहस्थरी, इवरतसेवणलागोरे ॥ श्रणाचारीकह्योद
सवीकालिके, वलेपांचूहीमहाव्रतनागोरे ॥ ति० ॥ २३ ॥
श्रावकनेवलेश्राविका, करेमाहोमाहीकारजरे ॥ सातापू
छेविनोवेयावचकरे, तिणमेंधर्मपरूपेश्रनारजरे ॥ ति० ॥
॥ २४ ॥ श्रणाचारपूरानहीश्रोलख्या, नवनांगाकिणवि
धटालेरे ॥ ग्रहस्थनेसीश्रावैसेवना, लीधावरतनहींसंभा
लेरे ॥ ति० ॥ २५ ॥ कारणपरीयांलेणोकहेसाधने, क
रेश्रसुधवेंहरणीरीथापोरे ॥ दातारनेकहैनिर्जरापणी, व
लीथोरोवतावैपापोरे ॥ ति० ॥ २६ ॥ एहवीकंधीकरेप
रूपणा, पणाजीवांनेवलटानापेरे ॥ श्रणविचारीनाषा
बोलता, नारीकर्मांजीवनसकेरे ॥ ति० ॥ २७ ॥ निष्ट
श्राचाररीकेरेथापना, कहेकहेदूपमकालोरे ॥ हिवडांश्रा

चारत्रेएह्वो, घणादोपणरोनढुवेटालोरे ॥ ति० ॥ २८ ॥
एकपोतेतोपालेनही, वलेपासेतिणसुंधेपोरे ॥ दोयमूंरष
कह्योतेह्ने, पहिलोआचारागदेपोरे ॥ ति० ॥ २९ ॥ पाट
वाजोटआणेमहस्थरा, पाछावेवणरीनहिनीतोरे ॥ मरजा
दालोपनेजोगवे, तिणछोडीजिणधर्मरीतोरे ॥ ति० ॥ ३० ॥
तिणनेमंमरुह्योएकमासनो, नसीतरेजदेसेवीजेरे ॥ न्याय
मारगपरूपतां, नारीकरमासुणसुणपीजेरे ॥ ति० ॥ ३१ ॥

सवैयो

गुणविनाजेपकोमूलनमानत, जीवअजीवकाकीया
निवेडा ॥ पुण्यपापकुंनित्रनित्रजाणत, आश्रवकर्मकुले
तजेरा ॥ आवताकर्मकुसंवररोकत, निर्जराकर्मकुदेतवि
खेरा ॥ बंधतोजीवकुंवांधकरराखत, सास्वतासुखज्युंमोक्ष
मेंदेरा ॥ ऐसाघटप्रगटकियातव, मेटयानवजीवारामि
थ्यात्वअंधेरा ॥ निर्मलज्ञानसुंउद्योतकियोतव, एतोपंथ
प्रभुतेराइतेरा ॥ १ ॥

समाप्त.

आ पुस्तक छापी प्रगट करवाने वास्ते आगलथी मदत आपनार साहेबोना नाम.

धणीनुं नाम.	नकलनुं आंक
शा. शोभागचंद दोलतचंद.	५१
शा नगीनभाइ ताराचंद..	२१
मारवाडी. सलदारमल बांठीआ चुरुवाला. .	१०
शा. नागरदास नेयालचंद.	१०
मारवाडी बलदेव जवेरी जेपुरवाला.. ..	५
मारवाडी. हेमराज नीमाणी फलोधीवाला. .	५
शा गुलाबचंद ताराचंद.	५
शा. प्रेमचद वमलसी . . .	५
शा. देवचद जुमकराम.	५
शा. ठाकोरदास देवचंद.	२
शा दायाभाइ इच्छुभाइ	१
	१२०

अनुक्रमणिका.

ग्रंथोनां नाम.	पृष्ट.
जीपणजीनुं चरित.	१
नवपदार्थना तेरद्वार. .. .	३१
स्वामी जीतमलजीकृत चोवीसजिन स्तुति	५३
अणकंपारी ढाल नव.	७३
साधरा आचार उपर ढालो चार	११५

शुद्धिपत्र.

पेच.	लेन.	अशुद्ध	शुद्ध.
३३	१	वा	नावा.
३०	११	र	०
ए४	७	निवलामे	निवलाने.
ए०	६	जीध	जीव.
१०ए	७	कुपातरदान पुमेनपरुपे	कुपातरदानमें पुण्यपरुपें
११०	१७	पतक	प्रत्येक
११२	११	मसदेल्यां	सदेल्यां.